धनबाद
शनिवार 01.03.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-10 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-2
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

राज्यकर्मियों को हेमंत सरकार का तोहफा

5 लाख तक का मुफ्त में होगा इलाज

रांची (एजेंसी): झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यकर्मियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने झारखंड विधानसभा के सभागार में एक कार्यक्रम में स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया।

इस योजना के तहत, राज्यकर्मियों, पेंशनरों, विधान सभा सदस्यों, पूर्व सदस्यों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मियों का ५ लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त में होगा।

इसके अलावा, गंभीर बीमारियों की स्थिति में १० लाख रुपये तक का चिकित्सा व्यय भी वहन किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में लाभुकों को एयर एंबुलेंस की सुविधा भी मिलेगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

सीएम हेमंत सोरेन ने मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज व्यक्तिगत तौर पर बेहद सुखद अनुभव हो रहा है। देशभर में आज हर एक व्यक्ति किसी न किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहा है। बी.पी और शुगर की समस्या इन दिनों बेहद आम हो गई है। दवाइयों और अन्य चीजों की कीमत भी आसमान छू रही है।

जैसा अस्पताल वैसे उसके खर्चे। झाड़-फूंक ओझा वाला समय अब पार हो गया। वो भी एक मजबूत व्यवस्था थी लेकिन हम उस व्यवस्था और परंपरा को आगे बढ़ाने में नाकाम रहे। आज बड़े-बड़े अस्पतालों और दवाइयों के भरोसे जीवन चल रहा है। ये राज्य गरीबी के साथ-साथ पिछड़ेपन का भी शिकार है। लेकिन हम हर संभव प्रयास कर रहे है की राज्य की विभिन्न समस्याओं को जड़ से खत्म किया जाय।

चमोली में ग्लेशियर टूटा, एवलांच से भीषण तबाही, 57 मजदूर दबे, 16 को बचाया गया

चमोली (ईएमएस): उत्तराखंड के चमोली जिले के सीमांत क्षेत्र माना गांव के पास ग्लेशियर टूटने से बड़ा हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में ५७ मजदूर दब गए हैं। यह मजदूर सीमा सडक़ संगठन के ठेकेदार के तहत काम कर रहे थे। इनमें से १६ मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जबकि बाकी ४१ मजदूरों की तलाश जारी है। मजदूर ८ कंटेनर और एक शेड में थे। घटना बद्रीनाथ से ३ किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई। यहां बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की टीम चमोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बर्फ हटाने के काम में लगी हुई है। मजदूर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की टीम के साथ थे।

सेना के मुताबिक घटना की जानकारी मिलते ही क्विक रिस्पॉन्स टीम के १०० से ज्यादा जवान तत्काल रेस्क्यू में जुटे। इसमें डॉक्टर, एम्बुलेंस स्टाफ भी शामिल हैं। अबतक कुल १६ मजदूरों का रेस्क्यू किया जा चुका है। ४१ की तलाश जारी है। खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं।

न कॉपियों की दोबारा जांच होगी न बहाली रुकेगी

स्नातक स्तर शिक्षक परीक्षा मामले में हाई कोर्ट ने खारिज की याचिकाएं

रांची (एजेंसी): झारखंड उच्च न्यायालय ने स्नातक स्तर शिक्षक परीक्षा से संबंधित १० अपील याचिकाओं को खारिज कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति एस. चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति रत्नाकर भेंगरा की खंडपीठ ने सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पुनर्मूल्यांकन और भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी।

याचिकाकर्ताओं का दावा था कि परीक्षा में कई त्रुटियां थीं, जिससे उम्मीदवारों को नुकसान हुआ। उन्होंने परीक्षा परिणामों की समीक्षा और नई मेरिट लिस्ट जारी करने की अपील की थी। हालांकि, न्यायालय ने उनके तर्कों को स्वीकार नहीं किया और याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा संचालन में किसी भी गंभीर अनियमितता का प्रमाण नहीं मिला, जिससे पूरी परीक्षा प्रक्रिया को रद्द करना उचित नहीं होगा। इस फैसले के बाद शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के सुचारू रूप से आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है।

शिक्षकगण अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा के कारण हमेशा रखे जाएंगे : उमा शंकर सिंह

रांची (ससे): श्री उमा शंकर सिंह ,सचिव ,स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने शुक्रवार को रांची जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा फरवरी माह में सेवानिवृत होने वाले दो प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं १६ सेवानिवृत शिक्षकों को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिवालय स्थित सभागार में सम्मानित किया । उन्होंने शिक्षकों को मोमेंटो, शॉल एवं सभी तरह की पावनाओं को देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते। आप शिक्षकगण अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा और समर्पण के कारण हमेशा याद रखे जाएंगे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री शशि प्रकाश सिंह निदेशक प्राथमिक शिक्षा ने शिक्षकों को उनके जीवन भर की मेहनत और योगदान के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने सभी सेवानिवृत शिक्षकों को नव साक्षर भारत प्रोजेक्ट उल्लास के जन चेतना केंद्र से जुड़ने का आह्वान भी किया.

जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं और उनका योगदान न केवल एक पीढ़ी तक सीमित रहता है बल्कि यह अनंत काल तक चलता है। उन्होंने जानकारी दी कि माह जनवरी २०२५ में भी २८ सेवानिवृत ▶▶ 8

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौता पर कही बात

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आईं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने पर चर्चा हुई है। पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात से पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा समझौता होगा, उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस साल तक इस मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह दुनिया खतरों से भरी है। लेकिन मेरा मानना है कि महान शक्ति प्रतिस्पर्धा का यह आधुनिक संस्करण यूरोप और भारत के लिए नए मौके लाकर आया है। इसके पहले लेयेन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा, यूरोप के साथ भारत के जुड़ाव को फिर से सक्रिय करने पर उनके विचारों की सराहना करता हूं। इस यात्रा के दौरान भारतीय मंत्रियों और ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की व्यापक भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हम गहरे भारत-ईयू संबंधों को कितना महत्व देते हैं।

इसके पहले यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने शुक्रवार को कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा समझौता होगा और दोनों पक्ष इस साल इसे अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। कुल २७ देशों के इस समूह की शीर्ष नेता ने एक 'थिंक टैंक' को ▶▶ 8

कोलकाता हाईकोर्ट को मिले 5 नए जज, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दी मंजूरी

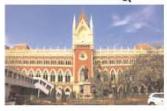

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कोलकाता हाई कोर्ट में ५ नए जजों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह फैसला २५ फरवरी को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया। नए जजों के रूप में नियुक्त होने वालों में स्मिता दास डे, ऋतब्रतो कुमार मित्रा, मोहम्मद तलय मसूद सिद्दीकी, कृष्णराज ठाकर और ओम नारायण राय के नाम शामिल हैं। फिलहाल कोलकाता हाई कोर्ट में ७२ स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल ४३ जज कार्यरत हैं।

नक्सलियों को फंडिंग करने वाला गिरफ्तार

पैसे इकट्ठा कर संगठन तक पहुंचाने का करता था काम

जगदलपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एनआईए ने नक्सलियों को फंडिंग करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक मूलवासी बचाओ मंच का शीर्ष नेता है। ये पैसे इकट्ठा कर नक्सल संगठन के नेताओं को देता था। इन पैसों का इस्तेमाल नक्सली देश विरोधी काम में किया करते थे।

एनआईए के मुताबिक, छत्तीसगढ़ पुलिस ने नवंबर २०२३ में नक्सल मामले में २ लोगों को गिरफ्तार किया था। फिर चार्जशीट दाखिल की थी। वहीं फरवरी २०२४ में इस केस को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों से ६ लाख रुपए नगदी बरामद की थी।

एनआईए ने युवक को पकड़ा

इन दोनों आरोपियों की पहचान मूलवासी बचाओ मंच सदस्य और ओजीडब्ल्यू के रूप में की गई थी। इनसे पूछताछ की गई थी। साथ ही, मामले की जांच की गई, जिसमें पता चला कि रघु मिडियामी एमबीएम का नेता है। यह नक्सलियों के लिए पैसे इकट्ठा कर उनतक पहुंचा रहा है। इन पैसों को नक्सली देश विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल कर रहे है।

सिलगेर आंदोलन का है नेता जिसके बाद एनआईए ने मामले की जांच की और रघु को बीजापुर जिले से गिरफ्तार किया। रघु सिलगेर आंदोलन का भी नेता है। यहां सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित किया गया था। जिसके विरोध में सैकड़ों ग्रामीण आंदोलन किए थे। यह उस समय छत्तीसगढ़ का सबसे लंबे समय तक चलने वाला सबसे बड़ा आंदोलन था।

यमुना सफाई का केंद्र ने बनाया मास्टर प्लान, चार तत्व किए शामिल

पीएम नरेंद्र मोदी की मंजूरी के लिए होगा पेश, फिर शुरु होगा काम

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में यमुना नदी को साफ करने के लिए केंद्र सरकार ने 'यमुना मास्टर प्लान' तैयार किया है, जिसे जल्द ही पीएम मोदी की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। इस योजना को जल शक्ति मंत्रालय ने विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया है, जिन्होंने गुजरात में साबरमती रिवरफ्रंट जैसी परियोजनाओं पर काम किया था।

यमुना सफाई परियोजना में चार महत्वपूर्ण तत्व शामिल किए गए हैं जिसमें कचरे और कीचड़ का निष्कासन, प्रमुख नालों की सफाई, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की निगरानी और विस्तार, यमुना किनारे सौंदर्यीकरण और संरक्षण कार्य। दिल्ली में नई बीजेपी सरकार बनने के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने वसुदेव घाट पर यमुना आरती कर सफाई अभियान की शुरुआत की। वहीं, आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चला। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार जानबूझकर दिल्ली की जल आपूर्ति बाधित कर रही है,

जिससे यमुना में प्रदूषण बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की नई परिस्थितियों को देखते हुए यमुना सफाई योजना के बेहतर क्रियान्वयन की संभावना है। कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करने की सलाह दी। अब देखना होगा कि पीएम मोदी की मंजूरी के बाद इस योजना पर कितनी तेजी से काम होता है और दिल्ली की जनता को कब तक साफ यमुना देखने को मिलती है।

15 तक बीजेपी को मिल जाएगा जेपी नडडा का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब हर किसी के मन में बस एक ही सवाल है कि बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर संशय बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक बड़ी खबर आई है कि अध्यक्ष का नाम १५ मार्च से पहले घोषित हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो सकता है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव १२ राज्यों में पूरे हो चुके हैं और बताया जा रहा है कि अध्यक्ष का नाम १५ मार्च से पहले घोषित किया जा सकता है। उसके बाद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार अशुभ अवधि शुरू होती है।

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए करीब आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होना जरूरी है। इसके पहले, बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनाव होते हैं। अभी ३६ राज्यों में से सिर्फ १२ में ही चुनाव पूरे हुए हैं। इसलिए करीब ६ और राज्यों में चुनाव कराने की जरूरत है। बीजेपी उन राज्यों में इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें तमिलनाडु, बंगाल, असम और गुजरात शामिल है। बिहार में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का चयन ▶▶ 8

2024-25 के लिए ईपीएफओ का बड़ा फैसला

पीएफ अकाउंट में जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली (ईएमएस): कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) को लेकर बड़ी खबर आ रही है। बताया गया कि सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने शुक्रवार को २०२४-२५ के लिए ईपीएफ जमा पर ८.२५ फीसदी की ब्याज दर बरकरार रखने का फैसला किया है। फरवरी २०२४ में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने २०२३-२४ के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर ८.२५ फीसदी कर दिया था। २०२२-२३ में यह ब्याज दर ८.१५ फीसदी थी। ऐसे ही मार्च २०२२ में ईपीएफओ ने २०२१-२२ के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर ८.१ फीसदी कर दिया था। २०२०-२१ में यह ब्याज दर ८.५ प्रतिशत थी। इससे पहले २०२०-२१ के लिए ईपीएफ पर ८.१० प्रतिशत ब्याज दर १९७७-७८ के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर आठ प्रतिशत थी। ईपीएफओ से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि ईपीएफओ की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने शुक्रवार को अपनी बैठक में २०२४-२५ के लिए ईपीएफ पर ८.२५ प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया है। सीबीटी ने मार्च २०२१ में २०२०-२१ के लिए ईपीएफ जमा पर ८.५ प्रतिशत ब्याज दर तय की थी। सीबीटी के निर्णय के बाद २०२४-२५ के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को सहमति के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षकों को दी सौगात, 28945 शिक्षकों के बीच टैबलेट का किया वितरण

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मुख्यालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा आयोजित समारोह में २८९४५ सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के बीच टैबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने गुणवत्तायुक्त शिक्षा संवर्धन हेतु विद्यालय रिपोर्ट कार्ड एवं शिक्षकों के लिए ५० घंटे का अनिवार्य समेकित- सतत क्षमता विकास कार्यक्रम का भी ऑनलाइन शुभारंभ किया।

बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा में जुड़ा एक नया अध्याय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सरकारी विद्यालयों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालयों को टैबलेट उपलब्ध करने के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। इससे स्कूलों में उपस्थिति से लेकर सभी रिपोर्टिंग कार्य डिजिटल माध्यम से होंगे. वहीं, टैबलेट का प्रयोग बच्चों के पठन-पाठन, शिक्षकों के प्रशिक्षण, अनुश्रवण, बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग आसान हो जाएगी और उसके आधार पर शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

बच्चों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था का व्यापक पैमाने पर डिजिटाइजेशन हो चुका है। स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज चल रहे हैं। डिजिटल शैक्षिक सामग्रियों का इस्तेमाल हो रहा है । ऑनलाइन कोचिंग क्लासेज चल रहे हैं । ऐसे में अगर हमारे बच्चे अगर डिजिटल फ्रेंडली नहीं होंगे तो उनके आगे की राह आसान नहीं होगी। उन्हें हर कदम पर कई चुनौतियां एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार ने सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने तथा डिजिटल रूप से उन्हें मजबूत करने करने के अभियान में जुट गई है। बच्चों का समग्र विकास हमारी सरकार प्रतिबद्धता है।

मोबाइल में सिमट गई है दुनिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक में आज तेजी से बदलाव हो रहा है। आपकी मुट्ठी में मोबाइल है और उस मोबाइल में सारी दुनिया सिमट गई है। अब आपको ना को पर्स लेकर चलने की जरूरत है और ना ही कैश। आप अपने मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ तमाम जानकारियां हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हर चीज की सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं। मोबाइल फोन भी इससे अच्छा नहीं है,लेकिन यह आप पर निर्भर करता है कि इसका इस्तेमाल किस रूप में करते हैं। अगर आप इसका सदुपयोग करेंगे तो निश्चित रूप से उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। ▶▶ 8

मामा पर गोली चलाने वाला आरोपी भांजा फरार

भूली (ससे) : भूली ई ब्लॉक सेक्टर चार निवासी अमित कुमार पांडेय पर गुरुवार की रात गोली चलने की घटना में उनका

भांजा फरार हो गया है। मुक्तभोगी ने इस मामले में थाने में लिखित आवेदन दिया है, जिसके आधार पर भूली पुलिस ने कांड अंकित कर लिया और घटना की जांच शुरू कर दी है। मुक्तभोगी ने अपने भांजे सुमन पांडे पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि सुमन पांडेय ने जान मारने की नियत से उन पर गोली चलाई।

यह घटना गुरुवार की रात की बताई जा रही है। सुमन पांडेय अमित कुमार पांडेय के घर पर सालों से रह रहा था। घटना के पीछे की वजह भांजे की गलत संगत बताई जा रही है, जिसके कारण मामा ने उसे घर से निकाल दिया था। आरोपी सुमन ने अपने मामा अमित कुमार पांडे पर गोली चलाई, जो घटना के बाद से फरार है। भूली ओपी प्रभारी अभिनव कुमार ने बताया कि मामले में कांड अंकित कर लिया। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी होगी।

गौरतलब है कि अमित कुमार पांडेय ने बताया कि गुरुवार की रात करीब नौ बजे वह इडली का ठेला लेकर अपने घर लौट रहा था।

मोहल्ले के पास एक मोड़ के पास जब वह पहुंचा तो सामने से भांजा सुमन पांडेय अपने एक सहयोगी के साथ आया और बिना कोई मौका दिए गोली चला दी।

गोली पहले ठेले के पाइप में लगी और छिटककर उसके हाथ व कान में लगी। फायरिंग के बाद भांजा और उसका साथी भाग निकले। गोली चलने की आवास सुनते ही स्थानीय लोग अपनेअपने घरों से निकल आए और कुद लोगों ने घायल को इलाज के लिए ले गए। इधर, भूली ओपी की पुलिस को सूचना मिलते ही गश्ती दल मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। अमित कुमार पांडेय ने बताया कि भांजा सुमन पांडेय बचपन से मेरे साथ ही रहता था, पर बीते सितंबर महीने में उसने मेरी ही बाइक चोरी कर ली। इसकी थाने में शिकायत करने के बाद उसने दोचार दिनों में बाइक वापस कर दी। प्रत्येक दिन वह शराब के नशे में आकर हंगामा करता था।

गाजे बाजे के साथ निकली निशान यात्रा

सिंदरी (ससे) : शुक्रवार को गौशाला दुर्गा मंदिर प्रांगण से श्रीश्री श्याम सेवा समिति सिंदरी के सदस्यों द्वारा आयोजित १२वीं श्री श्याम निशान शोभा पद यात्रा का शुभारंभ सभी धार्मिक अनुष्ठान पुजारी रामचंद्र के द्वारा संपन्न कर श्री श्याम निशान की पूजन विधिवत संपन्न कराया। यजमान राजेश अग्रवाल संग पत्नी सुनैना अग्रवाल ने पहला निशान उठाया। उसके पश्चात सैंकड़ों की संख्या में महिलापुरुष, बच्चे सभी श्याम भक्तजन हाथों में निशान लिए हारे का सहारा श्री श्याम बाबा है हमारा, जय श्री श्याम, के गगन भेदी जयकारा के साथ नाचते झूमते, अबीर गुलाल खेलते, पद यात्रा करते हुए झरिया लाल बाजार स्थित श्यामधाम गये। पुजारी कैलाश पांडेय अपने सहयोगियों, मंदिर कमिटी के सहयोगियों द्वारा हर श्याम प्रेमी का निशान बाबा को निशान अर्पित कराया। सभी श्रद्धालुगण श्याम की भक्ति में लीन थे, ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो श्याम प्रभु भक्तो के बीच मौजूद होकर भक्तो संग रंग गुलाल से होली खेल रहे हो पूरा माहौल श्याम मय था।

निशान यात्रा का मुख्य आकर्षण गाजे बाजे के साथ फूल मालाओं से सुशोभित श्याम बाबा का भव्य दरबार की मनमोहक आकर्षक सजावट, मनमोहक झांकी सहित नाचते गाते बाबा का गुण गान करते श्याम भक्तों के हाथों में बाबा का निशान सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। बाबा की दरबार की सजावट समिति के सदस्यों संग राजू माली का सहयोग रहा।

रास्ते भर सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धालुओं को जल पान, फलाहार, चाय नाश्ता, प्रसाद की समुचित व्यवस्था था। समिति के सदस्यों द्वारा सामाजिक कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र से सम्मानित कर धन्यवाद दिया। श्री श्याम भक्तों द्वारा बाबा के दरबार में जगह जगह श्याम बाबा की आरती की गई, रंग गुलाल, पुष्प की वर्षा कर आतिशबाजी की गई, श्री श्याम निशान लिए भक्तों का भी खूब आदर सत्कार सेवा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्री श्याम सेवा समिति सिंदरी के सदस्य, महिला समिति एवम समाजिक संगठन, कार्यकर्ता जूटे हुए थे। पुलिस प्रशासन का सहयोग भी सराहनीय रहा।

आयोजन को सफल बनाने में रंजीत कुमार, सोनु सिंह, गोवर्धन मंडल, कर्ण महतो, रामनिवास अग्रवाल, सुभाष गोयल, राजेश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, रमेश शर्मा, प्रदीप करीवाला, प्रकाश अग्रवाल, अशोक गोयल, देवी, सीमा अग्रवाल, कुसुम गोयल, नीलम गोयल, किरण करीवाला, लीलावती देवी, रेशमी अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल अन्य सभी सदस्य जुटे हुए है।

मध्य विद्यालय पोटारी में चौथी बार हुई चोरी

निरसा (ससे) : शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत स्थित मध्य विद्यालय पोटारी में बीती रात चोरों ने धावा बोला और स्कूल में रखें मध्यान भोजन के सामग्री सहित अन्य सामान चोरी कर भाग गए। बताया जाता है स्कूल में ये चौथी बार चोरी की घटना घटी है। जानकारी देते हुए स्कूल के प्राचार्य विष्णु लाल किस्कू ने बताया कि पहले भी कई बार स्कूल में चोरी की घटना घट चुकी है। बीती रात चोरों ने स्कूल में रखे चावल, दाल, तेल व अन्य खानेपीने सामान के साथ पानी का मोटर और कुछ कुर्सियां चोरी कर ली गई है। जिसकी शिकायत कुमारधुबी पुलिस से की गई है। सूचना पर कुमारधुबी पुलिस पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है।

वही माता समिति के सदस्य चाइना बाउरी ने कहा स्टोर में रखे बक्से में चावल, दाल, तेल जैसे सभी सामान रखे हुए थे। सुबह देखा तो पूरा बक्सा खाली है। जिसकी जानकारी स्कूल प्राचार्य को दिया गया। वही एग्यारकुंड प्रखंड के उप प्रमुख विनोद दास ने कहा कि यह स्कूल प्रबंधन की लापरवाही है। पहले भी स्कूल से कई कीमती समानों की चोरी हुई है। जिसके बाद भी प्रबंधन सजग नही हुए। ये चौथी बार स्कूल में चोरी की घटना हुई है। स्कूल के प्राचार्य को सीसीटीवी कैमरा लगाना चाहिए। स्कूल के बाउंड्री वाल को ऊंचा करना चाहिए। दीवार का हाइट कम रहने के कारण चोर दीवार फांद कर स्कूल में प्रवेश करते है।

अस्पताल में इलाज के दौरान किशोरी की मौत

धनबाद (कासं) : मोबाइल की जिद में इंटर की छात्रा ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। घरवालों ने उसे दो माह के भीतर मोबाईल फोन खरीद देने का भरोसा भी दिया था परन्तु किशोरी पर मोबाईल फोन का जूनून इस कदर हावी था कि उसने दो माह का इन्तेजार करने के बजाय गुस्से में आकर जहर खा ली। मृतका १७ वर्षीया गीता कुमारी का भाई बिजेंद्र गोप का कहना है कि उनकी बहन गीता इंटर की परीक्षा दे रही थी। २२ फ़रवरी को भी उसने परीक्षा दी। २३ से उसकी तबियत बिगड़ती चली गई। जिसके बाद उसे एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बिजेंद्र ने बताया कि उनके पिता अनिल गोप राज मिस्त्री का काम करते है। हमलोग गरीब परिवार से आनेवाले लोग हैं। गीता ने मोबाईल फोन की फरमाइस की थी। तुरंत उसे मोबाईल फोन खरीदकर देना हमलोगों के बस में नहीं था। फिर भी दो माह के भीतर फोन खरीद देने का भरोसा भी दिया था, पर वह नहीं मानी और उसने कब जहर खाया घर वालों को कुछ भी पता नहीं चला। उसकी तबियत बिगड़ने पर डॉक्टर के पास ले जाया गया। ठीक होने पर २२ फ़रवरी को वह परीक्षा भी दी पर २३ फ़रवरी से तबियत बिगड़ने लगी।

राम महोत्सव मनाने की तैयारी में जुटे विहिप कार्यकर्ता

धनबाद (कासं) : विश्व हिंदू परिषद धनबाद जिला महानगर की जिला बैठक हनुमान मंदिर में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता हुई। इस बैठक में प्रांत बैठक २२ से २४ फरवरी को रामगढ़ में संपन्न हुआ था। जिसमें आगामी कार्यक्रम करने की योजना बनायी गयी थी। इस योजना के तहत जिला बैठक की गई। १ मार्च से ४ मार्च तक जिले की सभी प्रखंडों का बैठक की जाएगी। ८ और ९ मार्च २०२५ को जिला का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग किया जाएगा। ३० मार्च से १२ अप्रैल तक श्री राम महोत्सव मनाया जाएगा। श्री राम महोत्सव का कार्यक्रम यह विश्व हिंदू परिषद के धनबाद जिला महानगर के अंदर जितने भी समिति है सभी समितियां में यह कार्यक्रम किया जाएगा। १२ अप्रैल को हनुमान जयंती का कार्यक्रम मनाया जाएगा। ८ को सीतानामी के कार्यक्रम मनाया जाएगा और आगामी प्रशिक्षण वर्ग प्रांत के भी चर्चा इस बैठक आगामी कार्यक्रम के सभी को जानकारी गोरक्षा के प्रांत संयोजक एवं धनबाद विभाग पलक तथा धनबाद महानगर के जिला पालक कमलेश कुमार सिंह ने जानकारी दी। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री दीपक मंडल, जिला उपाध्यक्ष पप्पू यादव, जिला उपाध्यक्ष जूही पाठक, जिला मंत्री सुनील कुमार, जिला सह मंत्री रंजीत रवानी, गोरखा जिला प्रमुख राम जी शर्मा, धर्माचार्य का प्रमुख गोविंद शुक्ला, धनबाद नगर अध्यक्ष दिवाकर सिंह, आतिश कुमार, जयप्रकाश साहू इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कारू यादव की जमानत याचिका खारिज

धनबाद (कासं) : खरखरी कांड से जुड़े अवैध हथियार और बम बरामदगी मामले में आरोपी कारू यादव की जमानत याचिका मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार की अदालत ने खारिज कर दी। कारू यादव १५ जनवरी से जेल में बंद है और उसके खिलाफ मधुबन थाना में नौ अलगअलग मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, इस मामले की जांच के दौरान आरोपी राम लखन महतो ने खुलासा किया था कि वह कारू यादव के इशारे पर अवैध हथियार रखता था और जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल करता था। पुलिस की पूछताछ में राम लखन ने बताया कि वह हथियार और विस्फोटक बरामद करवा सकता है।

राम लखन की निशानदेही पर पुलिस ने खरखरी स्थित बड़ा तालाब के पास एक आइसक्रीम दुकान से चौकी के ऊपर रखे कार्टन में एक लोडेड पिस्टल, मैगजीन (जिसमें पांच जिंदा गोलियां थीं) और एक जिंदा देसी सुतली बम बरामद किया।

इस मामले में आइसक्रीम दुकान के मालिक शशि विश्वकर्मा सहित कारू यादव, वीरेंद्र यादव, विनोद यादव, बजरंगी पासवान, रॉकी मोदक, रोशन यादव, रवि विश्वकर्मा और प्रदीप यादव के खिलाफ आर्म्स एक्ट और एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

कारू यादव की जमानत याचिका पर अदालत में सुनवाई हुई, लेकिन गंभीर आरोपों को देखते हुए न्यायालय ने उसे जमानत देने से इंकार कर दिया। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस इस कांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

बिस्सा मुंडा की मूर्ति को क्षति पहुंचाने वालों पर कार्रवाई की मांग

धनबाद (कासं) : धनबाद बैंकमोड़ स्थित भगवान बिरसा

मुंडा की आदमकद मूर्ति को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षति पहुंचाए जाने के बाद भगवान बिरसा मुंडा स्मारक संचालन समिति धनबाद के सदस्यों में खासी नाराजगी है। उन लोगों ने इस घटना की जांच के लिए नगर आयुक्त को पत्र दिया है। घटना में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की है। नगर आयुक्त को दिए पत्र में जिम्मा भी नगर निगम की है। पत्र में रती लाल महतो, जेपी वालिया तथा अमर पासवान का हस्ताक्षर है। इधर, युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला प्रशासन से अनुरोध है कि वैसे असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई हो। जिसने यह कृत किया है।

श्री सिंह ने कहा कि भगवान बिरसा हमारे भगवान हैं और उनकी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ युवा संघर्ष मोर्चा कतई बर्दास्त नहीं करेगा। बारबार यहां की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस पर भी ध्यान दें। श्री सिंह कहा कि प्रतिमा की सुरक्षा को प्रशासन पुख्ता इंतजाम करें, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबार ना हो। दिलीप सिंह ने भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर उन्हें सम्मान किया।

मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना की जांच की मांग

धनबाद (कासं) : शहीद बिरसा मुंडा स्मारक स्मृति संचालन समिति के संयोजक महादेव हांसदा ने उपायुक्त को पत्र देकर शहर के बैंकमोड़ में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की जांच की मांग की है। उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई करने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि स्थापित बिरसा मुंडा मूर्ति के चारों ओर स्टील के गेट लगाया जाए। ताकि इस घटना की पुनरावृति नहीं हो। धनबाद जैसे शहर में भगवान बिरसा मुंडा का एकमात्र मूर्ति स्थापित किया गया है। इनके चारों ओर सीसीटीवी कैमरे भी लगाने की मांग की गई है। मालूम हो कि भगवान बिरसा मुंडा का धनुष तोड़ किसी ने खंडित कर दिया है। यह दूसरी घटना है।

बीसीसीएल में सेवानिवृत कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शुक्रवार को कोयला भवन में सेवानिवृत्ति-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने की। कार्यशाला में महाप्रबंधक (कार्मिक) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (जेएमपी) विद्युत साहा तथा महाप्रबंधक (सीटीपी) सुनील कुमार ने भी सेवानिवृत्त के कार्यक्रम का हिस्सा बने।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने सभी कार्मिकों को सफलता पूर्वक कंपनी की सेवा करने के लिए धन्यवाद दिया तथा उन्होंने सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों को कम्पनी से प्राप्त होने वाली धनराशी का समझदारी से उपयोग करने की सलाह दी। इस अवसर परमुख्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, सुरेद्र भूषण, अपूर्व कुमार मित्रा, सत्यप्रिय रॉय, तथा अधिकारियों में मनीष चन्द्र साहु, पूनमएवं मुख्यालय के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस विशेष अवसर पर सेवा निवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में विभिन्न यूनियन प्रतिनिधि थे। सकार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क विभाग के प्रबंधक (कार्मिक) प्रणव कुमार ओझा ने किया।

सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों में श्यामल चक्रबर्ती, उपेन्द्र कुमार सिंह, ए.के चट्टोपाध्याय, मन्यु ठाकुर, मुख्य प्रबंधक (खनन), उपेन्द्र सिंह प्रबंधक (खनन), दीपक कुमार, एसके सिन्हा, देव नारायण रजक, सुरेश रजक, राम प्रवेश दास, युगल किशोर दास, सुदर्शन सिंकू, रिंकू हाजरा, संध्या देवी व दिलीप सहानी आदि शामिल है।

सेवानिवृत्ति का पैसा नहीं मिलने की शिकायत

धनबाद (कासं) : एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में जिले के बलियापुर, गोविंदपुर, तोपचांची तथा झरिया सहित अन्य क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतें सुनी।

इसमें गोविंदपुर महुबनी के सुंदर पहाड़ी से आयी एक वृद्ध महिला ने एडीएम को बताया कि उनके पिता बीसीसीएल में कार्यरत थे। उनकी मृत्यु वर्ष १९८२ में हो गई थी। कई दशक बीत जाने के बाद भी बीसीसीएल ने उनके स्वर्गवासी पिता का पीएफ, ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति के अन्य लाभ का भुगतान नहीं किया है।

गौरतलब है कि महिला काफी उम्रदराज थी और स्पष्ट हिन्दी बोलने में असमर्थ थी। इसलिए वह संथाली भाषा में एडीएम के साथ वार्तालाप कर रही थी। उनकी बातों को अच्छे से समझने के लिए एडीएम ने संथाली भाषा बोलने वाले एक कर्मी को बुलाया। उसने महिला की सारी बातें संथाली भाषा में सुनी और महिला की पीड़ा एडीएम को बताई। एडीएम ने तत्काल मामले पर संज्ञान लेते हुए बीसीसीएल के सीएमडी को पत्र लिखने और महिला की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया।

एक अन्य महिला ने बताया कि उसने आमाघाटा लेमन चिल्ही होटल के पास जमीन दलाल से २ डेसिमल जमीन खरीदी। जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई है। जब वह जमीन पर घर बनाने गई तब पता चला कि जमीन सीएनटी एक्ट की है। महिला ने बताया कि उन्होंने लोन लेकर जमीन दलाल को भुगतान किया है। उन्होंने जमीन के लिए दिए गए पैसे वापस दिलाने की गुहार लगाई। जनता दरबार में राशन कार्ड में नाम जुड़वाने, पीएम आवास की स्वीकृति प्रदान करने, ऑनलाइन पंजी २ में नाम दर्ज कराने, भू-माफियाओं द्वारा रैयती जमीन पर जबरन कब्जा करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जनशिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक नंदकिशोर कुशवाहा भी मौजूद थे।

रेलवे स्टेशन से बाइक चोरी

बलियापुर (ससे) : प्रधानखंता रेलवे स्टेशन अपने एक रिश्तेदार को ट्रेन पकड़वाने गए पहाड़पुर गांव के प्रवीण कुमार महतो की जेएच १० बीसी ४५०६ बाइक अज्ञात चोरों ने चोरी कर ले भागा। घटना शुक्रवार ११:३० बजे की बताई जाती है। मुक्तभोगी श्री महतो ने बताया कि वह प्रधानखंता स्टेशन पर गया पैसेंजर में अपने एक रिश्तेदार को चढ़ाने के लिए स्टेशन पर गया था। उसने अपनी बाइक को ओवर ब्रिज के उत्तर पेड़ के नीचे खड़ी कर स्टेशन के प्लेटफार्म पर पहुंचा। जब वह अपनी बाइक के पास पहुंचा तो उनकी बाइक गायब थी। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत बलियापुर थाना में किया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रधानाध्यापक की विदाई

गोविंदपुर (ससे) : मध्य विद्यालय सहराज में शुक्रवार को अवकाश प्राप्ति पर प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार मिश्र की भावभीनी विदाई दी गई। विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों द्वारा विदाई समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बच्चों को दिए गए संस्कार से ही शिक्षक याद रखे जाते हैं। वक्ताओं में प्रभारी प्रधानाध्यापक रजनीकांत पाठक, शिक्षक रंजीत कुमार, महेश पंडित, सत्येंद्र तिवारी, बृजेश कुमार, मो. खलीफा अंसारी, सिकंदर अंसारी, एसएमसी अध्यक्ष जहरुद्दीन अंसारी, कामदेव, रामप्रसाद, लोबिन आदि शामिल थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेंद्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

पत्रकारों से ये कैसी नाराजगी सीएम साहब : प्रीतम भाटिया

पश्चिमी सिंहभूम (ससे) : शुक्रवार को ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन द्वारा झारखंड में पत्रकारों को बीमा, पेंशन, आवास, एक्रिडेशन, सुरक्षा और संवर्द्धन हेतु प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को कोल्हान आयुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। एआईएसएमजेडब्ल्यूए एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया और बिहारझारखंड सह प्रभारी शंकर गुप्ता द्वारा आयुक्त की अनुपस्थिति में उनके सचिव अजय साव को ज्ञापन सौंपा गया है।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया ने कहा कि राज्य में पत्रकारों को बीमा और पेंशन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए लगातार ज्ञापन सौंपा गया है इसके बावजूद सरकार और विपक्ष का इस ओर ध्यान नहीं गया है। उन्होने कहा कि आज जब राज्यकर्मियों, अधिवक्ताओं, पूर्व कर्मियों और अन्य समूहों को ५ लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है तब पत्रकारों की सम्मान सुरक्षा योजना २०२२ पर कोई काम नहीं हो रहा है। वे बोले पत्रकारों को सबसे पहले बीमा देने वाले सीएम हेमंत सोरेन बताएं कि पत्रकारों से ये कैसी नाराजगी है?

मौके पर उपस्थित ऐसोसिएशन के बिहारझारखंड सह प्रभारी शंकर गुप्ता ने कहा कि पत्रकारों पर लगातार फर्जी मामले दर्ज किए जा रहे हैं और वैसे में पत्रकारिता अब सामान्य पेशा नहीं रह गया है। उन्होने कहा कि फर्जी मामलों की सीआईडी जांच को लेकर विभिन्न जिलों में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और डीजीपी को लगातार ज्ञापन सौंपने के बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

एसोसिएशन के प्रदेश सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकारों को एकजुट होकर आंदोलन करने की जरुरत है और जब तक हम एकजुट नहीं होंगे सरकार का ध्यान हम पर नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को एक्रिडेशन जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं क्योंकि एक्रिडेशन कमिटी की बैठक लंबे समय से नहीं हो पाई।

एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता अरूण मांझी ने कहा कि कोरोना काल से ही भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को रेल रियायती सुविधा और टोल फ्री सेवा से मुक्त रखा गया है ये कैसी नाइंसाफी है जिस पर सदन में आवाज उठाई गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर पूरे देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की जरूरत है।

एसोसिएशन के पूर्व प्रमंडलीय प्रभारी अजय महतो ने कहा कि राज्य में पत्रकारों को २५ लाख का सपरिवार बीमा और १० हजार रुपए मासिक पेंशन के अलावा आवास और एक्रिडेशन योजना से लाभान्वित किया जाना चाहिए।

ऐसोसिएशन के पूर्व कोल्हान प्रमंडल अध्यक्ष रंजीत राणा ने कहा कि देश भर में पत्रकारों के हित में सबसे पहले पत्रकार आयोग का गठन होना चाहिए जिसमें सभी प्रमंडल से एकएक पत्रकार को शामिल किया जाए ताकि वे अपने प्रमंडल के पत्रकार साथियों के विषयों को लेकर नीति बनाने में सहायक हों।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से ऐसोसिएशन के पूर्व प्रमंडल प्रभारी अजय महतो, पूर्व प्रमंडल अध्यक्ष रंजीत राणा, सरायकेलाखरसावां के पूर्व जिला महासचिव संतोष साहू, दीपक महतो, मोहम्मद इब्राहिम, दशरथ प्रधान, सुरेश महापात्रा, विद्युत महतो, फणीभूषण टुडू सहित अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

बंगाल के चालान पर धनबाद में हो रहा बालू का काला कारोबार

धनबाद (कासं) : पांड्राबेजरा को छोड़ कर धनबाद जिले में एक भी बालू का वैध घाट नहीं है। इसके बावजूद बालू माफिया जिले की विभिन्न नदियों, घाटों से हर दिन बेरोकटोक धड़ल्ले से बालू का उठाव कर रहे हैं। धनबाद के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर हर दिन सैकड़ों हाईवा व हजारों ट्रैक्टर व ४०७ वाहन बालू ढोते देखा जाता है। सूचना के मुताबिक ना सिर्फ ग्राम पंचायत, बल्कि बंगाल व अन्य दूसरे जिलों के चालान पर भी सर्वाधिक बालू का अवैध उठाव टुंडी, पूर्वी टुंडी व निरसा क्षेत्र के बेजरा, पोलकेरा, घुरनीबेड़ा, सिजुआ, सर्रा, मैथन, पंचेत नदी घाट व महुदा के तेलमच्चो घाट से की जा रही है। जिससे राज्य सरकार को हर माह लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। एक अनुमान के मुताबिक जिले में हर दिन सैकड़ों हाईवा व हजारों ट्रैक्टर अवैध बालू की खपत व तस्करी हो रही है। यहां बालू की कीमत हर सप्ताह बढ़ रही है।

धनबाद में बालू की ब्लैक मार्केटिंग हो रही है। २४ से बढ़कर ४५ रुपये सीएफटी बालू ब्लैक मार्केट में मिल रहा है। रियलस्टेट से जुड़े कारोबारियों के मुताबिक बंगाल से भी बालू धनबाद आ रहा है।

बंगाल के बालू में चालान तो होता है। लेकिन, जिस थाना से बालू का ट्रक गुजरता है, वहां टोकन मनी देना पड़ता है। इसके कारण बालू की कीमत दो गुणी हो जाती है। बालू की कीमत बढ़ने से रियलस्टेट प्रभावित हुआ है। कई प्रोजेक्ट के काम बंद हो गये हैं तो कई धीमी गति से चल रही है। बालू के कारण प्रोजेक्ट कॉस्ट बढ़ गया है, लेकिन, आज भी तीन साल पहले की दर पर फ्लैट की बिक्री हो रही हैं।

बालू के इस अवैध कारोबार में खनन विभाग, परिवहन कार्यालय व स्थानीय पुलिस-प्रशासन के मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता है। धंधे से जुड़े लोग बताते है कि इसमें सभी का हिस्सा फिक्स होता है। जो हर माह उन्हें वेतन की तरह बालू तस्करों के सिंडिकेट के द्वारा पहुंचा दिया जाता है। यही कारण है कि बालू तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं होती है। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती हैं।

बसुरिया में सेवानिवृत्त कर्मियों की विदाई

कतरास (ससे) : बीसीसीएल एरिया ६ के अंतर्गत स्थित ईस्ट बसुरिया के एमटी हॉस्टल में श्रवण कुमार की अध्यक्षता में एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर ईस्ट बसुरिया परियोजना के पदाधिकारी वि.के. झा ने सेवानिवृत्त कर्मी अरविंद कुमार सिंह को बुके देकर उन्हें सम्मानित किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह में विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों ने कुसुंडा एरिया के जनता मजदूर संघ अध्यक्ष पद पर रहे श्री सिंह की सेवाओं को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर श्री सिंह के कार्यकाल को याद करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया गया। मौके पर संजय कुमार, भोला चौहान, दिलीप बाउरी, दुलाल बाउरी, भवानी दास, आरके ठाकुर, रामलाल, ओमप्रकाश, अवधेश सहित कई लोगों मौजूद थे।

खोरठा साहित्य में विनय तिवारी का अहम योगदान

तोपचांची (ससे) : तोपचांची अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ खूंटी झारखंड के बैनर तले धनबाद जिला के तोपचांची के सुप्रसिद्ध कवि, लेखक गीतकार व कलाकार विनय कुमार तिवारी को झारखंड के लोकप्रिय भाषा खोरठा साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने के लिए मंच की ओर से प्रशस्ति पत्र, शाल व बुके देकर सम्मानित किया गया। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने गीतकार विनय कुमार तिवारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्रीय भाषा को आगे बढ़ाने में पूरे प्रदेश में इनका अहम योगदान रहा है। बधाई देने वालों में रमेश भगत, सरयू प्रसाद महतो, नारायण रजवार, दुर्गा प्रसाद गोप, अमर भारती, गोपाल भारती, रामचंद्र ठाकुर, शंकर रवानी, ओम प्रकाश महतो, फारकेश्वर महतो, विवेक महतो, संजय सिंहा, प्रकाश ठाकुर आदि लोग मुख्य रूप से दी है।

सेवानिवृत कर्मियों को दी गई विदाई

कतरास (ससे) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड कतरास क्षेत्र में शुक्रवार को महाप्रबंधक कार्यालय में एक सादे समारोह आयोजित कर अपर महाप्रबंधक उपेंद्र कुमार सिंह, वरीय कैंशियर प्रकाश विश्वकर्मा, अकाउंटेंट प्रेम कुमार झा सहित आठ कर्मियों को सेवानिवृत होने पर भावभीनी विदाई दी गयी। कतरास क्षेत्र के महाप्रबंधक राजकुमार अग्रवाल ने सभी सेवानिवृत कर्मियों को उपहार सर्टिफिकेट प्रदान किया। महाप्रबंधक श्री अग्रवाल ने सेवानिवृत कर्मियों के सुखद एवं स्वास्थ्य जीवन की कामना की। मौके पर क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक अशोक कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक/प्रशासन उमंग कुमार ठक्कर, प्रबंधक कार्मिक राणा एसके सिंह, सहायक प्रबंधक कार्मिक पावन वत्स, वरीय सहायक दिनेश चन्द्र पाण्डेय, मनोज कुमार, दिलीप कुमार रवानी, बनमाली दास के अलावे अलगअलग यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नरक में भी ठेलाठेली, मर्चरी में सड़ रही लाशें

धनबाद (कासं) : भगवान किसी को ऐसी मौत न दे कि शव सरकारी अस्पताल की मर्चरी में रखना पड़े। क्योंकि मर्चरी में तो प्रशासन मरे हुए लोगों को और बुरी तरह से मारता है। जिनके वारिश होते हैं वे अपने परिचित के शव को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, लेकिन अस्पताल की मर्चरी में किसी का शव पहुंच गया तब उसका सड़ना तय है।

धनबाद के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल का है। जहां मेडिकल कॉलेज प्रशासन की एक बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। यहां मर्चरी के डीप फ्रीजर कई महीनों से खराब पड़े हैं और लाशें सड़ गई हैं।

एक तरफ जहां सरकार प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है, वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों की लापरवाही के कारण उन कोशिशों में पलीता लगता जा रहा है। ताजा मामला धनबाद के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल का है। जहां मेडिकल कॉलेज प्रशासन की एक बड़ी लापरवाही देखने को मिली है।

यहां मर्चरी के डी फ्रीजर कई महीनों से खराब पड़े हैं और लाशें सड़ गई हैं। प्रबंधन हैं कि इस समस्या का हल निकालने की बजाय एक दूसरे पर आरोप मढ़ दे रहे हैं।

द र अ स ल , एसएनएमएमससीएच में मेडिसिन विभाग के पीछे स्थित मर्चरी हाउस में एक लावारिश शव कई दिनों से सड़ रहे हैं। इस वजह से उनसे काफी बदबू आ रही है।

इससे मर्चरी में काम करने वाले कर्मचारियों को तो मजबूरी में बुरे हालात झेलने ही पड़ रहे हैं, राहगीरों का भी बुरा हाल हो चला है। यहां हर तरफ बदबू इस कदर फैली है कि मर्चरी के दूर से निकलने वाले लोग भी सांस नहीं ले पा रहे हैं।

उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इमरजेंसी विभाग में पड़े मर्चरी खराब होने के बाद उसे लॉन्ड्री में रख दिया गया है। न ही किसी ने उसे बनवाने का प्रयास किया और न ही अस्पताल प्रबंधन उस मर्चरी पर ध्यान दे रहा है। टेंडर की प्रक्रिया दिनप्रतिदिन आगे बढ़ती जा रही है। जिसके कारण नया फ्रीज नहीं आ पा रहा है।

धनबाद की टीम दिल्ली रवाना

धनबाद (कासं) : नेशनल यूथ फेस्टिवल एमिटी यूनिवर्सिटी, दिल्ली में आगामी ३ से ७ मार्च तक आयोजित होगी। इसमें भाग धनबाद की बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) की टीम भी भाग ले रही है। इस यूथ फेस्टिवल में भाग लेने के लिए बीबीएमकेयू की टीम मे गुरुनानक कॉलेज धनबाद के भी छात्र छात्राएं भी शामिल है।

उक्त टीम शुक्रवार को इसके लिए बीबीएमकेयू की ३५ सदस्यीय टीम जिसमें २४ प्रतिभागी शामिल हैं। दिल्ली के लिए रवाना हो गई। गुरुनानक कॉलेज धनबाद के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने बताया कि कुल २४ प्रतिभागी बच्चों में से उनके कॉलेज से २० शामिल हैं। उन्होंने उक्त सभी प्रतिभागी बच्चों को सफलता पाने की शुभकामनाएं दी है। इसको लेकर समस्त कॉलेज परिवार एवं शाशि निकाय के सदस्यों ने प्रतिभागियों को उम्दा प्रदर्शन करते हुए कॉलेज के साथ साथ विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

फैमिली स्टोर का उद्घाटन

कतरास (ससे) : पचगढ़ी बाजार में एस बाजार मेट्रो दी फैमिली स्टोर का उद्घाटन किया गया। कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर स्टोर का विधिवत उद्घाटन किया। एस बाजार मेट्रो के प्रोपराइटर शंकर लाल पसारी ने बताया कि हमारे प्रतिष्ठान में एक ही छत के नीचे किड्स वेयर, मेंस वेयर तथा लेडिज वेयर के सारे रेंज के साथ किफायती दरों पर वस्त्र उपलब्ध है। मौके पर अशोक पांडेय, लीलावती पांडेय, छोटू जैन, साकेत गुप्ता, महावीर भुवालका, दीपक अग्रवाल, मो. सोहेल आदि उपस्थित थे।

जोगता नागरिक समिति का मोदीडीह कोलियरी में चक्का जाम

कतरास (ससे) : जोगता नागरिक समिति द्वारा आहूत मोदीडीह कोलियरी के चक्का जाम कार्यक्रम के तहत दर्जनों महिलापुरुषों ने जोगता मोड़ से चलते हुए कोलियरी के कांटा घर के पास धरना स्थल पर पहुँचकर विरोधप्रदर्शन किया। इस दौरान कोलियरी का सारा ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप हो गया, जिससे कोलियरी में कामकाज प्रभावित रहा।

प्रदर्शन के बाद परियोजना पदाधिकारी गोपाल प्रसाद, थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार और प्रबंधक दशरथ सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और वार्ता की। प्रबंधन ने समिति से १० दिनों का समय मांगा, जिसे समिति ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद प्रबंधन ने आश्वासन दिया कि सभी मांगों पर १० दिनों के अंदर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

समिति के अध्यक्ष, सुरेश महतो, मनोज कुमार महतो, मजदूर नेता मानस चटर्जी, गीता सिंह, सुशील देवी, मोहम्मद आजाद, मंगल चौहान, मनु महतो, मोबिन भाई, हसिफ खान, श्रीधर पांडे, मुशरत प्रवीण, संतोष पसवान, बिंदुआ देवी, साया आलम, राजेश चौहान, मोहिन खान, विशाल सिन्हा, मोहम्मद अजगर, अजय चौहान सहित कई लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम के समापन के बाद समिति ने प्रबंधन को चेतावनी दी कि अगर १० दिनों के भीतर संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई, तो संयुक्त मोर्चा पूरे सिजुआ एरिया ५ में चक्का जाम करेगा, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रबंधन की होगी।

ध्यान के माध्यम से अपनी दिव्य क्षमता को जागृत करें : स्वामी चिदानन्द जी

नोएडा (ससे) : योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया/सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप (वाईएसएस/एसआरएफ) के अध्यक्ष और आध्यात्मिक प्रमुख, स्वामी चिदानन्द गिरि, ने २७ फरवरी को बी४, सेक्टर ६२ स्थित वाईएसएस नोएडा आश्रम में एक सार्वजनिक सत्संग के दौरान कहा कि 'हम में से प्रत्येक के भीतर अनंत संभावनाओं का भंडार है, जो साकार होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा, ध्यान वह कुंजी है जो इस छिपे हुए खज़ाने को खोलती है, जो हमें अपने सच्चे स्वरूप की उच्चतम अभिव्यक्ति को प्रकट करने में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

इस सत्संग में स्वामी चिदानन्द गिरि ने बताया कि कैसे ध्यान का एकनिष्ठ और नियमित अभ्यास हमारे भीतर दिव्य क्षमता को जागृत कर सकता है। शरीर, मन और आत्मा में सामंजस्य बिठाकर, ध्यान आंतरिक परिवर्तन और आध्यात्मिक विकास के मार्ग के रूप में कार्य करता है, जो हमें एक उद्देश्यपूर्ण, शांति और आनन्द से भरा जीवन जीने के लिए सक्षम बनाता है।

वास्तविक आत्मसम्मान तब प्रकट होता है जब हम अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने लगते हैं उस आत्मा को जो सदैव पूर्ण, सदैव आनन्दमय, सदैव अमर है, और जो किसी भी सांसारिक स्पंदनों से प्रभावित हुए बिना सदैव निडर रहती है। यही वास्तविक आत्मसम्मान है। दूसरे शब्दों में, हम ध्यान के अपने दैनिक अभ्यास के द्वारा क्या महसूस करते हैं, क्या हासिल करते हैं, और क्या विकसित करते हैं। लेकिन यह केवल ध्यान के बारे में नहीं है, यह केवल समाधि की उन उन्नत अवस्थाओं के बारे में नहीं है। जानते हैं इसकी शुरुआत कहाँ होती है? सरल शब्दों में अगर कहें, तो यह वहाँ शुरू होता है जहां पतंजलि का अष्टांग मार्ग शुरू होता है- यमनियम। अर्थात् उन नैतिकत नियमों का, उन धार्मिक नियमों का पालन करना। यदि लोग केवल इतना ही करें और ध्यान भी न करें, केवल नैतिकता का पालन करें और नैतिक नियमों से समस्वर रहें, नैतिक मर्यादा बनाए रखें, तो भी आत्मा स्वतः ही मन को आत्मसम्मान की भावना से भर देती है।

गुरुजी (योगानन्दजी) ने कहा कि वास्तविक सफलता की विस्तारित अभिव्यक्ति लोक सेवा है।

गुरुजी (योगानन्दजी) कहते हैं कि प्रकृति में ईश्वर की प्रत्येक अभिव्यक्ति एक स्पंदन भेजती है जो किसी न किसी प्रकार से संसार की सेवा करती है। उन्होंने कहा, 'आप ईश्वर की सर्वोच्च रचना हैं। आप दूसरों के सेवा के लिए क्या कर रहे हैं? आपकी आत्मा अनंत शक्ति से संपन्न है। आप उस शक्ति को अपने भीतर से विस्तारित कर सकते हैं और दूसरों को प्रकाश, स्वास्थ्य और सहानुभूति दे सकते हैं।

जिस तरह एक ग्रहणशील पुष्प सूर्य की मुक्त रूप से दी गई सदैव चमकती किरणों को प्राप्त करने के लिए खुला रहता है, उसी तरह हमारी आत्माएं, हमारे दिमाग, हमारी भावनाएं, हमारे तंत्रिका तंत्र, हमारा पूरा अस्तित्व परमात्मा से विकीर्ण होने वाली किरणों को प्राप्त करने के लिए एक सुंदर पुष्प की तरह लगातार खुला रहना चाहिए, ताकि हमारा वास्तिक स्वरूप उजागर हो सके।

१,७०० लोगों को संबोधित करते हुए, स्वामी चिदानन्दजी ने कहा आप में से प्रत्येक व्यक्ति एक अनमोल आत्मापुष्प हैं, परमात्मा से निकली एक उज्ज्वल किरण। एक गुरु का पृथ्वी पर आने का एकमात्र उद्देश्य होता है हमारी सहायता करना, आवश्यकता पड़ने पर हमें झकझोड़ना, हमें जगाये रखना, और जब कभी भी हम सही काम करते हैं तो हमें प्रोत्साहित करना। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह सिखाना कि ईश्वर के साथ एक जीवंत, विकासशील संबंध के द्वारा हम अपने दैनिक जीवन में मार्गदर्शन कैंसे प्राप्त कर सकते हैं। जब भी हम गुरुजी द्वारा सिखायी गई इस प्रार्थना का उच्चारण करते हैं: 'हे परमपिता, जगन्माता, सखा, प्रियतम प्रभु, तब इस बात पर विचार करें कि ग्रजी (योगानन्दजी) ने एकरूपता के योगविज्ञान का सबसे शक्तिशाली नियम यहाँ प्रतिपादित किया है: हम जिस पर ध्यान केंद्रित करते हैं उसी के स्वरूप में बन जाते हैं। स्वामीजी ने कहा, परिवार में, कार्यस्थल में, हमारे व्यक्तिगत जीवन में, हमारे पेशेवर जीवन में, समाज में हमारे योगदान में, हमारे लिए इससे अधिक मूल्यवान कोई सुरक्षा नहीं है। इस संसार में परमात्मा के साथ सचेत संबंध बनाए रखते हुए जीना सीखने से अधिक महत्वपूर्ण कोई आवश्यकता नहीं है। वाईएसएस भक्तों और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं सहित लगभग १,७०० लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कई हजारों लोगों ने इसे वाईएसएस वेबसाइट और यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम के माध्यम से ऑनलाइन देखा।

संपादकीय

विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय

देश के कई विद्यालयों में विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय है। एक रपट में कहा गया है कि देशभर में कम से कम पैंतीस फीसद स्कूलों में पचास या उससे कम ही विद्यार्थी पढ़ते हैं। कई स्कूलों में एक या दो ही शिक्षक हैं। दस फीसद स्कूलों में बीस से कम विद्यार्थी आ रहे हैं। यह स्थिति स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। स्कूलों में नामांकन की स्थिति पर जो विश्लेषण सामने आया है, वह बेहद निराशाजनक है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत में लगभग 12.6प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं। इनमें से 19.8प्रतिशत माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ते हैं और 17.5प्रतिशत उच्च प्राथमिक स्तर पर। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में उपलब्ध स्कूलों की संख्या नामांकित छात्रों के प्रतिशत से अधिक है, जिसका अर्थ है कि उपलब्ध स्कूलों का कम उपयोग हो रहा है।

शिक्षा तक सभी की पहुंच समाज और देश के विकास और प्रगति के लिए अनिवार्य है। लेकिन इस दिशा में काफी काम करने की जरूरत है। अभी तक हम चुनौतियों से पार नहीं पा सके हैं। कई परिवार, विशेष रूप से गरीबी में रहने वाले परिवार, अपने बच्चों के योगदान पर निर्भर रहते हैं। बाल श्रम न केवल उन्हें शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित करता है बल्कि उन्हें संभावित शोषण और स्वास्थ्य जोखिमों के लिए भी उजागर करता है। दूसरा है, बाल विवाह। कम उम्र में विवाह, खास तौर पर लड़कियों के लिए, स्कूल छोड़ने की दर में अहम योगदान देता है।

इसके अलावा, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी भी छात्रों की प्रतिबद्धता को कम कर सकती है। भारत में स्कूल छोड़ने के पीछे लैंगिक असमानता एक और बड़ी वजह है। सुरक्षा संबंधी चिंताएं, घरेलू जिम्मेदारियों और सामाजिक मानदंड अक्सर लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने से रोकते हैं। कुपोषण और पुरानी बीमारियों सहित स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, स्कूल छोड़ने वालों में योगदान करती हैं। माता-पिता की भागीदारी बच्चे की शैक्षिक सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाती है।

सवाल है कि कैसे हो सुधार। सरकार को प्रारंभिक बचपन शिक्षा कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों के लिए जरूरी है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करके प्रभावी शिक्षण देने के लिए कौशल और ज्ञान की गारंटी सुनिश्चित की जा सकती है। परामर्श केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। कई बच्चे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण स्कूल छोड़ देते हैं।

बच्चों की समस्या को हल करने में समुदाय और अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच और मध्याह्न भोजन योजनाओं सहित स्कूल स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। बाल श्रम के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। कई स्तरों पर प्रयास करना होगा, तभी शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए मजबूती से काम हो सकेगा।

हिंदी का जबरदस्ती विरोध कर रहे स्टालिन 1937 में शुरू हुई थी भाषा की लड़ाई

तमिलनाडु में हिंदी के विरोध का इतिहास वर्षों पुराना है। देश को आजादी मिलने से पहले ही हिंदी विरोधी आंदोलनों को हवा मिलती रही है। ये आंदोलन कभी उग्र, तो कभी हिंसक भी हुए। वर्ष 1937 में जब तत्कालीन मुख्यमंत्री चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हिंदी को अनिवार्य किया, तो इसका कड़ा विरोध हुआ। उस समय हुए आंदोलन से ही द्रविड़ राजनीति की बुनियाद पड़ी। इसके बाद तो हिंदी विरोध के नाम पर लगातार आंदोलन और अभियान चलाए गए। इसमें साठ के दशक में हुए आंदोलन को याद किया जाता है। यह विरोध तब शांत हुआ, जब राजभाषा अधिनियम में संशोधन हुआ। मगर यह दुखद ही है कि हिंदी विरोध का सिलसिला आज भी जारी है। जब भी हिंदी को लेकर कोई चर्चा शुरू होती है, उसका तत्काल विरोध शुरू हो जाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जिसमें उन्होंने केंद्र पर राज्य में हिंदी थोप कर 'भाषा युद्ध के बीज' बोने का आरोप लगाया है। किसी भी अन्य भाषा के हावी नहीं होने देने का अपना रुख जता कर उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे द्विभाषी नीति से आगे बढ़ने को तैयार नहीं। सभी भाषाओं को बराबरी का दर्जा देकर ही हम देश की सांस्कृतिक एकता मजबूत कर सकते हैं। हिंदी बोलने वाले लोग देश के हर कोने में मिल जाते हैं। कोई राज्य अगर अपनी मातृभाषा को महत्त्व देता है, तो उसकी भावना का सम्मान किया जाना चाहिए। मगर किसी राज्य विशेष का नागरिक दूसरे राज्यों में जाता है, तो हिंदी के बिना उसका काम नहीं चलता। भाषाएं तो एक दूसरे जुड़ कर ही आगे बढ़ती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले को लेकर चल रही सियासी बयानबाजी के बीच स्टालिन का विरोध नाहक ही है कि हिंदी से उनकी मातृभाषा नष्ट हो सकती है। दरअसल, उन्होंने अपने स्वर तीखे करते हुए साफ कर दिया है कि वे उन्हीं पुराने आंदोलनों के वशंज है, जिसमें हिंदी को लेकर उपेक्षा का गहरा भाव है। स्टालिन यह भूल गए हैं कि हिंदी दिलों को जोड़ने की भाषा है। यह आज भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों में समझी और बोली जाती है।

एनडीए के निशाने पर रहेगा लालू-राबड़ी का जंगल राज

बिहार में हालांकि विधानसभा के चुनाव इस साल के अंत में होने हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भागलपुर में हुई हालिया रैली से चुनावी माहौल तैयार होने लगा है। राज्य में सरकार चला रहे एनडीए गठबंधन ने एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए उस पर हमला किया है जबकि आरजेडी का कहना है कि एनडीए का यह कदम सिर्फ उनकी बेचैनी को दिखाता है।

पवन उप्रेती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में 'जंगल राज' की बात कही थी। मोदी के संबोधन से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की लोगों को याद दिलाई। नीतीश ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आपको याद होगा कि जब हम बिहार में (2005 में) सत्ता में आए थे, तब क्या स्थिति थी। सूर्यास्त के बाद कोई भी घर से बाहर नहीं निकलता था।'

पिछले कुछ हफ्तों में जेडीयू लालू और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के 15 साल के शासनकाल को लेकर लगातार मुखर रहा है। जेडीयू के नेताओं और पार्टी ने सोशल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी लालू-राबड़ी के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए लगातार हमला किया है। अगर आप जेडीयू के यूट्यूब चैनल पर नजर डालेंगे तो पता चलेगा कि पिछले दो महीनों में पार्टी ने अपने यूट्यूब चैनल पर 12 वीडियो अपलोड किए हैं। इनमें से 6 वीडियो लालू-राबड़ी शासन के कथित 'जंगल राज' के बारे में हैं। 12 फरवरी को जेडीयू ने एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में सवाल पूछा गया, 'क्या आप जानते हैं कि 'जंगल राज' शब्द कैसे आया, इसका इस्तेमाल पटना हाई कोर्ट ने 5 अगस्त, 1997 को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए किया था और उस समय बिहार में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी का शासन था।' 8 फरवरी को जेडीयू की ओर से एक और वीडियो अपलोड किया गया। इस वीडियो की शुरुआत इस लाइन से हुई कि बिहार को 'जंगल राज' से निकालकर सुशासन की राह पर लाने वाला नेता। इसमें नीतीश सरकार के विकास कार्यों पर बात की गई। इसी तरह एक वीडियो में लालू प्रसाद यादव से जुड़े चारा घोटाले को दिखाया गया और कहा गया, '(लालू) जानवरों का चारा भी खा गए।' ठीक यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी भागलपुर रैली में आरजेडी पर निशाना साधते हुए दोहराई। बेतिया में

10 जनवरी को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडीयू और बीजेपी ने पोस्टर जारी किए, जिसमें 'जंगल राज का चंपारण' लाइन और लालू की तस्वीर के साथ डर से चिल्लाती हुई महिला को दिखाया गया। पोस्टर में इसके साथ ही 'एनडीए का मतलब उन्नति और विकास' बताया गया जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चमचमाते हाईवे की तस्वीरें थीं। आरजेडी के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि एनडीए का 'जंगल राज' वाला प्रचार बताता है कि वे विधानसभा चुनावों को लेकर परेशान हैं। झा ने कहा, 'वे पिछले 15 सालों से यही सब कह रहे हैं और इससे साफ है कि उनके पास कोई पॉजिटिव एजेंडा नहीं है।' मनोज झा ने कहा कि जो लोग 'जंगल राज' की बात कर रहे हैं, उनकी खुद की डबल इंजन सरकार बिहार के लिए कुछ नहीं कर पाई है। झा ने बिहार में लालू यादव के शासनकाल में हुए सामाजिक परिवर्तन को उठाया। उन्होंने कहा, 'अगर 1990 के दशक में सबाल्टर्न जागृति नहीं हुई होती तो प्रधानमंत्री अपने ही राजनीतिक दल में इतनी ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाते। हम 2020 में भी इस चुनौती का सामना कर चुके हैं और इससे निपट चुके हैं।' जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद कहते हैं कि एनडीए का 'जंगल राज' वाला प्रचार सिर्फ आरजेडी द्वारा नीतीश कुमार की उपलब्धियों पर सवाल उठाने का जवाब है। उन्होंने कहा, 'बिहार में एकतरफा मुकाबला होने जा रहा है क्योंकि हमारे पास पिछले 20 सालों की असीमित उपलब्धियां हैं, बुनियादी सुविधाओं से लेकर नौकरियों और सशक्तिकरण तक। बिहार की तस्वीर एकदम बदल गई है। जब हम जंगल राज की बात करते हैं, तो यह इसलिए होता है क्योंकि विपक्ष हमारी उपलब्धियों को नकारने की कोशिश कर रहा है।' जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, 'अगर वे हमें कानून-व्यवस्था पर लेक्चर देंगे, तो हमें भी उन्हें उनके समय की याद दिलानी होगी। हमारा गठबंधन वोट शेयर के मामले में इतना मजबूत है कि हम 'जंगल राज' के मुद्दे पर निर्भर नहीं हैं।' जेडीयू प्रवक्ता ने कहा कि लालू यादव का जिक्र इसलिए होता है क्योंकि वे बिहार का दागदार इतिहास हैं। बीजेपी और एनडीए ने जिस तरह का हमला किया है, उससे पता चलता है कि विधानसभा चुनाव में उनके निशाने पर लालू प्रसाद यादव ही रहेंगे। बताना होगा कि नीतीश कुमार साल 2005 से लगातार बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने हुए हैं। वह बीजेपी और आरजेडी की अगुवाले महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार चला चुके हैं।

बेटे निशांत कुमार की लॉन्चिंग को तैयार हैं नीतीश

संतोष पाठक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लगातार अपने बयानों से यह संकेत दे रहे हैं कि वे बिहार की सक्रिय राजनीति में उतरने को तैयार हैं। निशांत के बयानों पर नीतीश कुमार की चुप्पी भी यही संकेत दे रही है कि बिहार के मुख्यमंत्री अपनी राजनीतिक विरासत और अपनी पार्टी- जनता दल यूनाइटेड दोनों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। नीतीश कुमार की चुप्पी और निशांत कुमार के बयानों के कई मतलब और मायने भले ही निकाले जा रहे हो लेकिन राजनीति को सही ढंग से समझने वाला कोई भी जानकर यह बता सकता है कि पिता-पुत्र के मन में क्या चल रहा है। नीतीश कुमार शुरू से ही परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ रहे हैं। कई बार तो वह सार्वजनिक मंच से परिवारवाद की राजनीति करने के लिए लालू यादव पर निशाना साध चुके हैं। यहां तक कि दशकों तक नीतीश कुमार किसी भी सार्वजनिक मंच पर अपने बेटे निशांत कुमार को अपने साथ नहीं ले गए। लेकिन पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें लगातार सामने आ रही है। निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री को लेकर जेडीयू नेताओं के बयान भी लगातार आ रहे हैं। दूसरी तरफ, जिन निशांत कुमार की तारीफ में यह बताया जाता था कि वह बहुत सादगी से रहते हैं, मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। वही निशांत कुमार आजकल लगातार मीडिया के सामने आ रहे हैं। सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह है कि वह मीडिया को गंभीर राजनीतिक मसलों पर बयान देकर, हंगामा भी खड़ा कर रहे हैं। एक पल के लिए यह माना जा सकता है कि अपने पिता को फिर से बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह बिहार के मतदाताओं से अपील कर रहे हैं लेकिन एनडीए गठबंधन को लेकर भी उनका बोलना यह दर्शाता है कि नीतीश कुमार उन्हें राजनीति में उतारने का फैसला कर चुके हैं, निशांत कुमार भी इसके लिए अपने आपको तैयार कर रहे हैं और अब लॉन्चिंग के लिए सही मौके का इंतजार किया जा रहा है। जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पा रहे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के सबसे बड़े दल भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि, ÷एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। जेडीयू के तमाम नेता और कार्यकर्ता सभी मिलकर सीएम फेस घोषित करें। ताकि उनके नेतृत्व में विकास कार्य जारी रहे।÷ एक तरफ निशांत कुमार ने बीजेपी को एनडीए गठबंधन का नेता घोषित कर, विधानसभा चुनाव लड़ने की नसीहत दी तो वहीं दूसरी तरफ इशारों-इशारों में वह चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गए। निशांत कुमार के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा कि, ÷वे मीडिया के माध्यम से राज्य के तमाम युवाओं से आह्वान करते हैं कि पिताजी ने विकास किया है तो, उनके लिए वोट करें। पिछली बार लोगों ने उन्हें 43 सीटें दे दी, फिर भी उन्होंने विकास का क्रम रुकने नहीं दिया। इस बार सीट बढ़ना मांगता है, ताकि पिताजी आगे भी कार्य जारी रख सकें।÷ यह सब जानते हैं कि 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में जेडीयू उम्मीदवारों को हराने में बड़ी भूमिका चिराग पासवान ने निभाई थी। चिराग पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव में अपने आपको नरेंद्र मोदी का हुनमान बताते हुए नीतीश कुमार की पार्टी को 43 सीटों पर ला दिया था। इस बार कुछ उसी तरह की भूमिका निभाने की तैयारी प्रशांत किशोर करते हुए नजर आ रहे हैं। निशांत कुमार जिस नपे-तुले शब्दों के साथ सधे हुए अंदाज में बयान दे रहे हैं, उससे यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि एक-एक शब्द का चयन बहुत सावधानी से किया गया है। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि, कितने बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता के सामने समाजवादी विचारधारा के आंदोलन से निकले एक और दिग्गज नेता के पुत्र अपने पिता के नाम पर वोट देने की गुहार लगाते नजर आ सकते हैं।

आज का कार्टून

आठ अरब की दुनिया में अकेले रहने की चाहत

एकाकीपन महसूस ही तब होता है, जब हमारे परिचित या परिजनों से हम दूर हों। अगर हमारे विचार से अलहदा हमारे परिजनों के विचार हों और हम अपने विचारों को परिजनों और परिचितों को समझा नहीं पा रहे हों तो हमारे मन में वैचारिक अकेलेपन का अहसास एकदम से आ जाता है। विचार-विमर्श से आपस में वैचारिक अकेलेपन का भाव अपने आप दूर होकर मनुष्य समाज अपने आप को विचारों से जुड़ाव महसूस करता है। अबोलेपन से भी मनुष्य को अकेलेपन की अनुभूति होती है। हर मनुष्य का अपना एक दायरा होता है।

अनिल त्रिवेदी

आठ अरब मनुष्यों की दुनिया को भीड़ भरी दुनिया की संज्ञा दी जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं मानी जाएगी। मगर आज की भीड़ भरी दुनिया में मनुष्यों के मन में अकेलेपन का अहसास दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है और यही एक नई बात है। भीड़ और अकेलापन, दोनों एक-दूसरे से विरोधाभासी शब्द हैं। भीड़ यानी मनुष्यों की एक ही जगह बहुत बड़ी संख्या और अकेलापन यानी मनुष्यों के मन में किसी अन्य मनुष्य के सान्निध्य या विचार का पूरा अभाव।

मनुष्य भीड़ से ज्यादा अकेलेपन से डरता है। भीड़ तो कई तरह से मनुष्य के हौसले को ताकत देती महसूस होती है, भले ही उसके संदर्भ अलग और कई बार नुकसानदेह भी हों, पर अकेलापन न घर में रहने देता है, न भीड़ में जाने का उत्साह देता है। अकेलापन और भीड़, दोनों ही मनुष्य मन की मनस्थिति को उजागर करती है। कोई मनुष्य भीड़ में भी अकेला महसूस कर सकता है और अकेले ही भीड़भाड़ का आनंद भी ले सकता है। ये दोनों मनस्थिति पूरी तरह से मानव मन के खेल हैं। इन दिनों छोटे, बड़े, मझोले और महानगरों में रहवासी मकानों की अंतहीन भीड़ बाहर से हर कहीं दिखाई देती है, पर मकानों की भीड़ के अंदर झांकने पर एकाकीपन का अहसास लिए ढेर सारे लोगों से साक्षात्कार होता है। हमारा व्यक्तित्व और कार्यशैली भी तय करती है कि हम कैसे रहना या जीवन जीना चाहते हैं। हमारी आजीविका तय करती है कि हम कैसे और क्या कार्य करना चाहते हैं? जब हम खरीद-फरोख्त का व्यापार व्यवसाय करने वाले होते हैं तो हमारी मनोकामना यह होती है कि हमारी दुकान पर हर समय भीड़-भाड़ हो और व्यापारिक चहल-पहल भी बनी रहे।

अगर हमारे पास लिखने-पढ़ने का कार्य है या हम चित्रकार हैं या और कोई अन्य कारीगरी का काम करते हैं तो कार्यस्थल पर भीड़-भाड़ न हो, तब हमें अकेले ही कार्य करने में मजा आता है। पर जब हम अपनी चित्रकारी की प्रदर्शनी लगाएंगे या उत्पादित वस्तुओं की बिक्री करने के लिए हाट-बाजार या किसी प्रदर्शनी के स्टाल पर रखते हैं तो हमारी मनोकामना यह होती है कि इतनी भीड़ हमारे स्टाल पर हो कि रखी गई सभी वस्तुएं बिक जाएं। इस दृष्टि से देखे या सोचें तो भीड़-भाड़ और अकेलापन हमारे मन का सापेक्ष भाव है। जब हमारी मानसिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक या व्यावसायिक आवश्यकता होती है तो हम भीड़-भाड़ न केवल पसंद करते हैं, वरन् इस तरह की चहल-पहल हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता की तरह ही लगती है।

मनुष्य अपने जीवनकाल में केवल उन्हीं लोगों को याद कर सकता है जो उसके घर परिवार, आस-पड़ोस, जान-पहचान के हों। मनुष्य को याद भी उन्हीं लोगों की आती है, जिनसे पूर्व में कभी न कभी संपर्क हुआ हो या जिन्हें मनुष्य किसी न किसी रूप में जानता, मानता या पहचानता हो, भले ही ऐसे मनुष्य से पूर्व में प्रत्यक्ष मिलना-जुलना नहीं भी हुआ हो, पर स्मरण मात्र से याद आ सकता है। अपने-अपने जीवन में प्रत्येक मनुष्य अनगिनत मनुष्यों से मिलता या उन्हें देखता है, लेकिन उनका हर समय स्मरण नहीं हो सकता। हजारों लाखों लोग की भीड़ में अगर हमारा कोई एक परिचित शामिल है तो दिखाई देते ही हम उसे पहचान लेते हैं। बाकी अपरिचित लोग हमें दिखाई तो देते हैं, पर हम न तो उन्हें पहचानते हैं और न ही पूरी तरह जानते हैं।

एकाकीपन महसूस ही तब होता है, जब हमारे परिचित या परिजनों से हम दूर हों। अगर हमारे विचार से अलहदा हमारे परिजनों के विचार हों और हम अपने विचारों को परिजनों और परिचितों को समझा नहीं पा रहे हों तो हमारे मन में वैचारिक अकेलेपन का अहसास एकदम से आ जाता है। विचार-विमर्श से आपस में वैचारिक अकेलेपन का भाव अपने आप दूर होकर मनुष्य समाज अपने आप को विचारों से जुड़ाव महसूस करता है। अबोलेपन से भी मनुष्य को अकेलेपन की अनुभूति होती है। हर मनुष्य का अपना एक दायरा होता है।

इसी तरह से प्रत्येक मनुष्य का अपने जीवन जीने का एक अनोखा अंदाज भी होता है। हम अनजाने लोगों से भी भले ही मिलकर सहजीवन न कर सकें, पर निगाह मिलने या आमने-सामने आ गए तो अपने चेहरे पर आत्मीयता के भाव लाकर कोई संपर्क न होते हुए भी एक शब्द या मुस्कुराहट से अभिवादन का आदान-प्रदान अपने आप करने का क्षणिक स्वस्फूर्त भावना को व्यक्त करने में अपने आप से भी झिझकते या पूछते नहीं है। जबकि अपनी रिहाइश की जगह या मोहल्ले की गलियों में गुजरते हुए किसी अनजान व्यक्ति को देख कर चेहरे पर हल्की-सी मुस्कुराहट हमारे भीतर के गहरे अकेलेपन से उपजी मुश्किल को दूर कर दे सकती है। अकेलापन आठ अरब लोगों की भीड़ में अपने जीवन को इतना संकीर्ण मानसिकता में परिवर्तित करना है कि हम अपने पूर्व परिचित मनुष्यों या विचारों तक ही जीवन को सीमित रखकर जीना सीख गए हैं। अपने आप में सीमित रह कर अपने विचार, व्यवहार और स्वभाव को नित नए विचार, व्यवहार और स्वभाव से तालमेल नहीं बैठा पाना अकेलापन महसूस करने की दिशा में निरंतर बढ़ते रहना है। आठ अरब मनुष्यों के विचार, व्यक्तित्व और कृतित्व और व्यवहार का विस्तार अनंत है! एक मनुष्य अनंत काल तक भी आठ अरब मनुष्यों के लोकसागर में गोताखोरी करता रहे तो भी उसके मन में अकेलेपन का अहसास आ ही नहीं सकता! अकेलापन और भीड़ मनुष्य की देखने समझने की दृष्टि से अधिक कुछ नहीं है।

सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट से फरवरी '२०२५ माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी उपस्थित रहे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया।

अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए। फरवरी २०२५ में बोकारो स्टील प्लांट से कुल ०७ अधिशासी एवं ४७ अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों तथा उनके परिवारजनों से मुलाकात की और उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी के द्वारा किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी), आइबन बंकिरा के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में कार्यकारी निदेशक प्रभारी सी. आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी. आर. मिश्रा कार्यकारी सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी, श्री महापात्रा ने श्री आइबन बंकिरा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की और उपस्थित सभी ने उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

आपराधिक मुकदमे को वापस लेने का फैसला

लखनऊ (ईएमएस): भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत मिल गई है। यूपी की योगी सरकार की अर्जी के आधार पर अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे को वापस लेने का फैसला किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच का फैसला तब आया है,जब मुकदमा वापस करने संबंधी प्रार्थना पत्र को निचली अदालत ने खारिज किया गया था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने सिंह को बड़ी राहत देकर उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक केस को खत्म किया। हाई कोर्ट ने मुकदमे को वापस लेने के राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को मंजूर कर आदेश दिया। गौरतलब है कि बृजभूषण शरण के खिलाफ २०१४ में गोंडा की कोतवाली नगर में आईपीसी की धारा १८८ और ३४१ के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी।

481 आवेदनों को जांचोंपरांत समिति ने किया अनुमोदित

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री (पीएम) कुसुम योजना की जिला स्तरीय गठित कमेटी का बैठक किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, कार्यपालक अभियंता विद्युत एस तिवारी, पीएम कुसुम योजना के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

मौके पर पीएम कुसुम योजना के नोडल पदाधिकारी ने कमेटी अध्यक्ष व सदस्यों को बताया कि पी०एम० कुसुम योजनान्तर्गत जिलों में किसानों को अनुदानित दर पर सिंचाई कार्य हेतु सोलर पम्प सेट की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन किया जाना है। इस क्रम में कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराएं गए आवेदनों की संख्या से अवगत कराया।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने चास, चंदनकियारी, जरीडीह और बेरमो प्रखंड में पी०एम० कुसुम योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की कम संख्या पर नाराजगी जताई। उन्होंने इस बाबत जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने पी०एम० कुसुम योजना के तहत जो भी आवेदक है उनकी सूची श्रेणी के आधार पर सूचीबद्ध प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया। साथ ही, भविष्य में जो भी भौतिक सत्यापन होगा उसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं मुखिया का सत्यापन अनिवार्य करने की बात कहीं। नोडल पदाधिकारी, पीएम कुसुम योजना ने बताया गया कि कुल ५४२ आवेदन आनलाइन प्राप्त हुए है। आनलाइन आवेदन सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा किसानों का चयन जेडा राँची के द्वारा सभी मानकों के आधार पर एवं स्थलीय जाँच के उपरांत कुल ४८१ आवेदन स्वीकृत कर भेजने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने निरीक्षण उपरांत कमेटी सदस्यों द्वारा चिन्हित किसानों की सूची को अनुमोदित किया। उन्होंने सभी दस्तावेजों को निदेशक, जेडा, राँची को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

चोरी की घटना का उद्भेदन,एसपी ने दी जानकारी

डुमरी (ससे): गिरिडीह एसपी डॉ विमल कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालीय कक्ष में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि बीते ३० जनवरी २०२५ को डुमरी थाना क्षेत्र के ग्राम जामतारा के एक घर में अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इसके आलोक में डुमरी थाना में कांड संख्या १०/२५(०१.२.२०२५) धारा ३३१/३०५ बीएनएस के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज किया गया।इस घटना का उद्भेदन करने हेतु डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन कर कांड में संलिप्त चोरो का पता लगाकर चोरी गये समानों की बरामदगी एवं गिरफ्तारी हेतु दिशानिर्देश दिया गया।

गठित टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्य के आधार पर इस चोरी की घटना में संलिप्त अभियक्त दिलखुस अंसारी (५०) पिता स्व असगर अंसारी ग्राम परबहाल थाना संथालडीह, जिला पुरूलिया (पश्चिम बंगाल) को गिरफ्तार किया गया एवं पूछताछ के क्रम में अभियुक्त के द्वारा चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए अपने अन्य सहयोगियों का नाम बताया गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस जूटी हुई है।वहीं गिरफ्तार अभियुक्त के निशानदेही पर चोरी की घटना कारित करने में उपयोग किये गये कटर,पेचकस,सिकड़,सबल एव चोरी किये गए नगद ८००० रूपये को भी बरामद किया गया है। उक्त अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी कई थानों में कांड दर्ज है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद इंस्पेक्टर डुमरी राजेन्द्र प्रसाद डुमरी थाना प्रभारी प्रणीत पटेल उपस्थित थे।

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 विस में पेश

पटना (एर्जेसी): बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बिहार आर्थिक सर्वेक्षण २०२४-२५ विधानसभा में पेश किया. यह राज्य का १९वां आर्थिक सर्वेक्षण है, जिसे बिहार लोक वित्त एवं नीति संस्थान ने तैयार किया है. इस रिपोर्ट में बिहार की आर्थिक स्थिति, विकास दर, राजस्व और व्यय प्रबंधन सहित विभिन्न पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण किया गया है.

बिहार की अर्थव्यवस्था पिछले दशक में तेजी से बढ़ी है. रिपोर्ट के अनुसार, २०११-१२ में बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (ऋड्उझ) २.४७ लाख करोड़ रुपये था, जो २०२३-२४ में ८.५४ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया. यह लगभग ३.५ गुना वृद्धि को दर्शाता है, जो राज्य की आर्थिक मजबूती का संकेत है. २०२३-२४ के लिए अनुमानित ऋड्उझ वर्तमान मूल्य पर ८,५४,४२९ करोड़ रुपये और २०११-१२ के स्थिर मूल्य पर ४,६४,५४० करोड़ रुपये रहने का अनुमान है. इस दौरान बिहार की आर्थिक वृद्धि दर १४.५% रहने की संभावना जताई गई है.

बिहार के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र (तृतीयक क्षेत्र) का सबसे अधिक ५८.६% योगदान है. इसके बाद, उद्योग (द्वितीयक क्षेत्र) का २१.५% और कृषि (प्राथमिक क्षेत्र) का १९.९% योगदान रहा है. यह इंगित करता है कि बिहार में सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है, जबकि कृषि का योगदान स्थिर बना हुआ है.

राज्य की आर्थिक वृद्धि का सकारात्मक असर प्रति व्यक्ति आय पर भी पड़ा है. वर्ष २०२३-२४ में प्रति व्यक्ति आय में १२.८% की वृद्धि दर्ज की गई. यह संकेत करता है कि बिहार में जीवन स्तर धीरे-धीरे सुधर रहा है और आर्थिक विकास का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है.

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष २०२३-२४ में बिहार सरकार का कुल व्यय २,५२,०८२ करोड़ रुपये रहा. इसमें योजना व्यय १,०१,८३५ करोड़ रुपये और स्थापना एवं समर्पित व्ययः १,५०,२४७ करोड़ रुपये. पूंजीगत व्यय (बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं पर खर्च) में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो राज्य के दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है.

राज्य सरकार ने कर संग्रह में सुधार किया है, जिससे बिहार की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है. वर्ष २०२३-२४ में सरकार ने १,६१,९६५ करोड़ रुपये कर राजस्व के रूप में अर्जित किए, जो कुल राजस्व प्राप्तियों का ८३.८% है. इससे स्पष्ट होता है कि बिहार सरकार अपने आंतरिक संसाधनों को बढ़ाने में सफल रही है और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही है.

राजकोषीय सूचकों के अनुसार, बिहार की वित्तीय स्थिति वर्तमान में स्थिर और लचीली बनी हुई है. सरकार का व्यय प्रबंधन और निवेश नीतियां आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने में सहायक होंगी. रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि बिहार की आर्थिक नीतियां दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं, जिससे राज्य की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित हो सके.

मील का पत्थर साबित होगा बिहार का बजट : दिलीप

पटना (एर्जेसी): बिहार विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया. यह मौजूदा एनडीए सरकार के कार्यकाल का अंतिम बजट सत्र है. बजट सत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने अपनी-अपनी राय रखी. दिलीप जायसवाल ने दावा किया कि इस बार का बजट बिहार के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा.

बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि इस बार बजट सत्र बहुत ही अच्छा चलेगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी 'प्रगति यात्रा' में बिहार के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति दी है. यह बजट आने वाले समय में बिहार के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा. इस बजट में बिहार के विकास का पूरा रूपरेखा तय होगा. राजद विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने दावा किया कि यह एनडीए सरकार का अंतिम बजट है. उन्होंने कहा कि एनडीए ने २० सालों तक शासन किया, अब यह अंतिम बजट है. इसके बाद अगले साल से तेजस्वी यादव बजट पेश करेंगे. बिहार में अभी सरकार नाम की कोई चीज नहीं है, अराजकता की स्थिति बनी हुई है.

राजद के कुछ लोग जदयू के संपर्क में है : अशोक चौधरी

पटना (एर्जेसी): बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को विपक्ष को लेकर कहा कि लोकतंत्र में उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है. इससे किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए. उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर विपक्ष सवाल नहीं उठाएगा, तो वो जनता के बीच में जाकर क्या कहेंगे. उन्हें भी तो अपना कोटा पूरा करना होता है, इसलिए वो लगातार सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हैं.

उन्होंने कहा कि 'प्रगति यात्रा' के तहत ५० हजार करोड़ की योजनाओं को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है. मुख्यमंत्री ने इस संबंध में घोषणा भी की थी कि अब १० लाख अतिरिक्त रोजगार की सीमा भी बढ़ रही है, ताकि किसी को बेरोजगारी का सामना नहीं करना पड़े. उन्होंने दावा किया कि चुनाव से पहले हमारी सरकार १२ लाख से अधिक लोगों को नौकरी देगी.

तेजस्वी यादव के बयान पर मंत्री अशोक चौधरी ने सवाल करते हुए पूछा कि छह महीने में अब कौन-सा मंत्रिमंडल का विस्तार होगा? अब सरकार के कार्यकाल में कितना ही समय बचा है? उन्होंने विधानसभा चुनाव के संदर्भ में दावा किया कि राजद २० से २५ सीटें से ज्यादा किसी भी कीमत पर नहीं ला पाएगी. इस बात को आप लिख लीजिए. मैं यह पूरे दावे के साथ कह रहा हूं. राजद में लोगों को इस बात का डर है कि कहीं आने वाले दिनों में इस पार्टी में तोड़फोड़ न हो जाए, क्योंकि कुछ लोग हमारे संपर्क में बने हुए हैं.

उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग लंबे समय से कह रहे हैं कि हमारी पार्टी समाप्त हो जाएगी. लेकिन, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है.

जितने लोग उनकी मीटिंग में जाते हैं, उससे कहीं ज्यादा लोग नीतीश कुमार को देखने के लिए आते हैं. राजद के लोग जितना ज्यादा जदयू पर हमला बोलेंगे, जदयू उतनी ही मजबूत होती जाएगी.

मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

गिरिडीह (ससे): इनर व्हील क्लब ऑफ़ गिरिडीह सनशाइन द्वारा बेंगाबाद मिडिल स्कूल में आयोजित एक माह का मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में सेंसई करन कुमार ने लगभग १७५ छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। आज के समय में आत्मरक्षा विशेष रूप से बालिकाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है, और इस उद्देश्य से क्लब ने यह पहल की। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, क्लब की ओर से १५१ लंच बॉक्स और सैनिटरी पैड्स का भी वितरण किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या सुनिता जी, शिक्षिका अंजू जी, शिक्षक आशुतोष कुमार पांडे, संतोष कुमार तिवारी साहब अंजुम और चंदन सर तथा टाइगर्स कराटे क्लब के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन इनर व्हील क्लब गिरिडीह सनशाइन की अध्यक्ष सोनाली तारवे की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आईपीपी सुमन गौरीसारिया, कोषाध्यक्ष स्मृति आनंद, शशि जैन, किरण कुमारी सहित क्लब की कई सदस्याएं उपस्थित रहीं। यह आयोजन क्लब द्वारा समाज में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

बिहार में एक भी सीट नहीं जीतेगी जदयू : प्रशांत किशोर

पटना (ईएमएस): जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) आगामी चुनावों में एक भी सीट हासिल नहीं करने वाली है। उन्होंने कहा कि अनुभवी नेता शारीरिक रूप से थके हुए और मानसिक रूप से सेवानिवृत्त हैं। यह टिप्पणी इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले आई है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के भी पहली बार इन चुनावों में उतरने की संभावना है। बिहार चुनाव को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी भी हालत में जदयू का कोई भी उम्मीदवार नहीं जीतना चाहिए। नीतीश ने बिहार में एक नया चलन शुरू किया है कि अगर उनकी पार्टी के ५-१० उम्मीदवार भी जीत जाएं, तब भी वे गठबंधन बनाकर सत्ता में आएंगे।

क्षेत्र में जाकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करें : कांग्रेस

पटना (एर्जेसी): दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस बिहार चुनाव को लेकर ज्यादा फोकस्ड हो गई है. अभी कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावुरु बिहार की नब्ज टटोल रहे हैं और उसके बाद आलाकमान को अपनी रिपोर्ट देंगे. कृष्णा अल्लावुरु की रिपोर्ट के बाद आलाकमान इसकी समीक्षा करेगा.

खबर तो यह भी आ रही है कि मार्च के पहले सप्ताह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियों पर मंथन करने वाले हैं. इसके साथ यह भी कहा जा रहा है कि उसी बैठक में यह तय हो जाएगा कि कांग्रेस बिहार में नेतृत्व परिवर्तन करने के मूड में है या नहीं. अगर है तो फिर अखिलेश प्रसाद सिंह के बदले कौन प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठता है, यह भी देखने वाली बात होगी.

बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता दबी जुबान से यह दावा कर रहे हैं कि इस बार दिल्ली से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा जाएगा, बल्कि चुनाव से पहले जो समय है, उसका सदुपयोग पंचायत, प्रखंड, अनुमंडल और जिला स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में लगाया जाएगा. राहुल गांधी १८ दिन के अंतराल पर दो बार बिहार का दौरा कर चुके हैं. महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा भी बिहार के दौरे पर हैं और वे महिलाओं को पार्टी से जोड़ने की कवायद में निकली हैं. पार्टी के और वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रम अगले कुछ समय में बिहार के लिए तय हो सकते हैं. कन्हैया कुमार भी बिहार पहुंच गए हैं और पप्पू यादव बिना पार्टी में शामिल हुए कांग्रेस की ओर से दहाड़ मार रहे हैं.

कांग्रेस आलाकमान की रणनीति मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कमजोर होने के बाद अपना वजूद मजबूत करने की है. आलाकमान मानता है कि अगर बिहार में एनडीए को हरा दिया जाए तो फिर इसका असर केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार पर भी पड़ना लाजिमी है. इसलिए कांग्रेस बिहार को लेकर ज्यादा सीरियस दिख रही है. हालांकि जमीनी स्तर पर देखें तो एनडीए की तैयारी महागठबंधन से कहीं ज्यादा मजबूत दिखाई दे रही है. एक तरफ एनडीए का जिला स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हो रहा है और इसे विधानसभा क्षेत्र स्तर तक ले जाने की योजना है, वहीं कांग्रेस और राजद के अलावा वामदल अपना अलग अलग कार्यकर्ता सम्मेलन कर रहे हैं.

कांग्रेस के सामने बिहार में सबसे बड़ी समस्या इंडिया ब्लॉक में मिलने वाली सीटों की संख्या है. इस बार राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव कांग्रेस को ४० से ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं हैं और इसका कारण यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ७० सीटों पर चुनाव लड़कर १९ जगहों पर ही जीत पाई थी. अगर कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर होता तो आज बिहार में महागठबंधन की सरकार होती और तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद पर विराजमान होते. अब कांग्रेस की चुनौती २०२० की तरह महागठबंधन में ७० सीटें हासिल करने की होगी. कांग्रेस की दलील यह है कि कांग्रेस की अनदेखी करने से विपक्ष को नुकसान हो सकता है और इसके लिए वह इशारों इशारों में दिल्ली चुनाव का हवाला दे रही है.

बिहार में कांग्रेस नेताओं का मानना है कि अगर पार्टी राज्य में नेतृत्व परिवर्तन करना चाहती है तो उसे यह जल्दी करना होगा. नेतृत्व परिवर्तन के बाद प्रदेश कमेटी के अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति करनी होगी. इसमें लेटलतीफी हुई तो इससे न केवल पार्टी बल्कि महागठबंधन को नुकसान हो सकता है. नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव होने पर जातीय समीकरणों का भी खास ध्यान रखना होगा और यही ध्यान टिकट वितरण में लगाना होगा. पार्टी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि टिकट के लिए पैरवी करने से बेहतर होगा कि वे क्षेत्र में जाकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करें.

हत्याकांड मामले में 14 दोषियों को उम्रकैद

मधुबनी (एर्जेसी): बिहार के मधुबनी जिले के भैरबस्थान थाना क्षेत्र के झौआ गांव में २८ साल पुराने एक हत्याकांड में जिला जज की अदालत ने १४ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है. यह मामला ५ अगस्त १९९७ का है, जब जमीनी विवाद में हुई झड़प के दौरान योगेंद्र यादव की हत्या कर दी गई थी.

इस मामले में मधुबनी जिला जज अनामिका टी की अदालत ने १४ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. वहीं, ११ आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया. इस फैसले को न्याय की जीत माना जा रहा है, भले ही इसमें २८ साल का लंबा समय लग गया. ५ अगस्त १९९७ को भैरवस्थान थाना के झौआ गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हुआ. इस दौरान योगेंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई और नागेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने ६ अगस्त १९९७ को नागेश्वर यादव के बयान पर मामला दर्ज किया था.

कोर्ट ने कमल यादव को आईपीसी की धारा ३०२ के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा दी. वहीं, चंदर यादव, जमुना यादव, महेश यादव, सुरेश यादव, रघुनी यादव, बिंदेश्वर यादव, ललित यादव, उत्तिम यादव, प्रमोद यादव, सूरत यादव, बौअन यादव, कारी यादव और कशे यादव को डढछ ४२९/९८ के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई.इस मामले में अदालत ने ११ आरोपियों को रिहा कर दिया. इनमें सुंनर यादव, शत्रुघ्न यादव, इनर यादव, जयनारायण यादव, फिरु यादव, नेपाल यादव, जादू यादव, चुम्मन यादव, शैलेंद्र यादव, योगेंद्र यादव उर्फ पोता और देवेंद्र यादव का नाम शामिल है.

पीपी (लोक अभियोजक) मनोज कुमार तिवारी ने इस फैसले को इतिहास का एक बड़ा फैसला बताया. उन्होंने कहा, हालांकि न्याय मिलने में २८ साल लग गए, लेकिन अंततः पीड़ित परिवार को इंसाफ मिला.

कार्यालय मोटर यान निरीक्षक, धनबाद।
सूचना

सूचित किया जाता है कि धनबाद जिला परिवहन कार्यालय में पंजीकृत वैसे वाहन जिनका दूरस्ती प्रमाण पत्र तथा पथकर प्रति की वैधता कालबाधित हो चुकी है तथा JIMMS Vehicle Portal में सूचीबद्ध है का असुरक्षित रूप से अवैध प्रयोग /परिचालन खनन क्षेत्रों में किया जा रहा है, कि निम्न सूची में अंकित वाहन पोर्टल एवं JIMMS Vehicle Portal में प्रदर्शित हो रहा है। इस प्रकार के वाहनों के परिचालन से झारखंड राज्य को राजस्व का क्षति तो हो रही है, तथा साथ–साथ खनन, क्षेत्रों के कामगारों एवं आमजन के जान माल की क्षति की प्रबल सम्भावना है। वाहनों की सूची इस प्रकार है–

JH10Y2227	JH10AN3254	JH10T9132	WB37A2328	JH10C5070	JH10BK8328
JH10R2986	JH10X0911	JH10CP6277	JH10X3810	WB37B9417	JH10BS2051
JH17E6769	JH10AC2823	JH10AY1721	JH10CG5798	JH10W8840	JH10AV7354
BR13C0401	WB37D0442	JH10BB2143	JH10AH3330	JH10AJ3973	JH10P7820
JH10BT2350	wb37d0697	JH10CD6646	JH10CQ7251	JH10Y8190	JH10BU4208
JH10BA8213	JH10AZ5458	JH10T4492	JH10AG0359	JH10AD3728	JH10AX8337
JH10CS0594	JH10Y5023	JH10BR6782	JH10AX2666	JH10X3759	JH10AN5788
JH10R1816	JH10BP9361	JH10U3116	JH10AQ5263	JH10AU1007	JH10AG5987
JH10AW0532	JH10AH2555	JH10AE5042	JH10Z6811	JH10X7397	JH10CP9539
JH10CD4426	JH10BS5162	JH10BL6724	JH10V7488	JH10AU3071	JH10AB1611
JH10AJ5287	JH10Z2777	JH10Z1311	JH10AM7989	JH10BD0115	JH10AM6297
JH10AY0403	JH10AE3470	jh10bt2644	JH10BS1345	JH10BX2982	JH10Y7016
JH10Z4611	JH10BX3933	JH10BF7609	JH10AG5636	JH10T8548	JH10BS0118
JH10AL6114	jh10ad6259	JH10AU5318	JH10BQ5164	JH10CJ4027	JH10AX7549
JH10CQ2804	JH10CK9875	JH10AW5644	JH10BH2618	JH10CP2169	JH10BY4156
JH10AP1343	JH10S8328	JH10AH7566	JH10AA7751	JH17D0776	JH10AW8946
JH10AH9312	JH10AW2134	JH10CN6191	JH10CP6758	jh10bd9143	jh10r1721
JH10CP3563	JH10AQ6966	JH10Y4556	JH10AQ2059	WB53C0786	JH10BJ6803
JH10BA1466	JH10U2422	JH10BP0625	JH10CM8221	JH10AS3700	JH10AD0613
JH10BT9763	JH10AB7351	WB11C2471	JH10AC9231	JH10BT6449	JH10AW8268
JH10BM1962	WB39A7478	JH10CD3168	JH10AN7562	WB37C2442	JH10Z5891
JH10T3687	WB553449	JH10BC0988	JH10AZ1279	JH10V4591	JH10X5229
JH10Q2275	JH10BQ3035	JH10CA5452	JH10CP3453	JH10AJ7634	JH10W7975
JH10AD8406	JH10M0801	JH10CB2164	JH10CP6129	Jh03b9949	JH10CP1098
JH10V7879	JH10BT5616	JH10AE7329	JH10AM8754	JH10AS7402	JH10BR1064
JH10CP5097	JH10BP6257	JH10AB9321	JH10X0485	JH10AS3605	JH10L0650
JH10AM2322	JH10BP0917	JH10CH9754	BR17B6755	JH10AS7994	JH10H8470
JH10AN7479	JH10BP5320	JH10AA7663	JH10BQ2488	JH10AS6121	JH15F1960
JH10AN8464	JH10BP1757	JH01U1282	JH10CB0308	JH10AJ8867	BR17G2184
JH10AA4636	JH10BP9884	JH15E6664	JH10BU8802	JH10AJ8866	BR14G1303
JH10AH5659	JH01AL9851	JH10CD9156	JH10BZ9462	JH10R2688	JH10AE8442
JH10CP0162	JH10AH4375	JH10CF9888	JH10BZ7343	JH10AW0298	JH10X7327
Jh10bt9205	JH10AH4475	JH10S6201	JH10AB4756	JH10AF9107	JH10J3116
Jh10al7839	JH10CA5920	JH10AE0157	JH10BE1385	JH10AV2298	JH10AB8935
JH10AN6041	JH10BK7839	JH10AP2951	JH10AN7554	JH10A9365	JH10CG9760
JH10BS6713	JH10BK8478	JH10X7197	JH10W2223	JH10BS7738	JH10E9401
JH10AG6819	JH10Y6653	JH10CP9638	JH10AM2230	JH10AS5706	JH10BQ2817
JH10Q3891	JH10AT9480	JH10F7993	JH10BP8004	JH10AF8134	JH10AB1515
JH10AD4375	JH10AU3845	JH10AS4816	JH10BP6903	JH10AS6108	JH10P7911
JH10CP8289	JH10BS8186	JH10AP4195	JH10Z2009	JH17D3494	JH10S1772
JH10Z2784	JH10BS8247	JH10AG9221	JH10BP6833	JH10BU3544	JH10AW0711
JH10T1353	JH10BS5446	JH10BQ3182	JH10BP6299	JH09B1356	JH10BQ0698
JH10AB1322	JH10BS0675	jh10bk4886	JH10V5093	Jh10CL2701	JH10AE9893
JH10AK3445	JH10AW7012	JH10AJ0139	JH10BQ5249	JH10CL7747	JH10BL1055
JH10CF9753	JH10AZ3840	WB37A9984	JH10BZ1993	JH10CK3944	JH10BR0298
JH10BA2097	JH10CM3395	BR17G0103	JH10X2610	JH10CK6384	JH10BR3640
JH10BY5931	JH10P1410	WB37B1712	JH10M2726	JH10BZ2578	JH10AM7033
JH10G5364	JH10CM9707	WB37B2891	JH10AC6853	JH10BZ8234	JH10AR6545
BR17G6786	JH10CM9717	JH10AK2905	JH10BK2024	JH10H9498	JH10AR7304
BR170461	JH10CD6823	JH10AN8565	JH10AU3169	JH10CN6151	JH10CH6676
NL02G4122	JH10BP9245	JH10CC3403	JH10CK1676	JH10CM6151	JH10CH5366
JH10BY2445	JH10BN8661	JH10AA9711	JH10AA3883	JH10AS0714	JH10T4316
WB37D6987	WB37C4902	JH10AV0156	JH10CK0698	JH10BZ5171	JH10CH3747
JH20A4763	JH10CL3017	JH10CC6347	JH10CK0498	JH10AD3350	JH10CH3150
BR17G8880	JH10CL3519	JH10CD6374	JH10CK0298	JH10CK5008	JH10BA6190
JH10G4211	JH10AE9632	JH10CD2732	JH10S7669	JH01AA2696	JH10AV6195
JH05AW5318	JH10U3252	JH10CN2811	JH10G5360	JH10CL1336	JH10AL6605
JH10S3490	Jh10q5726	JH10CB8962	JH10U6672	JH10W6301	WB373242
JH10Q7801	JH10CL3668	JH10CN4643	JH10AC0831	JH10BW3150	JH10T1474
BR17B6453	jh10y5419	JH10BN8056	JH10CK2367	JH10CH6864	JH10CF8023
BR17B5420	JH10AT7082	JH10AC0830	JH10CC4600	JH10BU5217	JH10Q7601
JH10AC3195	JH10CE8109	JH10AM0471	JH10CH2978	JH01Z3121	JH10BS6157
JH10AM6419	JH10BX6521	JH10CC0986	JH10CK4908	JH10AC9606	JH10AC7747
JH10AY7437	JH10CL2246	JH10CN1038	WB41D4924	JH10CF7685	JH10CF7611
JH10BB2192	JH10CL3196	JH10BZ2306	WB37C4737	JH10U0265	JH10M2625
JH10BZ2844	JH10CL4560	JH10BN6598	JH10CF4851	JH10S5753	JH10Q0313
JH10BK2301	JH10CL9536	JH10CD1357	JH10BQ1560	BR17G6268	JH10P9851
JH10AR1689	JH10CL6715	BR17B3123	JH10CD8838	BR17G1229	JH10P9850
JH10BB4648	JH10CL6405	JH10Z3609	WB29A6475	WB374967	JH10R5550
JH08B9888	JH10BU7617	BR17G5625	JH10CE3603	JH10CC9204	JH10S0489
JH10AN0578	JH10BT9951	NL01A6261	JH10G7967	JH10CC2431	JH10M0789
JH10G0254	JH10BU8690	WB37A4694	JH10G7966	WB37C0189	JH10Q4313
JH10AM7572	JH10Q8379	JH10G3902	JH10AF0363	JH10CC3212	JH10BQ5877
JH10CC7511	OD19F2212	BR17G8803	JH10AA7563	JH10CB1410	JH10BQ5777
BR17G8364	JH10BS4712	JH10H9745	JH10P7313	BR17G3825	JH10BQ7560
JH06B1212	JH10BR4272	JH10CB6369	JH10BZ2336	JH10BK3859	JH10BM4614
BR17G3193	JH10BT3346	WB371129	JH10CG0168	JH10CC7017	BR17G4483
JH10CD5310	JH10BS0983	WB37B7343	JH10AB0382	JH10BY1173	JH10BP0231
JH10CD0729	JH10F9017	BR17G0848	JH10BR3817	JH10CB7370	JH10BP5380
BR407901	WB379820	WB37A7181	JH10BQ7140	JH10BS6392	JH10BQ9746
JH10CD8415	JH10BS8623	BR17G2315	JH10P9467	JH10BS6887	JH10BP8354
JH10Z6198	JH10BS1719	JH10U5741	JH10BQ3513	JH10CC6748	JH10AA7656
JH10CD7268	JH10BS9650	WB375514	JH10BR6040	JH10CA2712	JH10BA5240
WB37A7149	JH10AD6445	WB37B0563	JH10N7822	JH10BR3848	JH10AS4772
JH10CD7544	JH10BS8368	JH10CD3751	JH05AK9606	JH10CB5759	JH10AF9531
JH10Q7146	JH10BP2654	BR176021	JH10X4026	JH10CA5645	JH10BP4992
JH10CD3956	JH10BS6561	WB379958	JH10BR9919	JH10CA7023	JH10AA0875
JH10BY8716	JH10BS7221	WB37A4658	JH10BR4595	JH10AL2412	JH10BP0042
WB37C1306	JH10AM0677	WB37A1433	JH10U9530	JH10AE3161	JH10AK7164
BR17G6600	JH10BS7036	BR17G8304	JH10BQ7793	JH10CA7688	JH10M0840
WB37A4585	JH10BS9392	JH10Y0122	JH10T2881	JH10BM5265	JH10R2462
BR17G6525	JH10BS5312	JH10BH9904	JH10AV7774	JH10BT1413	JH10BP0487
BR17G8809	JH10BM9715	JH01U7861	JH10BR0498	JH10BY1197	JH10R0259
WB57D2566	JH10L4967	JH10BB6891	JH10BQ2032	JH10BY5154	JH10AN3903
JH10BN0219	JH10BJ9409	JH10P2167	JH10BQ9785	JH10Z7941	JH10AF5338
JH10U7816	JH10BK2304	JH10U4363	JH10AH8058	JH10BW8239	JH10Q4477
JH10BM1630	JH10BJ3443	JH10AE7359	JH10BP6501	JH10BU7446	JH10Y9659
WB59B8358	JH10V5878	JH10AK2896	JH10BQ5855	JH10V5573	JH10T5859
JH10T4469	JH10AK1851	JH10AB6618	UP65AT8159	JH10AN9829	JH10Y7479
JH10AV7959	JH10G1869	JH10W6818	JH10Z8032	JH10AC2859	JH10AY3534
JH10BM7225	JH10AK5428	JH10S2555	JH10S8894	JH10BE0795	JH10Q7357
JH10V7173	JH10AL1573	WB37C2958	BR17A7521	JH10S2545	JH10AY3264
JH10BM3784	JH10V7542	JH10BC0344	JH10X0404	CG04JC5311	BR17G7275
JH10AG9606	JH10V7714	JH10U8634	JH10BB2592	JH10AA5806	JH10C4978
JH10AL7045	JH10R2185	JH10AY2593	JH10AK8580	BR17G0865	JH10V0559
JH10BM9344	JH10P7301	JH10S6204	JH10AE5721	JH10BG3036	JH10U6085
JH10BM9943	JH10AB8922	JH10AC5130	WB37A2972	JH10BB3034	JH10BC2986
JH10AF8187	JH10AN7144	JH10X0343	JH10R5703	JH10W1232	JH10AS7589
JH10AM6134	JH10AV3920	BR17G1149	JH10AJ9824	JH10Y0128	BR17G3202
JH10H6204	JH10F5732	JH10Y7297	BR17G5553	JH10S5263	JH10AZ0266
JH10AH2378	JH10R2932	JH10U9275	JH10U9499	JH10W3786	JH10X0902
WB55A4393	JH10D8131	JH10AV5285	JH10T3493	JH10T9131	JH10Q2788
WB378741	JH10AG8185	JH10S1474	JH10AV7901	JH10V7301	JH10AM5233
JH10U3835	JH10AX0331	JH10AZ2293	JH10T9511	JH10AD2123	JH10AF4041
JH10G8427	JH10AJ3445	JH10V7130	JH10AD8335	JH10AK9535	JH10AA8111
JH10AD6016	JH10AX5568	JH10G7052	JH10AN7774	JH10AW3491	JH10AR1188
NL02G4123	JH10AT3965	JH10BC2345	BR17B9244	JH10X5335	JH01Z4514
JH10AW1484	JH10X6364	JH10AG1188	JH10T8676	WB39A2561	JH10W8735
JH10AH4688	JH10AT8083	JH10Z6667	JH17D2446	JH10S6305	JH10AA5665
JH10X2716	JH10AZ7617	JH10Q8322	JH10U6850	JH10AF7875	JH10AY6660
JH10AR7511	JH10BD5377	JH10AW9635	JH10AV5165	JH10AG1032	JH10AN3926
JH10Q2175	JH10AZ3345	JH10AA9323	JH10BF5443	JH10Y1444	JH10AA8775
JH10T5081	JH10F5993	JH10T0493	JH10Z7796	JH10W9738	JH10AC2568
JH10X6832	JH10P5185	JH10Y1421	JH10T1521	JH10BD7083	JH10Z4512
JH10AL3148	JH10X1294	JH10K4041	JH10Y8229	JH10AM2819	JH10AM6528
JH10AB5977	JH10Y9820	JH10AR8812	JH10V1257	JH10Y0131	JH10Y4895
JH10T9614	JH10M5121	BR17B0311	JH10Y7818	JH10W7532	JH10AY0614
JH10AT5253	WB53A4699	JH10U3793	JH10P6982	JH10W3369	JH10AF1509
JH10AW8243	JH10U4649	JH10P6985	JH10Y7884	JH10AJ1617	JH10AL9419
JH10AJ1469	JH10Z3994	JH10V7481	JH10AN2532	JH10BC7927	JH10AN9786
JH10AC2764	JH10Y7798	JH10AX5947	JH10BE7730	JH10AN9684	JH10AL1230
JH10AR5477	JH10AS9133	JH10V1514	JH10AN8176	JH10V0959	JH10Y7557
JH10P8091	JH10Y2947	JH10AB2144	JH10AT9959	JH10AT2459	JH10AX2822
JH10AD2936	JH10AB3467	JH10Q5891	HR55M9839	JH10Z8011	JH10AH4650
JH10AN1343	JH10AA4835	JH10AD6727	JH10V7131	JH10X6707	JH10AG8857
JH10M2689	JH10AH0519	JH10AD9093	JH10AF5114	JH10AH1814	JH10AG8757
JH10AC1195	JH10AJ5077	JH10AB4649	JH10Y8029	JH10J7399	JH10AW9591
JH10Z9037	JH10X1654	JH10AG3524	JH10V0439	JH10AB3099	JH10AT7885
JH10M2578	JH10BE9196	JH10AL1282	JH10AV3914	JH10AV4098	JH10BD4407
JH10AU4776	JH10AM6367	JH10AY5274	JH10X3509	JH10AT8747	JH10AP7617
JH10AX0298	JH10AB6321	JH10AP2615	JH10AB0235	JH10W3711	JH10AK6311
JH10AB9521	JH10M7059	JH10X1933	JH10AB0135	JH10AA2259	JH10AG1286
JH10AT4105	JH10V9788	JH10X5439	JH10AB0359	JH10AM9958	JH10BD7714
JH10AL0498	JH10AJ7722	JH10BC4149	JH10AH3468	JH10X4967	JH10U1110
JH10AT4048	JH10BA8133	JH10AE9342	JH10M8090	JH10AB5103	JH10P7751
JH10AH4859	JH10V1166	JH10J6511	JH10W6850	JH10AV5083	JH10AK8835
JH10AM0994	JH10AN6444	JH10AU0236	JH10L2910	JH10AF8621	JH10AD2656
JH10AU5565	JH10W6889	WB37A6148	JH10AD7210	JH10AY0263	JH10AE3474
HR38M7932	JH10U8841	JH10R2477	JH10P7859	JH10AW5577	JH10W6853
WB37D0696	JH10M8861	JH10AD1615	JH10AL3981	JH10AH0521	JH10AE7593
JH19A9717	JH10K2887	JH10Z8421	JH10AL3712	JH10AV9127	JH10AV9727
JH10BE9064	JH10BD7851	JH10Y6363	JH10AA0911	JH10AL9302	JH10X2729
JH10AT5226	JH10AW3001	JH10Q7069	JH10AA2579	JH10AQ9271	JH10AA0504
JH10U7772	JH10AL7823	JH10X7213	JH10AB0604	JH10Q9551	JH10Z2420
JH10BC9450	JH10AT2559	JH10Z8808	JH10V6702	JH10L3200	BR17B3871
JH16A4132	JH10AC3159	JH10AH3140	JH10AT2268	JH10AD3260	JH10X9485
JH10AB4896	JH10AG8151	JH10AF5427	JH10AS4494	JH10G2485	JH10AW5730
JH10AR1816	JH10AM1282	JH10AP3143	JH10AS1791	WB37B3053	JH10AG2099
JH10AD8262	JH10AN6561	JH10AN2059	JH10AU4787	JH10AH3043	JH10BE7186
JH10X5649					

अतः विशयांकित वाहनों के स्वामियों से अनुरोध किया जाता है कि कार्यालय अवधि में सात दिनों के अन्दर जिला परिवहन कार्यालय धनबाद/मोटरयान निरीक्षक कार्यालय धनबाद में Oline Slot Booking कर झारखण्ड राज्य के बकाया पथकर का भुगतान करके वाहन प्रस्तुत कर विधिनुसार दुरूस्ती प्रमाण पत्र बनवाया सुनिश्चित करेंगे।

उपरोक्त निदेश की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों/वाहन स्वामियों पर झारखण्ड वाहन करारोपण अधिनियम 2001 (यथा संशोधित) एवं मोटरयान अधिनियम 1988 (यथा संशोधित) के सुसंगत धाराओं के तहत किये जाने वाले शमनात्मक कार्रवाई तथा वाहनों की काली सूची में डाले जाने की जबाबदेही उनकी स्वयं की होगी।

PR 347351 Transport(24-25)D — मोटरयान निरीक्षक धनबाद।

बिहार की राजनीति के हॉट केक बने निशांत कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति की नई पौध. वे अचानक सक्रिय हो गए हैं. प्रेस में आए दिन उनके बयान आ रहे हैं. पिता के लिए वोट मांग रहे हैं. १९ साल के सुशासन के बल पर पिता को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं. शादी के नाम पर शरमा जाते हैं और शालीनता उनके हाव-भाव से टपकती है. राजनीति में एंट्री होने वाली है पर किसी से बैर की भावना ना के बराबर है. कटु शब्दों से अभी दूरी बनाए हुए हैं और ऐसा लगता है कि जुबान से फूल झड़ रहे हैं.

गजब की मासूमियत के धनी हैं निशांत. लगातार बयान दे रहे हैं पर किसी के लिए गलत शब्दों का प्रयोग नहीं किया है. उनके बातचीत के अंदाज से लगता है कि उनकी ट्रेनिंग चल रही है और उन्हें कोई बढ़िया गुरु मिल गया है. लच्छेदार भाषा तो नहीं बोल पा रहे, लेकिन उसमें भी उनको महारत हासिल हो जाएगी, यह प्रतीत होता है. विपक्षी दल भी उनके खिलाफ कुछ बोलने से कतरा रहे हैं. राजनीति में यह बहुत ही शुभ लक्षण होता है, जब आपके खिलाफ बोलने वाला कोई न हो. ऐसे लोग राजनीति में दूर तक जाते हैं. भारतीय राजनीति में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है.

आज के समय में निशांत कुमार बिहार की राजनीति के हॉटकेक बन गए हैं. हर कोई राजनीति में उनके स्वागत करने की बात कर रहा है. लालू परिवार भी उनके खिलाफ कुछ भी बोलने से कतरा रहा है. तेजप्रताप यादव तो उन्हें राष्ट्रीय जनता दल में एंट्री की भी बात कर रहे हैं तो तेजस्वी यादव उनके राजनीति में आने की पैरवी करते हुए भाजपा का डर दिखा रहे हैं. तेजस्वी यादव ने कहा, सबसे पहले तो यह साफ

होना चाहिए कि चाहे निशांत कुमार हो या कोई और, राजनीति में एंट्री का निर्णय व्यक्ति का अपना होना चाहिए. मेरे माता-पिता (पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी) ने मुझे राजनीति में आने के लिए नहीं कहा था. मैंने बिहार का दौरा करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता का मूड भांपते हुए खुद यह निर्णय लिया.

तेजस्वी ने कहा, बेशक अगर वह आगे आते हैं तो पार्टी को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है. इसलिए जदयू में मौजूद संघियों की मदद से बीजेपी में कई लोग उनके प्रवेश को रोकने की साजिश में लगे हुए हैं. नेता प्रतिपक्ष ने २६ फरवरी, दिन बुधवार को मंत्रिमंडल विस्तार को हल्के में लेते हुए कहा कि इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है.

केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने कहा, राजनीति में आने का सभी को अधिकार है, अगर निशांत कुमार आना चाहते हैं तो कौन मना करेगा. राजनीति में आने से संविधान ने मना नहीं किया है. तेजस्वी यादव ने पार्टी को खानदानी बना दिया है. लालू यादव परिवार से बाहर नहीं निकल सके हैं. वहीं, नीतीश कुमार २० साल तक मुख्यमंत्री रहे, लेकिन कभी अपने बेटे को राजनीति में नहीं आने दिया.

जदयू के वरिष्ठ नेता और भागलपुर से विधायक गोपाल मंडल ने कहा, नीतीश कुमार के बाद जदयू की बागडोर निशांत कुमार ही संभालेंगे. निशांत कुमार पढ़े-लिखे और काबिल व्यक्ति हैं. जब नीतीश कुमार राजनीति में सक्रिय नहीं रहेंगे, तब पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए निशांत कुमार की जरूरत होगी. गोपाल मंडल ने यह भी कहा, अगर पार्टी की कमान निशांत के हाथ में होगी, तो सभी नेता और कार्यकर्ता उन्हें सम्मान देंगे और उनकी बात मानेंगे.

निशांत कुमार के राजनीति में आने की बात करें तो माना जा रहा है कि होली के बाद इस बात का आधिकारिक तौर पर ऐलान हो सकता है. हालांकि निशांत कुमार अब भी खुद के राजनीति में आने के सवाल पर चुप्पी साध लेते हैं. निशांत कुमार कहते हैं, पिताजी में पांच साल और सरकार चलाने की क्षमता है. वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं. उन्होंने बिहार के लोगों के लिए काम किया है और आगे भी करना चाहते हैं. लोगों से वह फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनाने की अपील कर रहे हैं.

निशांत कुमार का राजनीति में आना इसलिए भी निश्चित बताया जा रहा है कि पिछले १९ साल में वे कभी भी राजनीतिक बयान देते नजर नहीं आए, लेकिन पिछले २ महीने में वे ६ से ७ बार मीडिया के सामने आ चुके हैं और अपने पिताजी को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की अपील कर चुके हैं. उन्होंने अपनी मां जयंती पर एक बड़ी भावुक अपील करते हुए अपने पिता के लिए वोट मांगा था.

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा
द्वारा
राष्ट्रीय लोक अदालत

दिनांक 08.03.2025 (शनिवार) समयः प्रातः 10:00 बजे
स्थानः– सिविल कोर्ट परिसर, जामताड़ा

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा द्वारा सिविल कोर्ट परिसर में **दिनांक 08.03.2025 (शनिवार)** को **प्रातः 10:00 बजे** से **राष्ट्रीय लोक अदालत** का आयोजन झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के तत्वावधान में किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर निम्न वादों का निष्पादन किया जायेगा:–

बैंक ऋण से संबंधित मामले, बिजली से संबंधित मामले, रेलवे से संबंधित मामले, मोटर एक्सिडेन्ट से संबंधित मामले, 138 एन0आई0एक्ट (चेक बाँउस) से संबंधित मामले, बी0एस0एन0एल0 से संबंधित मामले, फौजदारी (क्रिमिनल) सुलहनीय मामले, रेवेन्यू से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद से संबंधित मामले, उत्पाद (Excise) वाद से संबंधित मामले, उपभोक्ता विवाद से संबंधित मामले, वन (फॉरेस्ट) वाद से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा से संबंधित मामले, न्यूनतम मजदूरी विवाद एवं श्रम से संबंधित मामले ,मनरेगा से संबंधित मामले एवं, अन्य सभी सुलहनीय मामले, जिन्हें लोक अदालत के माध्यम से सुलझाया जा सकता है।

अतः आप सभी संबंधित पक्षकारों से अनुरोध है कि अपने मामलों का सुलह समझौते के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण हेतु संबंधित न्यायालय/विभाग में यथाशीघ्र आवेदन दें और राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठावें।

पुलिस अधीक्षक –सह– सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा
उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

नोटः– इस संबंध में पूर्व समझौता बैठक दिनांक 08 जनवरी, 2025 से ही चल रहा है। अतः आप सभी से अनुरोध है कि आप संबंधित न्यायालय में दिनांक 07 मार्च, 2025 (केवल कार्य दिवस के दिन) तक आवेदन देकर राष्ट्रीय लोक अदालत पूर्व में समझौता बैठक के लिए गठित पीठ में अपने मामलों को रखवाकर अपने वादों को निष्पादन करवा सकते हैं। इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में न्यायालय परिसर में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकते हैं।

निवेदक
(अभिनव),सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

PR 347416 Law(24-25)#D

पत्थरबाजी के झूठे आरोप में फंसी फरहाना

संभल,(ईएमएस): २६ नवंबर को संभल हिंसा के दौरान पत्थरबाजी के आरोप में गिरफ्तार की गई ४८ वर्षीय फरहाना को ८७ दिनों बाद जेल से रिहा कर दिया गया। जांच में पाया गया कि फरहाना का वजन १२० किलोग्राम है, जिससे वह छत पर चढ़कर पत्थर फेंकने में सक्षम नहीं थी।

पुलिस ने फरहाना पर दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक सेवक पर हमले जैसी कई गंभीर धाराएं लगाई थीं। लेकिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर दिखी महिला की बनावट फरहाना से मेल नहीं खाती थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि फरहाना की पड़ोसी जिकरा से पुरानी दुश्मनी थी, जिसने उसे झूठे आरोप में फंसाया। जिकरा ने अपनी बहन को बचाने के लिए फरहाना का नाम लिया था।

चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा जाएगा : बीजेपी

पटना (ईएमएस): बिहार में २०२५ के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से हलचल शुरू हो गई है। बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान ने बिहार में सियासी पारा चढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा जाएगा। लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, यह बीजेपी का संसदीय बोर्ड तय करेगा। जायसवाल के इस बयान से कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या नीतीश कुमार अगला सीएम बनेंगे? अगर एनडीए जीतता है, तब क्या मुख्यमंत्री बनेंगे? ये सवाल अब चर्चा का विषय बन गए हैं।

बीजेपी अध्यक्ष जायसवाल ने कहा कि २०२५ का चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री कौन होगा, यह बीजेपी संसदीय बोर्ड तय करेगा। बीजेपी के इस बयान से राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। एक तरह से एनडीए में में सीएम फेस फंस गया है। बता दें कि बिहार

में शुक्रवार से बिहार विधानमंडल सत्र की शुरुआत हो रही है। नीतीश कुमार की सरकार बजट पेश करेगी। बजट सत्र के दौरान बिहार बीजेपी अध्यक्ष का सीएम फेस बयान सियासत में बवाल ला दिया है।

माना जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को बैठ बिठाए मुददा मिल गया है। आरजेडी नेता बार-बार कह रहे हैं कि बीजेपी के लोग नहीं चाहते हैं कि निशांत राजनीति में आएं। बीजेपी के लोग नहीं चाहते हैं कि जेडीयू आगे बढ़े। इसकारण रणनीति के तहत बीजेपी के लोग आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह
ई–मेलः giridihmunicipalcorporation@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत होल्डिंगधारियों द्वारा बिना नक्शा पारित कराये विभिन्न प्रकार के भवनों का निर्माण कार्य कराए जाने की शिकायत प्राप्त हो रही है, जो नगरपालिका अधिनियम, 2011 एवं झारखण्ड भवन उपविधि, 2016 में निहित् प्रावधानों का उल्लंघन है। साथ ही अवैध निर्माण कराये जाने से नगरीय स्वरूप एवं विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति कराने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। सरकारी राजस्व की क्षति भी होती है।

अतः आम नागरिकों से अपील है कि अपने भवन का निर्माण कार्य कराये जाने के पूर्व भवन उपविधि के अनुसार नगर निगम, गिरिडीह से नक्शा पारित कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा अवैध निर्माण किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर नगर निगम, गिरिडीह द्वारा नगरपालिका अधिनियम, 2011 एवं भवन उपविधि, 2016 में निहित् प्रावधानों के तहत् सख्त कार्रवाई करते हुए आर्थिक दण्ड अधिरोपित किया जा सकता है।

ह०/–
प्रशासक,
नगर निगम, गिरिडीह

PR 347402 Urban Development(24-25)#D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas

e- Procurement
Very Short Notice Inviting Tender
Reference No. - UDD/CMC/16/2024-25

Group No.	Name of work	Earnest Money	Cost of BOQ	Period
01	Hiring of vehicles 02 Nos. of e-Vehicle and 01 Nos of diesel Vehicle (SUV TYPE for official work) for One year.	10000.00	5000.00	01 year
02	Date of Publication of Tender on Website	04/03/2025		
03	Date/Timeforreceiptof bids (ONLINE)	11/03/2025 upto02:00 PM		
04	DateofBid Opening	12/03/2025 at 03:00 P M		
05	Name & address of office inviting Tender	Office of the AMC, CMC Chas		
06	Helpline number, N	8757975895		

NOTE :
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in

प्रशासक
–सह–
अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम।

PR.NO.347403 Urban Development(24-25):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
DRINKING WATER &SANITATION DIVISION, CHAS.
Very Short Term e-procurement Notice
Tender reference No. - DWSD/CHAS/03/2024-25 (1st Call) DATED: 27.02.2025

The under signed, on behalf of the Government of Jharkhand, invites Percentage rate bids for the work mentioned in table below through e-Procurement from eligible and approved Contractors, registered with Drinking Water &Sanitation Department, Government of Jharkhand. The work of Supply of Spare Parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II as detailed is BOQ. The rate to be paid for the work as said above will be decided as per the lowest rate quoted in e-procurement. The relevant articles of PWD Code will be applicable. The rates will be applicable for years 2024-25. The bid shall be submitted online in the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

Sl no	Name of the work	Name of Group	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Period of Supply
1	2	3	4	5	6	7
1	Supply of Spare parts of Deep Well Hand Pumps India Mark -II conforming to I S:9301-1190 with latest amendment (may be read along with 1 st amendment IS:15500(Part 1-7) 2004 with latest amendment for spares common to both India Mark -II & III respectively) under D.W.&S Division, CHAS for the year 2024-25.	01	15,12,772.00	31,000.00	5,000.00	10 Days
2	Date & Time of Publication of Tender on Website.	01.03.2025 at 04:00 PM				
3	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	08.03.2025 up to 04:0 PM				
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No - 120 dt 03.10.2023 by Secretary , Department of Information Technology and e -Governance Government of Jharkhand.	08.03.2025 up to 04:00 PM				
5	Date & Time of Opening of Tender	10.03.2025 up to 04:00 PM				
6	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Chas				
7	Contact No. of Procurement Office	06542-265810				
8	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045				

Note:-
- No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.
- Further details can be seen on website Http://jharkhandtenders.gov.in
- Estimated Cost may be increase or decrease.

Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation Division, Chas

PR 347364 Drinking Water and Sanitation(24-25)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
DRINKING WATER & SANITATION DIVISION NO-2, GIRIDIH
Very Short Term e-procurement Notice
Tender reference No. - DWSD/GIRIDIH-2/11/2024-25(1st Call) DATED: 28-02-2025

The under signed, on behalf of the Government of Jharkhand, invites Percentage rate bids for the work mentioned in table below through e-Procurement from eligible and approved Contractors, registered with Drinking Water &Sanitation Department, Government of Jharkhand. The work of Supply of Spare Parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II as detailed is BOQ. The rate to be paid for the work as said above will be decided as per the lowest rate quoted in e-procurement. The relevant articles of PWD Code will be applicable. The rates will be applicable for years 2024-25. The bid shall be submitted online in the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

Sl no	Name of the work	Name of Group	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Period of Supply
1	2	3	4	5	6	7
1	Supply of Spare parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II conforming to IS:9301-1190 with latest amendment (may be read along with 1st amendment IS:15500(Part 1-7) 2004 with latest amendment for spares common to both India Mark-II & III respectively) under D.W.&S Division, No-2, Giridih for the year 2024-25.	01	54,00,258.00	1,08,100.00	10,000.00	10 Days
2	Date & Time of Publication of Tender on Website.	01-03-2025 at 5:00 PM				
3	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	07-03-2025 up to 5:00 PM				
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No- 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e-Governance Government of Jharkhand.	07-03-2025 up to 5:00 PM				
5	Date & Time of Opening of Tender	08-03-2025 up to 5:00 PM				
6	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division No-2, Giridih				
7	Contact No. of Procurement Office	7992394524				
8	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045				

Note:-
- No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.
- Further details can be seen on website Http://jharkhandtenders.gov.in
- Estimated Cost may be increase or decrease.

(Bhikhram Bhagat)
Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation
Division No-2, Giridih

PR 347373 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

कार्यालय, चास नगर निगम, चास (बोकारो)
आई0टी0आई0 मोड़, NH-32, चास, बोकारो, पिन–827013
E-mail:- chasmunicipalcouncil@gmail.com

–: आम सूचना :–

चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न वार्डों में आसन्न गर्मी को देखते हुए जलापूर्ति समस्या एवं पाईप लाईन मरम्मति, चापाकल मरम्मती, डीप बोरिंग मरम्मती एवं आपातकाल टैंकर द्वारा जलापूर्ति से संबंधित आम जनों का समस्या का समाधान एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु एक टीम का गठन करते हुए कंट्रोल रूम बनाया गया है जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	वरीय पदाधिकारी	कार्य का नाम एवं संबंधित पदाधिकारी	जोनल पदाधिकारी का नाम	शिकायत दर्ज करने वाले कर्मी का नाम	कार्य की विवरणी
01	श्री जयपाल सिंह, सहायक नगर आयुक्त।	**जलापूर्ति एवं मरम्मति कार्य** श्री प्रमोद कुमार, सहायक अभियंता। श्री डब्लु कुम्हार, कनीय अभियंता। श्री नीरज कुमार, कनीय अभियंता।	श्री राम कुमार श्रीवास्तव, नगर प्रबंधक जोन – 01 श्री महेन्द्र महतो, नगर मिशन प्रबंधक जोन – 02 श्री अनुप गुँजन टोपनो, नगर प्रबंधक जोन–03 श्री अमन मल्लिक, शहरी संरचना विशेषज्ञ जोन–04 श्री प्रशांत कुमार, नगर मिशन प्रबंधक जोन–05	श्री प्रमोद कुमार, कार्यालय कर्मी। मो0सं0– 9576169103	प्रत्येक दिन कार्यालय अवधि 10:00 AM से 05:00 PM तक वार्डों से संबंधित पेयजलापूर्ति समस्या, क्षतिग्रस्त पाईप लाईन मरम्मती एवं नए जल संयोजन कार्य कराने से संबंधित प्राप्त शिकायत/आवेदन को अलग–अलग पंजी में संधारण करना एवं निराकरण कराने हेतु संबंधित संवेदक/एजेंसी को सूचित करना।
02	सुश्री प्रियंका कुमारी, सहायक नगर आयुक्त।	**चापाकल मरम्मती कार्य डीप बोरिंग मरम्मती कार्य** मो0 नाजिश नवाज, सहायक अभियंता। श्री नवीन कुमार, कनीय अभियंता। श्री धीरज कुमार, कनीय अभियंता।		श्री गौतम पैतण्डी, कार्यालय कर्मी। मो0सं0– 7488491221	प्रत्येक दिन कार्यालय अवधि 10:00 AM से 05:00 PM तक वार्डों से संबंधित समस्या, मरम्मती कार्य कराने हेतु प्राप्त शिकायत/ आवेदन को अलग–अलग पंजी में संधारण करना एवं निराकरण कराने हेतु संबंधित संवेदक/ एजेंसी को सूचित करना।
03		**आपातकाल टैंकर आपूर्ति** श्री मेघनाथ चौधरी,नगर प्रबंधक। श्री ललित नीलम लकड़ा,नगर प्रबंधक।			

उपरोक्त वार्डों से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत/मरम्मती कार्य/जल संयोजन/आपातकाल टैंकर आपूर्ति हेतु हेल्पलाईन ईमेल आई0डी0 – **helplinecomplaincmc@gmail.com** एवं दूरभाष संख्या – **9234027898** पर दूरभाष/ वाट्सएप्प नं0 के माध्यम से शिकायत दर्ज कराया जा सकता है। उपरोक्त प्राप्त शिकायतों को प्रतिदिन श्री शंकर प्रसाद सिन्हा, कम्प्यूटर ऑपरेटर के द्वारा संग्रह कर प्रतिवेदन तैयार करते हुए अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे ताकि निराकरण 48 घंटे के अंदर कराया जा सके।

सहायक नगर आयुक्त
चास नगर निगम

PR 347353 Urban Development(24-25).D

बिहार में चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरम

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल के लिए अच्छी खबर आई है. अब आप सोच रहे होंगे कि वो कौन सी खबर है जिससे लालू परिवार खुश हो जाएगा? दरअसल, तेजस्वी यादव को लेकर राजनीतिक पंडितों ने बड़ी भविष्यवाणी की है. उनके मुताबिक, जब से पार्टी ने आधिकारिक तौर पर नेतृत्व की जिम्मेदारी तेजस्वी यादव को सौंपी है, तब से तेजस्वी यादव की लोकप्रियता और भी बढ़ गई है. राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस बार का विधानसभा चुनाव सीएम नीतीश कुमार के लिए चुनौतीपूर्ण होने वाला है.

माना जा रहा है कि १८ जनवरी २०२५ को राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर तेजस्वी यादव को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बराबर अधिकार दिए गए. इस बैठक में पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती समेत कई वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और एमएलसी मौजूद थे. इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में यह संदेश साफ हो गया कि अब तेजस्वी को पार्टी के लिए फैसले लेने का पूरा अधिकार है. जिसे देखकर क्यास लगाए जा रहे हैं कि तेजस्वी यादव के लिए उनके समर्थकों का जनसमर्थन उमड़ पड़ा है.

बिहार में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरम है. हाल ही में एक सर्वे रिपोर्ट सामने आई है, जिससे संकेत मिलता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है. ४१% जनता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है, जबकि सिर्फ १८% लोग चाहते हैं कि नीतीश कुमार फिर से सत्ता में आएं.

इस चुनाव में बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़े चुनावी मुद्दे बने हुए हैं. जनता इन्हीं मुद्दों के आधार पर वोट देने की तैयारी कर रही है. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, नीतीश कुमार के प्रति जनता की नाराजगी बढ़ी है और इसका सीधा फायदा तेजस्वी यादव को मिल सकता है. हालांकि, बिहार की राजनीति जातिगत समीकरणों से भी प्रभावित होती है, इसलिए सिर्फ सर्वे के आंकड़ों के आधार पर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी.

इस सर्वे को लेकर राजनीतिक विश्लेषक अरुण कुमार ने अलग राय रखी है. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की लोकप्रियता में कमी आई है, लेकिन सर्वे के आधार पर कोई निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा. उन्होंने कहा, अगर यह सर्वे यादव समुदाय में किया गया होता, तो तेजस्वी का प्रतिशत और अधिक होता. उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव केवल जातिगत समीकरणों के आधार पर लड़े जाते हैं.

अरुण कुमार के अनुसार, तेजस्वी को अपने पिता लालू प्रसाद यादव की तरह राजनीति करनी होगी. केवल '- टू न' की राजनीति की बात करने से कुछ नहीं होगा, बल्कि हर वर्ग को अपने साथ जोड़ना होगा. उन्होंने यह भी कहा कि तेजस्वी के पास कम समय है और उन्हें खुद को साबित करना होगा.

तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं है.राजद कार्यकर्ताओं में जोश तो है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या तेजस्वी यादव अपने पिता की तरह जनता को अपने पक्ष में कर पाते हैं या नहीं. आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

महाकुंभ के चलते इस साल काशी पहुंचे चार करोड़ श्रद्धालु

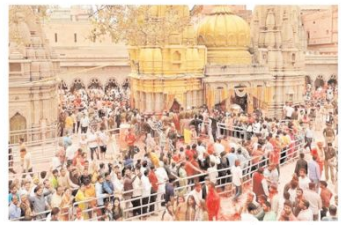

वाराणसी,(ईएमएस): इस साल काशी में भक्तों की बाढ़ सी आ गई है। बीते ४५ दिनों तक चले महाकुंभ के कारण कुल ४.३२ करोड़ श्रद्धालु काशी पहुंचे, जिससे धार्मिक पर्यटन और कारोबार में जबरदस्त उछाल नजर आया। १५० करोड़ के रुद्राक्ष और कुबेर, ३० करोड़ के चंदन के टीके बिके। इस दौरान १०० करोड़ के रुद्राक्ष और ५० करोड़ के कुबेर बिके।

भक्तों ने ३० करोड़ के चंदन के टीके लगाए, जो श्रद्धालुओं की गहरी धार्मिक आस्था को दर्शाता है। बाबा विश्वनाथ धाम में हर रोज़ औसतन ५ लाख लोग दर्शन पहुंचे। पहली बार महाशिवरात्रि पर ४३ घंटे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन होते रहे। पिछले साल ८ मार्च २०२४ को ११.५५ लाख श्रद्धालु काशी पहुंचे थे, लेकिन इस बार यह संख्या बढ़कर २५ लाख हो गई है। एक लाख से ज्यादा विदेशी श्रद्धालु यहां आए।

भारत के २४ राज्यों से लाखों श्रद्धालु काशी आए, जिनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड प्रमुख रहे।

नो-व्हीकल जोन लागू होने से ५-स्टार और ३-स्टार होटलों ने बाइक से कस्टमर्स को लाने-ले जाने की सुविधा दी। कई जनरल स्टोर्स के मालिकों ने ढाबे खोल लिए हैं, जिससे स्थानीय व्यवसायों को बड़ा फायदा हुआ है।

काशी में इस बार न केवल श्रद्धालुओं की ऐतिहासिक संख्या देखी गई, बल्कि धार्मिक पर्यटन और व्यापार में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। बाबा विश्वनाथ धाम के पुनर्निर्माण के बाद से यहां भक्तों की संख्या बढ़ रही है, जिससे स्थानीय व्यापार और होटल इंडस्ट्री को बड़ा फायदा हो रहा है।

आधी रात को बिहार व नेपाल में कई जगहों पर भूकंप के झटके

पटना, (ईएमएस): नेपाल और बिहार के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। गुरुवार देर रात २ बजकर ३६ मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता ५.५ थी। इसके अलावा पाकिस्तान में भी धरती हिली। वहां इसकी तीव्रता ४.५ मापी गई है। भूकंप के झटके पूरे हिमालय क्षेत्र में महसूस किए गए। बताया जा रहा है कि भूकंप के झटके दो बार महसूस किए गए।

पहली बार काठमांडु के पास तो दूसरी बार भूकंप बिहार बॉर्डर के पास आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र नेपाल में सिन्धुपाल्चोक जिले के भैरवकुंडा में था। यह जगह राजधानी काठमांडू से करीब ६५ किमी पूर्व में है। राहत की बात रही कि इस भूकंप में अभी तक तीनों जगहों पर किसी भी तरह की जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। ज्ञात हो कि पिछले महीने भी बिहार से लेकर नेपाल तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसकी तीव्रता ७.१ मापी गई थी। नेपाल के लोबुचे से ८४ किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में भूकंप आया था, जिसकी गहराई १० किमी थी। बिहार के पटना, किशनगंज और कटिहार में तीव्र भूकंप महसूस किए गए। सब कुछ हिल रहा था, लेकिन अभी तक कोई नुकसान नहीं हुआ है। पटना में भूकंप के कारण इमारतों और छत के पंखों के हिलते हुए लोगों ने वीडियो ऑनलाइन शेयर किए। एक एक्स यूजर ने बताया कि भूकंप के झटके लगभग ३५ सेकंड तक रहे। एक दूसरे यूजर ने लिखा, जब लोगों को अचानक भूकंप के झटके महसूस हुए, तब लोग सो रहे थे। भूकंप के झटके से कई लोग डर गए और घर से बाहर निकल आए।

नेपाल में पिछले साल नवंबर में भूकंप ने जबरदस्त तबाही मचाई थी। ६।४ तीव्रता वाले इस भूकंप की वजह जान-माल का काफी नुकसान हुआ था। भूकंप की वजह से १५७ लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे। ८ हजार से ज्यादा घर बर्बाद हो गए थे। नेपाल, बिहार के बाद पाकिस्तान में भी भूकंप के झठके महसूस किए गए। सुबह ५ बजकर १४ मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता ४.५ थी। यहां भी किसी जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

बिहार में जमीन सर्वे का काम अब और होगा तेज होगा

पटना (ईएमएस): बिहार में जमीन सर्वे का काम अब और तेज होगा। सभी ३८ जिलों में सर्वर चालू हो चुके हैं। इसके बाद लोग अब खुद अपने जमीन के कागजात ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। सर्वे के निदेशक कमलेश कुमार सिंह ने सभी जिलों के अधिकारियों से ऑनलाइन बात की। उन्होंने समस्याओं का हल निकालकर काम में तेजी लाने को कहा।

बिहार में चल रहे जमीन सर्वे में बड़ी प्रगति हुई है। सभी जिलों में सर्वर शुरू हो जाने से लोगों को अब कागज जमा करने में आसानी होगी। खास बात यह है कि अब लोग खुद ही अपने दस्तावेज और वंशावली ऑनलाइन अपलोड कर सकते है। इससे सर्वे का काम तेज होगा और कागजों के रखरखाव की समस्या भी खत्म होगी। पहले सारण प्रमंडल सहित ९ प्रमंडलों में सर्वर की समस्या थी, जो अब पूरी तरह से हल हो गई है। इससे डिजिटल डेटा को सुरक्षित रखने में भी मदद मिलेगी।

सर्वे निदेशालय की वेबसाइट पर अब एक नया विकल्प जिला मिलेगा। इस विकल्प को चुनकर लोग अपने जिले के सर्वर पर सीधे आवेदन और दस्तावेज अपलोड कर सकते है। हर प्रमंडल का अपना अलग सर्वर लिंक है। इससे डेटा व्यवस्थित रहेगा और सुरक्षित रखने में कोई दिक्कत नहीं होगी। पहले डिजिटल डेटा को संभालना मुश्किल हो रहा था, लेकिन अब यह समस्या नहीं रहेगी। इससे सर्वे का काम और भी आसान और तेज होगा।

भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक सिंह ने इस लेकर सभी ३८ जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक में उन्होंने सर्वर की नई व्यवस्था के बाद आ रही तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि अब कोई बड़ी समस्या नहीं है। इस नए सिस्टम से डेटा अपलोड करने और डिजिटाइजेशन के काम में तेजी आएगी।

हालांकि, कुछ जिलों के अधिकारियों ने अपलोड किए गए दस्तावेज न दिखने की शिकायत की। निदेशक ने २४ घंटे के अंदर इन समस्याओं को हल करने का आश्वासन दिया।

साथ ही, उन्होंने निर्देश दिया कि ऑफलाइन शिविरों में जमा हुए सभी दस्तावेजों को एक हफ्ते के अंदर ऑनलाइन किया जाए। इससे सर्वे के काम में पारदर्शिता आएगी और लोगों को अपने जमीन के कागजात ऑनलाइन देखने की सुविधा मिलेगी।

याद रहे जुड़ेंगे तभी बचेंगे : राजा भैया

लखनऊ (ईएमएस) : यूपी की कुंडा सीट के विधायक राजा भैया हमेशा ही सामाजिक मुद्दों पर भी बेबाकी से राय रखते हैं। अब उन्होंने गोधरा दंगों का कारण बने साबरमती एक्सप्रेस अग्निकांड को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने पोस्ट किया कि साबरमती एक्सप्रेस में राम भक्तों को जिंदा जला जलाया था। यह नहीं उन्होंने लिखा कि इन लोगों को जिंदा जलाने से पहले किसी ने यह नहीं पूछा था कि वे अगड़े हैं या फिर पिछड़े हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर राजा भैया ने एक नारा देकर लिखा, जुड़ेंगे तभी बचेंगे। यह नारा सीएम योगी आदित्यनाथ जैसा ही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंटोगे तो कटोगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस नारे का काफी असर हुआ था।

इसतरह का एक नारा पीएम नरेंद्र मोदी भी दिया था कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। अब राजा भैया ने भी उसी तर्ज पर नया नारा दिया है। उन्होंने लिखा, गोधरा शब्द सभी को याद होगा लेकिन 'साबरमती एक्सप्रेस' की चर्चा कम ही होती है।

आज वहीं दुखद दिन है, जिस दिन साल २००२ में साबरमती एक्सप्रेस में राम भक्तों को ज़िंदा जलाया गया था, उनका अपराध ये था कि वे अयोध्या से अपने आराध्य श्री राम लला सरकार के दर्शन करके लौट रहे थे। नारी, पुरुष, बच्चे बच्चियां किसी को नहीं छोड़ा गया। पेट्रोल डालकर उन्हें जिंदा जला दिया गया, विश्व के इतिहास में किसी भी राष्ट्र में अल्पसंख्यकों द्वारा बहुसंख्यक समाज का इस प्रकार निर्मम, क्रूर नरसंहार का कोई दूसरा उदाहरण हो तब बताएं अवश्य। और हां कृपया विचार करें कि उन्हें ज़िंदा जलाने के पहले क्या उनसे पूछा गया था कि वे अगड़ा, पिछड़ा या दलित हैं? याद रहे जुड़ेंगे तभी बचेंगे।'

राजा भैया ने कुंभ में हिंदू समाज की एकता को लेकर टिप्पणी की थी, जो वायरल हो गई थी। उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन की एक टिप्पणी पर कहा था कि जैसे हालात हैं, उसमें यदि १५ मिनट के लिए पुलिस हटा दी जाए तब सही में आधे हिंदू ही बचेंगे। उनका कहना था कि हिंदू समाज में शस्त्र रखने की परंपरा खत्म हो रही है और लोग अपनी रक्षा के लिए भी तैयार नहीं हैं।

जामा मस्जिद की नहीं होगी रंगाई-पुताई

प्रयागराज(ईएमएस): इलाहाबाद हाईकोर्ट में संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की गई, जिसमें मस्जिद कमेटी ने रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए फिलहाल मस्जिद की केवल सफाई की अनुमति दी है, लेकिन रंगाई-पुताई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी से कहा कि वे मंगलवार तक अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी। दरअसल, मस्जिद कमेटी की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी।

इस पर कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से रिपोर्ट पेश करने को कहा था। एएसआई ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंपते हुए बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या रंगाई आवश्यक हो।

दिल्ली विस में हेल्थ डिपार्टमेंट पर कैग रिपोर्ट पेश

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी कैग रिपोर्ट रखी। ७ पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एंबुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। आईसीयू की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की कम से कम २१ मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं है।

अस्पतालों में स्टाफ की कमी है। बड़े ऑपरेशन के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कोविड-१९ के दौरान केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जो रकम दी थी, उसका इस्तेमाल ही नहीं किया गया।

सीटों के परिसीमन को लेकर दक्षिण भारत के राज्यों में सियासत गर्माई

बेंगलुरु,(ईएमएस): लोकसभा सीटों का परिसीमन होने के बाद तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक समेत दक्षिण भारत के राज्यों की सीटें कम होने की आशंका जताई जा रही है। इसे लेकर राजनीति हलचल तेज हो गई है और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने राज्य के सभी दलों की बैठक बुलाई है।

कर्नाटक के सीएम एम सिद्धारमैया ने भी इसे लेकर केंद्र से गारंटी मांगी है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह की उस बात का जवाब दिया है, जिसमें शाह ने कहा था कि तमिलनाडु या फिर दक्षिण के किसी अन्य राज्य की सीटें कम नहीं होंगी। सिद्धारमैया ने कहा कि यदि २०२५ की जनगणना के मुताबिक ही परिसीमन हुआ तो फिर दक्षिण भारत के ५ राज्यों की सीटें कम हो जाएंगी।

पहले भी जनसंख्या के मुताबिक परिसीमन हुआ है और यदि इस बार भी वही फॉर्मूला अपनाया तो हमें नुकसान होगा। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से गारंटी मांगी कि १९७१ की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन कराया जाए। सिद्धारमैया ने कहा कि यह तथ्य है कि यदि वर्तमान जनसंख्या के मुताबिक परिसीमन किया गया तो फिर दक्षिण भारत के राज्यों को नुकसान होगा। इस अन्याय को रोकने के लिए परिसीमन १९७१ की जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि अमित शाह कहें कि १९७१ के आंकड़ों का ही प्रयोग किया जाएगा तो माना जा सकता है कि दक्षिण भारत के राज्यों को नुकसान नहीं होगा।

वहीं स्टालिन की ओर से जाहिर की गई चिंताओं पर जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा था कि दक्षिण भारत के किसी भी राज्य को सीटों का नुकसान नहीं होगा। स्टालिन की ओर से यह मुद्दा उठाया गया था और अब आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और कर्नाटक में भी यह जोर पकड़ रहा है। ऐसी कई रिपोर्ट्स आ रही हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि यूपी और बिहार की लोकसभा सीटें बहुत ज्यादा हो सकती हैं।

वहीं तमिलनाडु, आंध्र, कर्नाटक और केरल की सीटें या तो कम होंगी या फिर जस की तस ही रहेंगी। इसके चलते देश की राजनीति में साउथ का प्रतिनिधित्व कम होने की चिंता भी इन राज्यों को सता रही है।

सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई(ईएमएस): मुंबई ट्रैफिक पुलिस को व्हाट्सएप पर एक पाकिस्तानी नंबर से धमकी भरा संदेश मिला, जिसमें मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमले की चेतावनी दी गई थी। इस संदेश को भेजने वाले ने अपना नाम मलिक शाहबाज हुमायूं राजा देव बताया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने अलर्ट जारी कर जांच शुरू कर दी। इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए वर्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया और साइबर सेल को इसकी जांच सौंप दी गई है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि संदेश भारत से भेजा गया है या विदेश से।

इससे पहले भी महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। यह धमकी गोरेगांव और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन सहित कई सरकारी संस्थानों को भेजे गए ईमेल के जरिए दी गई थी। जांच में आरोपी को हिरासत में लिया गया और उसने कथित रूप से ईमेल भेजने की बात कबूल की।

इस मामले में आईटी एक्ट और सार्वजनिक शरारत सहित कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इन लगातार मिल रही धमकियों के कारण मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

एसबीआई के ग्राहक साइबर अपराधियों के रडार पर ?

मुंबई, (ईएमएस): देश में साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। बढ़ते साइबर अपराध से हर कोई चिंतित है। देश के विभिन्न भागों में सक्रिय अपराधी निर्दोष लोगों को ठगने के लिए अलग-अलग एवं नवीन हथकंडे अपना रहे हैं। सायबर अपराधी अब एसबीआई ग्राहकों को निशाना बना रहे हैं। इसके लिए ग्राहकों को एसबीआई रिवॉर्ड प्वाइंट्स भुनाने का लालच दिया जा रहा है। यदि आप एसबीआई ग्राहक हैं और कोई व्यक्ति आपसे एसबीआई रिवॉर्ड प्वाइंट्स प्राप्त करने के लिए फोन कॉल या मैसेज के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास कर रहा है, तो सावधान हो जाइए।

सरकार साइबर धोखाधड़ी को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न प्रयास कर रही है। लेकिन इससे बचने के लिए आपको खुद सतर्क रहना होगा। यूँ तो सरकार ने लाइव कॉलर ट्यून के जरिए जन जागरूकता शुरू की है। आरबीआई सहित विभिन्न बैंक भी लगातार निर्देश जारी कर रहे हैं। मगर इसके बावजूद ग्राहकों के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी जारी है। अगर आप भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि बैंक ने खुद अपने ग्राहकों के लिए अलर्ट जारी किया है। दरअसल, भारतीय स्टेट बैंक ने शुक्रवार को अपने ग्राहकों को एक संदेश भेजा है। इस संदेश के जरिए बैंक ने अपने ग्राहकों को सावधान रहने को कहा है। दरअसल एसबीआई ने शुक्रवार को एक संदेश भेजकर यह सुनिश्चित किया कि उसके ग्राहक साइबर अपराधियों के झांसे में न आएं। यह अपने ग्राहकों को टेक्स्ट संदेशों के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी करने के लिए अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रणनीतियों के बारे में चेतावनी देता है।

एसबीआई ने मैसेज में लिखा, प्रिय एसबीआई ग्राहकों, साइबर अपराधी मोबाइल फोन पर भेजे गए लिंक पर क्लिक करके या किसी भी नंबर पर कॉल करके एसबीआई रिवॉर्ड पॉइंट्स को रिडीम करने के लिए एसएमएस भेज रहे हैं। यह एक घोटाला है, ऐसे एसएमएस का जवाब न दें।

डिबेट के दौरान आईआईटी बाबा के साथ मारपीट

नोएडा (ईएमएस) : प्रयागराज महाकुंभ मेले से फेमस हुए आईआईटीयन बाबा के साथ डिबेट के दौरान मारपीट की खबर सामने आई है। आईआईटीयन बाबा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अपने साथ हुई आपबीती की कहानी बताई। मिली जानकारी के अनुसार आईआईटीयन बाबा नोएडा में एक निजी न्यूज चैनल में डिबेट के लिए आए थे। इसी दौरान उनके साथ बदसलूकी और मारपीट हुई। जिसके बाद बाबा पुलिस चौकी के बाहर धरने पर बैठ गए। हालांकि बाद में पुलिस ने उन्हें समझा-बुझा के वापस भेजा।

आईआईटीयन बाबा के साथ हाथापाई की यह घटना नोएडा थाना सेक्टर १२६ में हुई। मारपीट का आरोप लगाकर बाबा पुलिस चौकी के सामने बैठे। पुलिस कर्मियों ने किसी तरह आईआईटी बाबा को समझा बुझा के वापस भेजा। बाबा ने डिबेट में शामिल होने आए अन्य लोगों पर हाथापाई का आरोप लगाया।

सम्पदा न्यायालय, बोकारो इस्पात संयंत्र,

बोकारो

आम सूचना

सम्पदा न्यायाल्य, बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो द्वारा पारित आदेशों के आलोक में संदर्भित बेदखली आदेशों (Eviction Orders) के तहत अनाधिकृत दखलकारों को सूचित किया जाता है कि अनाधिकृत प्लॉट/भूमि एवं आवासों को शीघ्र खाली कर सम्पदा बकाया राशि का भुगतान कर दें, अन्यथा इन्हें बेदखली प्रक्रिया के तहत हटा दिया जाएगा और किसी भी तरह की क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। इस संदर्भ में अनाधिकृत प्लॉट/भूमि एवं आवासों की सूचि पूर्व में ही दिनांक 12.01.2025 तथा 20.02.2025 को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित की जा चुकी हैं। अनाधिकृत प्लॉट/भूमि एवं आवासों को खाली कराने का कार्य दिनांक 03.03.2025 से प्रारम्भ होगा।

आदेशानुसार
सम्पदा पदाधिकारी
बोकारो स्टील सिटी

दिनांक :- 28.02.2025

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

ई-नीलामी अनुसूची के लिए सूचना

विषयः अप्रैल-2025, मई-2025 एवं जून-2025 महीने के लिए ई-नीलामी की अनुसूची। अप्रैल-2025, मई-2025 एवं जून-2025 महीने में नीचे उल्लेखित ई-नीलामी की तारीख को नीलामी आयोजित करने का प्रस्ताव है।

क्रमांक; माह; नीलामी का प्रकार; तारीख; समय निम्नानुसार हैं: [1]; अप्रैल-2025; ई-नीलामी; 09/04/2025 (बुधवार), 17/04/2025(गुरुवार), 30/04/2025 (बुधवार); 10:00 बजे। [2]; मई-2025; ई-नीलामी; 08/05/2025 (गुरुवार), 16/05/2025 (शुक्रवार), 28/05/2025 (बुधवार); 10:00 बजे। [3]; जून-2025; ई-नीलामी; 06/06/2025 (शुक्रवार); 18/06/2025 (बुधवार), 26/06/2025 (गुरुवार); 10:00 बजे। विभिन्न प्रकार के वाहनों, क्रेन, मशीनों यानी लेथ, ड्रिलिंग/मिलिंग/बोरिंग, ट्रांसफॉर्मर, रेक्टिफायर, लौह एवं अलौह रद्दी यानी कॉपर, एल्युमीनियम इत्यादि की बिक्री के लिए ई-नीलामी हेतु ऊपर उल्लिखित तारीख, समय निर्धारित की गई है। अलौह रद्दी सिर्फ उन्हें बिक्री की जाएगी जो पर्यावरण एवं वन मंत्रालय/भारत सरकार/नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत हैं। हलफनामा के साथ पीएफए/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रत्येक फर्म के लिए एक मुश्त पंजीयन शुल्क **रुपये 10,000/-** (क्रेता द्वारा भारतीय रेल की ई-नीलामी से बोली लगाने के लिए अपना पंजीयन स्थाई रूप से वापस लेने का निर्णय लेने पर वापसयोग्य) होगा। ई-नीलामी की तारीख से पहले सामग्रियों का सूचीपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

[PR4/820] पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन

हमें अनुसरण करें : www.facebook.com/clwrailways

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड

(कोल इण्डिया लिमिटेड का एक अंग)

भु-सम्पदा पदाधिकारी का न्यायालय

कुसुण्डा क्षेत्र

एतद द्वारा सुचित किया जाता हैं कि परियोजना पदाधिकारी, ए.डी.आई.सी कोलियरी, कुसुण्डा क्षेत्र ने आपके विरूद्ध लोक परिसर पर अनधिकृत कब्जा का मुकदमा दायर है। आपको न्यायालय द्वारा (अनधिकृत दखल कारो की बेदखलि) अधिनियम 1971 की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन नोटिस दिया गया है। पुनः आपको सुचित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने अधिकृत प्रतिनिधि के द्वारा दिनांक 02.04.2025 को न्यायालय में उपस्थित हो कर कारण पृच्छा दे अन्यथा एक तरफा सुनवाई कर समुचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

क्र. स.	मुकदमा संख्या	प्रतिवादी का नाम	अतिक्रमण का विवरण	प्लाट संख्या	पता
1	149/2024	श्री बिनोद प्रसाद	कम्पनी आवास और जमीन	84, 85	नोर्थ भगतडीह कॉलोनी, धनसार ब्लाक सं.-02, आवास सं.-10 पो.-धनसार थाना-धनसार जिला-धनबाद

ह./- भू-सम्पदा पदाधिकारी
कुसुण्डा क्षेत्र संख्या-VI

मार्च में भीषण गर्मी की चेतावनी

नई दिल्ली(ईएमएस): इस साल मार्च में रिकॉर्ड गर्मी पड़ सकती है। इस दौरान तापमान ३८ से ४० डिग्री तक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च के दूसरे हफ्ते से दिन और रात का तापमान असामान्य रूप से बढ़ेगा। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि मार्च में अत्यधिक तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।

जेपीएससी प्रथम नियुक्ति घोटाला में सीबीआई ने 21 आरोपियों के खिलाफ मांगा गिरफ्तारी वारंट, लिस्ट में प्रथम टॉपर शालिनी विजय का भी नाम

रांची (एजेंसी): बहुचर्चित जेपीएससी प्रथम नियुक्ति घोटाला में सीबीआई ने २१ आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह कोर्ट से किया है।

सीबीआई ने इस संबंध में आवेदन दिया है, जिन आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है उसमें शालिनी विजय का भी नाम है। आरोपी शालिनी विजय की मौत केरल के कोच्चि में २१ फरवरी को हो गई थी। वो अपने भाई के घर में अपने भाई और मां के साथ मृत पाई गई थी।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने जेपीएससी नियुक्ति घोटाला की जांच २०१२ में शुरू की थी। १२ साल में जांच पूरी करते हुए सीबीआई ने विशेष कोर्ट में ७४ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इसमें से ४७ आरोपी प्रशासनिक पद पर काबिज है। चार्टशीट पर कोर्ट ने संज्ञान लेकर आरोपियों को समन जारी किया है। कोर्ट से समन जारी होने के बाद आरोपियों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। चार मई को आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप प्रसाद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीटेड १० आरोपियों को सीबीआई की अदालत ने अग्रिम जमानत देने से इंकार किया है।

इस मामले में सीबीआई ने जिन आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट का आग्रह किया है, उनमें हेमा प्रसाद, डॉ. विजय प्रसाद सिंह, परमानंद सिंह, डॉ. हरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. वीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. हरेंद्र नारायण चौधरी, राज महेश्वर राम शामिल हैं।वहीं, प्रदीप कुमार, चिंटू दोराई बुरू, सौरव प्रसाद, अनवर हुसैन, संदीप दुबे, शालिनी विजय, दीपू कुमार, पंकज कुमार, धीरेंद्र कुमार सिंह, भागीरथ प्रसाद, मोहम्मद जियाउल अंसारी, दिनेश कुमार रंजन, सागर कुमार और प्रेमलता मुर्मू के खिलाफ भी सीबीआई ने गिरफ्तारी वारंट का आग्रह किया है।

इस मामले में आरोपित जमशेदपुर के अधिकारी संतोष कुमार गर्ग समेत ज्योति कुमारी झा, सुषमा नीलम सोरेंग, सीमा सिंह एवं कामलेश्वर नारायण, रांची नगर निगम के पूर्व अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन समेत अलका कुमारी, परमेश्वर मुंडा और जितेंद्र मुंडा की याचिका पर अदालत अपना आदेश सुनाएगी।

मुख्यमंत्री से रिसालदार शाह बाबा कमेटी ने मुलाकात की, दरगाह को पर्यटन स्थल घोषित करने की मांग

रांची (एजेंसी): झारखंड लगातार पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। झील, झरने, पहाड़, नदियाँ और कई धार्मिक स्थल पर्यटन के अंतर्गत आते हैं।

इसी कड़ी में रांची के डोरंडा स्थित हज़रत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा दरगाह, जो १८०८ ई. से स्थापित है, यहाँ हर वर्ष देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हाजिरी लगाने आते हैं। दरगाह कमेटी ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर दरगाह को पर्यटन स्थल घोषित करने की मांग की। साथ ही, दरगाह परिसर के सौंदर्यीकरण को लेकर भी अनुरोध किया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कमेटी को आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में संबंधित मंत्री को निर्देश देंगे और दरगाह के सौंदर्यीकरण पर भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री को दरगाह आने का न्योता भी दिया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने दरगाह कमेटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी।

कमेटी ने मुख्यमंत्री को आगामी १६ मार्च से रमजान के महीने में लगने वाले 'ईद एक्सपो मेला' के उद्घाटन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर दरगाह कमेटी के सदर अयूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, रिजवान हुसैन, जुल्फिकार अली भुट्टो, खलीकुल गद्दी, अनीस गद्दी, शाहिद खान और समीर हेजाज़ी उपस्थित रहे।

बालिका स्कूल निर्माण की मांग को ले ग्रामीणों का धरना

बलियापुर (ससे) : बालिका मध्य विद्यालय बलियापुर के अति जर्जर भवन के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर बलियापुर के ग्रामीण एवं अभिभावकों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। शुक्रवार को जर्जर उक्त विद्यालय भवन के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बलियापुर प्रखंड व अंचल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। मालूम हो कि बालिका मध्य विद्यालय बलियापुर के अति जर्जर भवन में दुर्घटना की आशंका को देखते हुए शिक्षा विभाग ने ३ साल पूर्व बालिका मध्य विद्यालय के छात्राओं का पठन पाठन बोर्ड मध्य विद्यालय बलियापुर के विद्यालय भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। बालिका मध्य विद्यालय की छात्राओं का पठन-पाठन बोर्ड मध्य विद्यालय के तीन कमरों में किसी तरह चल रहा है। बालिका मध्य विद्यालय में प्रथम कक्षा से आठवीं कक्षा तक पढ़ाई होती है। ऐसी स्थिति में सभी छात्राओं का अध्यापन तीन कमरों में किस तरह होती है यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। बोर्ड मध्य विद्यालय में बालिकाओं का पठन-पाठन होने से छात्राओं को काफी दिक्कतें होती है। विद्यालय में छात्राओं की संख्या लगातार घटती जा रही है। धरनार्थी ग्रामीण एवं अभिभावकों ने चेतावनी दी है कि बालिका मध्य विद्यालय के अति जर्जर भवन का पुनर्निर्माण का कार्य जल्द शुरू नहीं किया गया तो ग्रामीण इसके विरुद्ध जोरदार आंदोलन चलाने को बाध्य होंगे। धरना आंदोलन में अजय कुमार सिन्हा, जितेंद्र दत्ता, राकेश गोराई, रिंकू देवी, जमुना देवी, चंदन देवी, रिंकी कुमारी, मंजू देवी, कोमल कुमारी, मिठू पंडित, बसंती देवी समेत काफी संख्या में ग्रामीण एवं अभिभावक थे।

डॉ. अंजिला गुप्ता बनीं कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. दिनेश सिंह को नीलांबर-पीतांबर विवि का कमान

जमशेदपुर (एजेंसी): झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति के पद पर रिक्तता को लेकर राज्य सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बीच, कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए कुलपति के पद पर डॉ. अंजिला गुप्ता की नियुक्ति की गई है। वहीं प्रो. दिनेश सिंह को नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी का कुलपति नियुक्त किया गया है। वर्तमान में जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति का जल्द ही पदभार संभालेंगी। राजभवन की ओर से नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है।

डॉ शुक्ला मोहंती रह चुकी हैं केयू की पहली महिला कुलपति

यह नियुक्ति न केवल कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है, बल्कि डॉ. गुप्ता को इस विश्वविद्यालय की छठी और दूसरी महिला कुलपति के रूप में इतिहास में जगह मिलेगी। इससे पहले, कोल्हान विश्वविद्यालय की चौथी और पहली महिला कुलपति डॉ. शुक्ला मोहंती रह चुकी हैं।

डॉ. अंजिला गुप्ता का अकादमिक सफर

डॉ. अंजिला गुप्ता जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की पहली कुलपति हैं, और उनका शैक्षिक अनुभव बहुत समृद्ध रहा है। इससे पहले, वे छत्तीसगढ़ के घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी की भी कुलपति रह चुकी हैं, जहां उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को नई दिशा दी। हालांकि, जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में डॉ. गुप्ता के कार्यकाल को लेकर कुछ विवाद भी सामने आए हैं। विशेष रूप से कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्ति, संविदा शिक्षक नियुक्ति, पीएचडी और बीएड एडमिशन में गड़बड़ी के मामलों की चर्चा रही है। इसके अलावा, रोस्टर नियमों की अनदेखी कर कुछ बहाली निकाले जाने के बाद उसे रद्द कर फिर से निकाला गया था। इन विवादों के बावजूद डॉ. गुप्ता का शैक्षिक योगदान अहम रहा है।

कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए आगामी दिशा

माना जा रहा है कि डॉ. अंजिला गुप्ता का कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति के रूप में कार्यकाल निश्चित रूप से विश्वविद्यालय के विकास के लिए एक नई दिशा में होगा। वे विश्वविद्यालय को शैक्षिक रूप से और बेहतर बनाने के लिए नए कदम उठा सकती हैं। साथ ही, महिला नेतृत्व के दृष्टिकोण से यह नियुक्ति एक सकारात्मक संदेश देती है। कोल्हान विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में डॉ. गुप्ता के अनुभव और नेतृत्व कौशल का लाभ छात्रों और विश्वविद्यालय कर्मचारियों को मिलेगा। उन्हें उम्मीद है कि वे विश्वविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करेंगी और छात्रों के लिए बेहतर अवसरों का सृजन करेंगी।

पेपर लीक और शैक्षणिक भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई की एबीवीपी ने रखी मांग

रांची (एजेंसी): अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गिरिडीह में हुई पेपर लीक की घटना में गिरफ्तार हुए युवक का एक समाचार पत्र द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से संबंध बताए जाने का कड़ा एतराज दर्ज कराती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शुरू से ही परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं का विरोध करती आई है।

एबीवीपी इसमें संलिप्त आरोपियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध रही है। ज्ञात हो कि झारखंड बोर्ड १०वीं की पेपर लीक की घटना होने के तुरंत बाद ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सभी जिला मुख्यालयों में जैक की विफलता के बाद सामान्य छात्रों से पुतला दहन का आह्वान किया था। गिरिडीह में भी सरकार और जैक अध्यक्ष के विरुद्ध परिषद कार्यकर्ता सामान्य छात्रों के साथ मिलकर पुतला दहन कर रहे थे, उसी समय उस स्थान पर कई अन्य संगठन भी सरकार और जैक अध्यक्ष के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे थे। उस प्रदर्शन में समाज के विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति सहित सामान्य छात्र-छात्राएं शामिल थे।

उक्त घटना पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रदेश के प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देती, न ही किसी अनुशासनहीन व्यक्ति को संरक्षण देती है। परिषद छात्र हित में अपने आंदोलनो में सामान्य छात्र छात्राओं को भाग लेने हेतु आह्वान करती है।

आंदोलन में शामिल प्रत्येक व्यक्ति परिषद का कार्यकर्ता नहीं होता और यह समझना अत्यंत आवश्यक है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पूरी घटना की निष्पक्ष जांच की मांग करती है और इस घटना में जो भी संलिप्त है उस पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। अभाविप कभी भी इस प्रकार की घटना को बढ़ावा नहीं देती है।

उन्होंने आगे कहा कि गिरिडीह में हुए उस आंदोलन में जिले भर के सामान्य छात्र-छात्राएं शामिल थे। संदिग्ध युवक का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से दूर-दूर तक किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है यदि वह इस घटना में आरोपी पाया जाता है तो सरकार को उस पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह इस पूरी घटना के निष्पक्ष जांच करे न कि विद्यार्थियों का ध्यान भटकाए। प्रदेश कार्यालय मंत्री रोहित देव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर ये जानकारी दी है।

सीपी सिंह की मंत्री इरफान अंसारी को चुनौती, कहा-15 लाख वाले बयान का प्रमाण दिखा दें, इस्तीफा दे दूंगा

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा सत्र के चौथे दिन विधायक सीपी सिंह ने मंत्री इरफान अंसारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के १५ लाख देने वाले बयान का प्रमाण सदन में दिखाने की चुनौती दी। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि अगर इरफान अंसारी इस बयान का सबूत सदन में पेश कर दें, तो वह अपने विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। वहीं, अगर इरफान अंसारी ऐसा साबित नहीं कर पाए तो उन्हें खुद इस्तीफा देना होगा।

वहीं, इसके बाद हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने राज्य सरकार के रोजगार के वादों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के १० लाख नौकरी देने के वादे को याद दिलाया, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। नवीन ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग में १७०० से अधिक पद खाली हैं। लेकिन अब अधिकांश परीक्षाओं के पेपर भी लीक हो रहे हैं, जिससे इन पदों को भरने में मुश्किलें आ रही हैं।

उन्होंने नगर पालिका सेनेटरी सुपरवाइजर पदों के मामले में भी सवाल उठाया, जहां ६०० से अधिक पदों के लिए वैकेंसी आयी थी। लेकिन इसके लिए जो शैक्षणिक योग्यता मांगी गई थी, वह यहां की शिक्षा व्यवस्था में उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यहां के युवाओं के लिए नौकरी पाना मुश्किल हो रहा है।

दोपहिया वाहनों का आतंक, यात्री परेशान

कतरासगढ़ (ससे) : स्टेशन पर इन दिनों टोटो और दोपहिया वाहन चालकों का आतंक बढ़ता जा रहा है। स्टेशन के मुख्य द्वार पर इन वाहन चालकों का आना-जाना लगातार जारी है, जहाँ वे बिना किसी रोक-टोक के इधर-उधर मटकते और मस्ती करते हुए देखे जाते हैं। इस कारण स्टेशन परिसर में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि यह स्थिति लगातार गंभीर हो रही है। अगर समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा में और भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। स्थानीय लोग और यात्री इस मुद्दे पर रेल पुलिस और प्रशासन से कार्रवाई की उम्मीद जताते हैं।

मैट्रिक के हिंदी और विज्ञान के री एग्जाम की तारीख जारी

रांची (एजेंसी): मैट्रिक परीक्षा के हिंदी और विज्ञान का पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी। जैक ने अब नई परीक्षा की तारीख जारी कर दी है। जैक के सचिव जयंत मिश्रा के हस्ताक्षर से जारी सूचना के अनुसार ७ मार्च को हिंदी - और हिंदी इ की परीक्षा होगी. वहीं ८ मार्च को विज्ञान विषय की परीक्षा सुबह ९:४५ से दोपहर १ बजे तक होगी।

कोतवाली थाना के दारोगा को -एसीबी ने 5 हजार घूस लेते किया गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): एसीबी ने रांची के कोतवाली थाना के एक दारोगा को पांच हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है। दारोगा एक व्यक्ति को मोबाइल थाना से छुड़ाने के नाम पर घूस मांग रहा था।

एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार आर्म्स एक्ट के एक आरोपी को कोतवाली थाना के द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान आरोपी का एक महंगा मोबाइल फोन भी थाना के द्वारा जब्त किया गया था। इस केस का आईओ ऋषिकांत ही था।

मोबाइल को थाना से छोड़ने के लिए दारोगा ऋषिकांत पीड़ित से पांच हजार रुपये मांग रहे थे। जिसके बाद आरोपी के भाई ने एसीबी से संपर्क किया।

पीड़ित के द्वारा पैसा मांगे जाने की लिखित शिकायत एसीबी में की गयी। जिसके बाद एसीबी ने मामले की जांच की, जिसमें दारोगा के ऊपर लगे आरोपों को सही पाया गया। जिसके बाद एसीबी ने शिकायतकर्ता को अपने द्वारा दिए गए पैसे लेकर दारोगा ऋषिकांत के पास भेजा।

इस बीच जैसे ही शिकायतकर्ता के द्वारा दारोगा को पांच हजार रुपये दिए गए। वहां पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने दारोगा को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

रांची में युवक ने फांसी से लटक कर की आत्महत्या, 2 मर्डर के आरोप में गया था जेल

रांची (एजेंसी): रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी रोड-१ में एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान सुमित वर्मा उर्फ टकला के रूप में हुई है। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने उसके कमरे में शव लटकता देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। लोगों का कहना है कि सुमित की हत्या की गयी है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। सुमित वर्मा पर २ हत्या के आरोप थे। उसने १७ साल की उम्र में अपने बचपन के दोस्त अंकुश शर्मा की बेरहमी से पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उसे गिरफ्तार कर पहले रिमांड होम और फिर बिरसा मुंडा जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद उसने अपने दूसरे दोस्त अविनाश कुमार की भी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। कुछ महीने पहले ही वह जेल से बाहर आया था। बताया जा रहा है कि उसका एक लड़की से प्रेम-प्रसंग भी था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेषांश

शिक्षकगण अपने कर्तव्यों के----

शिक्षकों को उपायुक्त रांची महोदय द्वारा सेवानिवृत्ति के दिन सभी लाभ दिए गए थे और यह कार्यक्रम भविष्य में भी जारी रहेगा। इस अवसर पर अवर सचिव शिक्षा, जिला शिक्षा अधीक्षक रांची, जिले के सभी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य कर्मीगण उपस्थित थे.

यूरोपीय आयोग की---

संबोधित कर कहा कि यूरोपीय संघ जापान और दक्षिण कोरिया के साथ अपनी साझेदारी की तर्ज पर भारत के साथ भविष्य में रक्षा समझौते की संभावना तलाश रहा है।

15 तक बीजेपी को---

कई बातों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार को सभी का समर्थन हासिल हो, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी शामिल है। साथ ही उम्मीदवार को संगठनात्मक मूल्यों से ओतप्रोत होना चाहिए। पार्टी जातिगत समीकरण, उत्तर-दक्षिण भाषा विवाद, परिसीमन और सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी को झटका लगा था, जिससे उसे सदन में पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था।

जेपी नड्डा ने २०१९ में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पार्टी की जिम्मेदारी संभाली थी। जनवरी २०२० में, उन्हें सर्वसम्मति से बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उन्होंने वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पदभार ग्रहण किया। लोकसभा चुनाव को देखकर उनका कार्यकाल जून २०२४ तक बढ़ा दिया गया था। मोदी सरकार में शामिल होने के साथ, पार्टी उनके उत्तराधिकारी के लिए संभावित उम्मीदवारों की तलाश कर रही है। लेकिन यह प्रक्रिया धीमी रही है, क्योंकि नेता इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन पार्टी किसी भी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने---

बच्चों से कहा कि वे इस डिजिटल जमाने में कहां खड़े हैं और दुनिया कहां पहुंच चुकी है उसका आकलन करते हुए आगे बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के होनहार बच्चों को विभिन्न माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आगे बढ़ सकें। आज जैक के साथ सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉपर्स को प्रोत्साहन राशि के साथ लैपटॉप और मोबाइल फोन दिया जा रहा है वहीं, राज्य सरकार अपने खर्चे पर यहां के गरीब और होनहार विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का मौका दे रही है। इसके अलावा अनेक ऐसी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़नी एवं उनके भविष्य को संवारने का काम हो रहा है ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सेवाओं के प्रभावित होने की बात बार-बार सामने आती है। डिजिटल कनेक्टिविटी की समस्या से तमाम प्रकार के कार्यों एवं सेवाओं में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे लोगों को काफी परेशानियां होती है। ऐसे में सरकार सभी पंचायतों में मोबाइल टावर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाएगी ताकि डिजिटल माध्यम से होने वाले सभी सरकारी कार्य सुचारू, सरल एवं सुविधाजनक तरीके से संचालित हो सके। इस अवसर पर मंत्री रामदास सोरेन, मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार , शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह एवं झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन मौजूद थे।

अब्दुल रहमान, मौलाना कलीमुद्दीन और अब्दुल सामी सबूत के अभाव में बरी, अलकायदा से जुड़े होने का था आरोप

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर की अदालत ने अलकायदा संदिग्ध अब्दुल रहमान कटकी, मौलाना कलीमुद्दीन और अब्दुल सामी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। इन तीनों को दिल्ली की स्पेशल टीम ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया था। कटकी को ओडिशा से, अब्दुल सामी को १८ जनवरी २०१६ को हरियाणा के मेवात से और मौलाना कलीमुद्दीन को एटीएस ने २०१७ में गिरफ्तार किया था। हालांकि, सामी और कटकी अभी जमशेदपुर के घाघीडीह जेल में बंद हैं और उन्हें कानूनी प्रक्रियाओं के तहत आगे की कार्यवाही पूरी करने के बाद ही रिहा किया जायेगा।

अब्दुल रहमान कटकी पर आरोप था कि वह अलकायदा के इंडियन सब-कांटीनेंट संगठन का सदस्य था और भारत में आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। आरोपों के अनुसार, वह युवाओं को संगठन में शामिल करने का प्रयास कर रहा था। २५ जनवरी २०१६ को पुलिस टीम ने उसके साथियों धतकीडीह के मसूद और मानगो के राजू उर्फ नसीम को भी गिरफ्तार किया था। मौलाना कलीमुद्दीन पर आरोप था कि वह अलकायदा संगठन में रहकर जेहाद और आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं को ट्रेनिंग देता था। इसके अलावा, वह संगठन द्वारा संचालित जेहादी प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं को भेजने का कार्य करता था। इन सभी आरोपियों के खिलाफ २०१६ में बिष्टुपुर थाने में इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार के बयान पर मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में १६-१६ गवाहों का परीक्षण अदालत में हुआ था। शुक्रवार को एडीजे वन की अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए तीनों आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। अधिवक्ता दिलीप महतो ने बताया कि अदालत में पेश किये गये साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले।

अफ्रीकी बल्लेबाज ने किया ऐलान

यह मेरा आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट है

कराची। कराची में इंग्लैंड के खिलाफ अपने अहम मुकाबले से पहले दक्षिण अफ्रीका के दाएं हाथ के बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि मौजूदा टूर्नामेंट संभवत: उनके क्रिकेट करियर का आखिरी बड़ा आइसीसी टूर्नामेंट होगा। शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में प्रतियोगिता के अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में प्रोटियाज का मुकाबला जोस बटलर की अगुआई वाली टीम से होगा। वैन डेर डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट हो। मैं यह किसी पूर्वधारणा के साथ नहीं कह रहा हूं कि मैं इसे खत्म कर दूंगा या प्रबंधन मेरे करियर को खत्म कर देगा। यह सिर्फ वास्तविकता है। इसके अलावा अनुभवी क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा और

एकमात्र लक्ष्य रहा है। वैन डेर डुसन ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा प्रोटियाज के लिए खेलना रहा है। लोग मुझसे पूछ रहे हैं, क्या आप इसके बाद लीग खेलेंगे? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि प्रोटियाज के लिए नहीं खेलने की संभावना खत्म हो जाएगी या नहीं, मुझमे लीग में खेलने की भूख बनी रहेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र लक्ष्य रहा है, इसलिए अगर यह लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। अगर मुझे दूसरा अनुबंध दिया जाता है, तो मैं निश्चित रूप से इसे स्वीकार करूंगा और उस अवधि के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम के युवा बल्लेबाजों (ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी जोरजी और मैथ्यू ब्रीट्जके) की प्रशंसा की जो वर्तमान में पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चल रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनके साथ भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि इतने सारे युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो वाकई अच्छा खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स या टोनी डी जोरजी जैसे खिलाड़ी किनारे पर बैठे हैं। अगर आप घरेलू ढांचे में भी जाएं, तो मैथ्यू ब्रीट्जके आए और उन्होंने 150 रन बनाए। आप इससे भी पीछे जा सकते हैं; तुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने यन-डे कप में वेस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ शतक बनाया। रयान [रिकेल्टन] वास्तव में अभी शुरुआत कर रहे है, इसलिए बहुत सारे अच्छे खिलाड़ी हैं।

मजाक में बोले वसीम जाफर

भारत को अबू धाबी और शारजाह में खेलना चाहिए था

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने मजाक में कहा कि भारत को अबू धाबी और शारजाह में खेलना चाहिए था और शायद चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में एक ही स्थान पर खेलने के आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए किसी दूसरे होटल में ठहरना चाहिए था। भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने सभी मैच एक ही मैदान, दुबई

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले हैं। पाकिस्तान के मुख्य कोच आकिब जावेद, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और कई अन्य लोगों का मानना ??है कि भारत के पास बहुत बड़ा फायदा था क्योंकि उन्हें पूरे टूर्नामेंट में बेस बदलने की जरूरत नहीं पड़ी। जाफर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारत के पास कोई विकल्प नहीं था।

जाफर ने कहा, आईसीसी को शारजाह में एक मैच और अबू धाबी में एक मैच आयोजित करना चाहिए था और शायद उन्हें दूसरे होटल में चेक इन करने की अनुमति देनी चाहिए थी। तब शायद यह मुद्दा नहीं उठता। भारत राजनीतिक कारणों और सरकार की भागीदारी के कारण पाकिस्तान नहीं जाना चाहता है - हर देश के पास यह विकल्प है।

प्राग मास्टर्स 2025

प्रज्ञानंद ने फिर से बाजी ड्रॉ खेली अरविंद ने कीमर को हराया

प्राग, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने यहां प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में तुर्की के गुरेल एडिज के खिलाफ अपनी बाजी ड्रॉ खेल कर लगातार दूसरे मैच में अंक बांटे जबकि अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया। पहले दौर में चैक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ अंक बांटने वाले अरविंद ने काले मोहरों के साथ अपनी पहली जीत हासिल की।अरविंद दस खिलाड़ियों के बीच राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। दूसरे दौर के अन्य मुकाबलों में दाई वान ने अमेरिका के सैम शैकलैंड के साथ, शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेई यी ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ और वियतनाम के क्वांग लीम ले ने चेक गणराज्य के नवारा डेविड के साथ अंक बांटे। अब जबकि टूर्नामेंट में सात दौर की बाजी खेली जाने बाकी हैं तब भारतीय खिलाड़ी अरविंद ने 1.5 अंक लेकर शैकलैंड के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। उनके बाद गिरि, लीम, दाई वान, डेविड, कीमर और प्रज्ञानानंद का नंबर आता है। एडिज और वेई यी अपने दो मैचों में आधे-आधे अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

डोपिंग प्रतिबंध के कारण सिनर का लॉरियस नामांकन रद्द

पेरिस, एजेंसी। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने घोषणा की है कि वह 2025 के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है।

यह निर्णय हाल ही में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा इतालवी खिलाड़ी पर लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है। नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में अकादमी ने बताया कि मामले से जुड़ी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, निलंबन ने सिनर के नामांकन को अयोग्य बना दिया। लॉरियस अकादमी द्वारा चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए जानिक सिनर का नामांकन वापस लिया जाता है। हमने इस मामले में संबंधित वैश्विक निकायों के निर्णयों का अनुसरण किया है और - यद्यपि हम इसमें सम्मिलित परिस्थितियों को देखते हैं - हमारा मानना है कि तीन महीने का प्रतिबंध नामांकन को अयोग्य बनाता है। जानिक और उनकी टीम को सूचित कर दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में, वाडा ने खुलासा किया कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद सिनर ने एक मामले के समाधान समझौते में प्रवेश किया था।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

इंग्लैंड को खून के आंसू रुलाने वाले बल्लेबाज जादरान को एडम जम्पा ने सस्ते में किया आउट

लाहौर (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान हसमतुल्लाह शाहिदी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप बी के मैच में शुक्रवार को यहां टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।दोनों टीम ने अपने अंतिम 11 में कोई बदलाव नहीं किया है। दोनों टीमों के बीच यह चचुंअल क्वार्टर फाइनल है। अफगानिस्तान या ऑस्ट्रेलिया में से जो भी टीम मुकाबला जीतेगी। वह सीधा सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी। इंग्लैंड के खिलाफ अफगानिस्तान की जीत के हीरो रहे इब्राहिम जादरान का बल्ला हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल नहीं पाया। उनको अनुभवी स्पिनर एडम जाम्पा ने सस्ते में आउट कर दिया। इसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने राहत की सांस ली होगी क्योंकि जादरान गजब की फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक शतक लगाते हुए 177 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के गेंदबाजों की जादरान ने जमकर धुनाई की। लेकिन जादरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।

जाम्पा ने यूं किया जादरान को आउट

दरअसल, अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की पारी का 14वां ओवर ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एडम जाम्पा डाल रहे थे। ओवर की तीसरी गेंद पर इब्राहिम जादरान स्ट्राइक पर थे। जादरान को जैम्पा ने बाहर की तरफ गेंद डाली, जो पड़ने के बाद बाहर की ओर ही स्पिन हुई। अगर जादरान गेंद को छोड़ते तो गेंद वाइड हो जाती। लेकिन उन्होंने उस पर दूर से शॉट खेलने का प्रयास किया। लेकिन जादरान गेंद को टाइम नहीं कर पाए और 30 यार्ड सर्कल में मार्नस लाबुशेन को कैच थमा बैठे। वह सिर्फ 22 रन बनाकर आउट हो गए।

मैच के लिए दोनों टीमें इस प्रकार

अफगानिस्तान-रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, राशिद खान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी।

ऑस्ट्रेलिया- मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड, स्टीवन स्मिथ (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल, बेन द्वारशुइस, नाथन एलिस, एडम जाम्पा, स्पेंसर जॉनसन।

सितंबर महीने में होने वाले टूर्नामेंट एशिया कप 2025 में भिड़ेंगी भारत-पाक टीमें

टी20 में 3 बार हो सकती हैं आमने-सामने

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो चुकी है। 23 फरवरी को भारत के खिलाफ दुबई में हुआ मुकाबला वह बुरी तरह से हार गई थी। अब खबर है कि भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर से टी20 फार्मेट टूर्नामेंट में आमने सामने होने जा रही है। उम्मीद है कि सितंबर महीने में होने वाले टूर्नामेंट में दोनों टीमें एक दूसरे के साथ कम से कम तीन मैच खेलेंगी। उक्त मुकाबला एशिया कप के तहत होगा जिसकी भारत मेहबानी करेगा। लेकिन नियमों के कारण यह मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर हो सकते हैं।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान आपस में 3 मैच खेल सकते हैं। इस टूर्नामेंट में कुल 19 मैच खेले जाएंगे। भारत-पाकिस्तान के राजनैतिक मतभेद को देखते हुए एसीसी ने पहले ही तय कर लिया है कि दोनों टीमों के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। बता दें कि इस टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। इन टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। ऐसा बताया जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान की टीमों को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा।

पृथ्वी शॉ और सपना गिल विवाद

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

मुंबई (एजेंसी)। गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के खिलाफ दर्ज एफआईआर खारिज करने से इनकार कर दिया। यह एफआईआर क्रिकेटर पृथ्वी शॉ से जुड़े एक मामले में दर्ज की गई थी। कोर्ट ने सपना को आरोपपत्र दाखिल करने के बाद रिहाई के लिए ट्रायल कोर्ट जाने पर विचार किया।

सहारा स्टार के मेंशन क्लब में 15 फरवरी, 2023 को हुई घटना तब शुरू हुई जब सपना के दोस्त शोभित ठाकुर ने रात करीब 1 बजे पृथ्वी शॉ के साथ

लगातार सेल्फी लेने के लिए कहा। उस समय शॉ अपने दोस्त आशीष सुरेंद्र यादव के साथ डिनर कर रहे थे। हालांकि शॉ ने उनकी बात मान ली।

एशले गार्डनर का अर्धशतक, गुजरात ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया

बेंगलूर (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में घरेलू टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को एकतरफा मुकाबला में हरा दिया है। यह सीजन में गुजरात की केवल दूसरी जीत है। वहीं, बेंगलुरु की 5 मैच में तीन हार के साथ हालत खराब हो गई है। मैच की बात करें तो बेंगलुरु ने पहले खेलते हुए कनिका आहुजा के 33, राघवी के 22 रनों की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी गुजरात ने कप्तान एशले गार्डनर के अर्धशतक की बदौलत आसानी से जीत हासिल कर ली। लीचफील्ड ने भी 30 रन बनाए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - 125-7 (20 ओवर)- बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही। ओपनर डेनियल व्हाइट महज 4 रन बनाकर डॉटिन की गेंद पर पगबाधा हो गई। इसके बाद एलिसा पैरी भी बिना खाता खोल

पवेलियन लौट गईं। स्मृति मंधाना आज खास नहीं कर पाई और 20 गेंदों पर 10 रन बनाकर आऊट हो गईं। मध्यक्रम में राघवी ने 22 तो कनिका अहुजा ने 28 गेंदों पर 33 रन बनाए। इस के बाद जॉर्जिया ने 20 तो किम गैरथ ने 14 रन बनाकर स्कोर 125 तक पहुंचाया। गुजरात की ओर से डॉटिन ने 31 रन देकर 2 विकेट लिए। तनुजा कंवर को भी 16 रन देकर 2 विकेट मिले।

गुजरात जायंट्स - 126-4 (16.3 ओवर)- गुजरात की शुरुआत भी धीमी रही। ओपनिंग पर बेथ मूनी के साथ दयालन हेमलता आई थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 25 रन जोड़े। दयालन 11 तो बेथ मूनी 17 रन ही बना पाई। हरलीन देओल ने केवल पांच रनों का योगदान दिया। इसके बाद क्रीज पर कप्तान एशले गार्डनर का जलवा देखने को मिला। एशले ने बेंगलुरु की गेंदबाजों को जमकर धोया और अपना अर्धशतक पूरा किया। गार्डनर ने 31 गेंदों पर 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 58 रन बनाए। अंत में लिचफील्ड (30) ने एक छोर संभाला और ताबड़तोड़ हिटिंग लगाते हुए टीम को जीत दिला दी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

आज सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच में संघर्षरत इंग्लैंड पर जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगा। ग्रुप ए से भारत और न्यूजीलैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं लेकिन ग्रुप बी से ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान इस दौड़ में शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने एक रोमांचक मुकाबले में आठ रन से जीत दर्ज करके न सिर्फ इंग्लैंड को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर किया बल्कि अंतिम चार में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को भी जीवंत रखा। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। इन दोनों टीम के अभी तीन-तीन अंक हैं जबकि अफगानिस्तान के दो अंक हैं। इंग्लैंड की टीम को अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा थोड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसकी टीम ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसके अधिकतर खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। दूसरी तरफ इंग्लैंड की टीम बल्लेबाजी में जो रूट पर जरूरत से ज्यादा निर्भर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम बारिश से प्रभावित टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक मैच खेल पाई है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था।

इस मैच में रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक जमाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद

अफगानिस्तान को 208 रन पर आउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम भले ही कागजों पर मजबूत नजर आती है और आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन पिछले एक साल में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 नवंबर मैच में से आठ में पराजय झेलनी पड़ी थी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि जोस बटलर की अगुवाई वाली टीम जीत के साथ अपने अभियान का अंत करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। रूट को छोड़कर इंग्लैंड का कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी लेकिन उसके अन्य बल्लेबाज फिर से अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। इंग्लैंड को अपने पहले मैच में गेंदबाजों की नाकामी के कारण ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार सामना करना पड़ा था।

टीमें:

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड। दक्षिण अफ्रीका- टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कार्बिन बॉश।

समय - दोपहर 2.30 बजे।

आसान फैसला नहीं है फ्रीलांसिंग शुरु करना

काम-काज की स्वतंत्रता और अच्छी कमाई के चलते आजकल बहुत से लोग अलग-अलग फील्ड्स में फ्रीलांसिंग को रोजगार के विकल्प में अपनाने लगे हैं। फ्रीलांसिंग शुरू करना बहुत आसान फैसला नहीं है। इसमें कई सारी बातों आपको ध्यान में रखनी होती है जो कि आपके स्वतंत्र करियर को बना या बिगाड़ सकती है। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है खुद को एनालाइज करना। अगर आपके मन में भी फीलांसिंग की इच्छा है तो पहले इन पांच सवालों के बारे में सोच लें।

- स्वतंत्र करियर बनाने की मात्र इच्छा है या आपके अंदर इसे लेकर पैशन है
- आपको क्यों लगता है कि कंपनी के पेरोल से बेहतर आप कर सकते हैं?
- आपके पास क्या सर्विसेस हैं और किसके लिए हैं?
- आपको कैसे इस बात में यकीन है कि आप यह कर पाएंगे?
- कोई भी नई शुरुआत धीरे-धीरे जोर पकड़ती है, क्या आपके पास तब तक सर्वाइव करने के लिए बैकअप अरेंजमेंट है?

इन पांचों सवालों के ईमानदारी से जवाब देकर आप कोई बड़ा कदम उठाने से पहले आश्वस्त हो सकते हैं। अनिश्चित आय-नौकरी से स्वतंत्र काम शुरू करने पर शुरुआत में कुछ मुश्किल हो सकती हैं। नौकरी की तरह आपकी आय निश्चित नहीं होगी। इसलिए यह जरूरी है कि पहले आप अच्छे से मनन-चिंतन कर आगे कदम बढ़ाएं ताकि आपको पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़े।

प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है प्रोडक्ट मैनेजमेंट

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई इसी फील्ड से निकलकर आज एक बड़ा नाम बन चुके हैं। बतौर प्रोडक्ट मैनेजर ऐसे लोग उपभोक्ता का मूड बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उनमें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग स्किल कमाल की होती है। यूं कहें कि इनकी देखरेख में ही नए-नए प्रोडक्ट बनते और लॉन्च होते हैं। यही वजह है कि कंपनियों के ब्रांड डेवलपमेंट विंग में इन दिनों यह जॉब इन डिमांड है।

करियर स्कोप

ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के वार्षिक सर्वे के मुताबिक विश्व भर के करीब 96 प्रतिशत नियोक्ताओं का भरोसा सिर्फ एमबीए ग्रेजुएट्स पर है। इनका मानना है कि ऐसे प्रोफेशनल्स की वजह से ही उनकी कंपनियों को सही वैल्यू मिलती है। करियर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्ट-अप सेक्टर में आए बूम और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की वजह से आने वाले दिनों में एंटरप्रेन्योर्स की तादाद और ज्यादा बढ़ेगी। इससे कंज्यूमर कंपनीज के मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन सेक्शन में प्रोडक्ट मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड पैदा होगी और यह हो भी रही है।

क्या है काम?

प्रोडक्ट मैनेजमेंट मुख्य रूप से प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है। यह मैनेजमेंट की ही एक शाखा है। इसके अंतर्गत किसी भी नए प्रोडक्ट के आइडिएशन और प्लानिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, ब्राइसिंग, पैकेजिंग, सेल्स एक्टिविटी और ब्रांडिंग जैसी तमाम प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर आम तौर पर दो तरह की जिम्मेदारियां निभाते हैं। पहला, कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस को बाजार में बनाए रखना और दूसरा, नए प्रोडक्ट या सर्विसेज विकसित करना। ऐसे प्रोफेशनल्स को कंज्यूमर रिसर्च और मार्केट रिसर्च की भी अच्छी समझ होती है। ब्रांडिंग वर्क इस पेशे का सिर्फ एक हिस्सा भर है। कंपनियों में प्रोडक्ट मैनेजर की हैसियत मिनी सीईओ जैसी होती है।

पर्सनल स्किल

कंपनियों में यह एक जिम्मेदारी भरा पद है। आइडिएशन और प्लानिंग इनके करियर का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को क्रिएटिव और इनोवेटिव सोच का होना जरूरी है। वे मैथ्स और फाइनेंस की अच्छी स्किल रखते हों। इंफॉर्मेशन फिल्टरिंग के लिए एनालिटिकल एबिलिटी होनी चाहिए। टीमवर्क, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल और मार्केट ट्रैंड की समझ भी जरूरी है।

आकर्षक ग्रोथ

प्रोडक्ट मैनेजमेंट भले ही नए दौर की जॉब है लेकिन यहां ग्रोथ बहुत है। पे-स्केल सर्वे के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को 10 साल के करियर में तीन से चार प्रमोशन आसानी से मिल जाते हैं। इस फील्ड की नियोक्ता कंपनियां एमबीए या बीटेक के बाद हायरिंग में कंसल्टिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स को ज्यादा तरजीह देती हैं। मार्केटिंग ग्रेजुएट और बीबीए उम्मीदवार भी मार्केटिंग असिस्टेंट या एसोसिएट ब्रांड मैनेजर के तौर पर यहां जॉब पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मुंबई/ चेन्नाई/ हैदराबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

जॉब के अवसर

अगर इस फील्ड में जॉब की बात करें, तो आईटी व आईटीईएस कंपनी, ऑटोमोबाइल कंपनी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, मोबाइल, फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर, फूड एंड पर्सनल केयर जैसी कंपनियों में जॉब की तलाश की जा सकती है। एचआर एक्सपर्ट्स की मानें, तो 2026 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 6 लाख हायरिंग होने की उम्मीद है।

कौन-से कोर्स?

देश में कई सरकारी और निजी संस्थान प्रोडक्ट मैनजमेंट से संबंधित कोर्स ऑफर कर रहे हैं। ये कोर्स एमबीए के अलावा, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के रूप में भी उपलब्ध हैं, जैसे पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड मटेरियल मैनेजमेंट आदि। कई आईटी संस्थानों में प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के रूप में भी ये कोर्स संचालित हो रहे हैं। अगर आप प्रोडक्ट मैनेजमेंट या ब्रांड मैनेजमेंट में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है।

सैलरी पैकेज

प्रोडक्ट मैनेजमेंट एक हाई पेइंग फील्ड है। एंट्री लेवल पर असिस्टेंट मैनेजर जैसे पदों के लिए 30 हजार से 50 हजार रुपए की सैलरी प्रति माह आसानी से मिल जाती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद बतौर प्रोडक्ट मैनेजर इनकी सैलरी 1 लाख रुपए से भी ज्यादा हो जाती है। डिप्लोमाधारी प्रोफेशनल्स को भी इस फील्ड में शुरुआती दौर में 25 से 50 हजार रुपए प्रति माह मिल जाते हैं।

युवाओं के लिए बेहतरीन करियर विकल्प ह्यूमन रिसोर्स

नए करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एक बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे एम्प्लॉई को हायर करना मुश्किल काम हो गया है, लेकिन एचआर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे लोगों को हायर करें, जो कंपनी या ऑर्गनाइजेशन के मिशन को पूरा करने में सहायक हों। साथ ही, ट्रेनिंग, सैलरी आदि को हैंडल करना भी इन्हीं के जिम्मे होता है। यही कारण है कि इन दिनों एचआर की जरूरत करीब-करीब हर इंडस्ट्री में है।

आमतौर पर देश के प्रमुख बिजनेस स्कूल ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। जैसे-एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स ऐंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट। इन कोर्सों में एडमिशन पाने के लिए जरूरी है कि स्टूडेंट्स किसी मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी संकाय में स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हों। इस कोर्स के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। अधिकतर सरकारी संस्थानों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, तर्क शक्ति अर्थात रीजनिंग, जनरल साइंस, जनरल नॉलेज आदि से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद जीडी और इंटरव्यू में हिस्सा लेना पड़ता है। इस प्रक्रिया के बाद ही एडमिशन हो पाता है।

स्किल्स

ह्यूमन रिसोर्स के फील्ड में सफल होने के लिए फैंडली पर्सनैल्टी का होना जरूरी है। सबसे खास बात यह कि एम्प्लॉई को हैंडल करने, यूनियन आदि से भी निपटने की काबिलियत के साथ-साथ प्रेशर में काम करने का गुण बेहद जरूरी है। एचआर की कम्युनिकेशन स्किल भी उम्दा होनी चाहिए, क्योंकि इनका काम टीम को एक साथ लेकर चलने के अलावा, एम्प्लॉई को मोटीवेट करना भी होता है। एचआर को कंपनी के कायदे-कानून के साथ-साथ नए ट्रेंड की भी जानकारी होनी चाहिए।

रोजगार के अवसर

एचआर के फील्ड में शानदार स्कोप है। चाहे कोई भी इंडस्ट्री हो या फिर बिजनेस, हर जगह इनकी मांग देखी जा रही है। दरअसल, इनका काम वर्क फोर्स को मैनेज करने से जुड़ा होता है। यही वजह है कि प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ गवर्नमेंट डिपार्टमेंट में भी इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन दिनों बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनी के साथ-साथ छोटी-छोटी कंपनियों में ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े पेशेवर लोगों की नियुक्ति की जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉर्पोरेट हाउस, मल्टीनेशनल कंपनी, एयरलाइंस, फैक्टरी, गवर्नमेंट डिपार्टमेंट आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है। ह्यूमन रिसोर्स आउटसोर्सिंग का क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में हॉट स्पॉट बनकर उभर रहा है। एचआर का कंपनी में एक महत्वपूर्ण स्थान होता है अतः इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने के बाद शुरुआत में लोगों को चार से सात लाख रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिलने लगता है।

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है।

कला में स्नातक होने के बाद कॅरियर के अपार अवसर

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते हैं कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर

कैरियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और रचनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार

पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर
- सोशल मीडिया मार्केटर
- सामग्री विपणक
- ईमेल मार्केटर
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने ट्रंप को राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया, न्यौता स्वीकार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बृहस्पतिवार को किंग चार्ल्स की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में स्टार्मर से मुलाकात के दौरान इस निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। स्टार्मर ने कहा कि ट्रंप को दूसरी बार राजकीय यात्रा का निमंत्रण देना ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है, क्योंकि उन्हें यह सम्मान पहले भी मिल चुका है।

मैक्सिकन ड्रग माफिया राफेल कैरो क्विंटेरो अमेरिका प्रत्यर्पित

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको ने ड्रग माफिया राफेल कैरो क्विंटेरो को अमेरिका प्रत्यर्पित किया है, जो 1985 में अमेरिकी डीईए एजेंट की हत्या के पीछे था। उसे अमेरिका सरकार द्वारा अनुरोधित 28 कैदियों के साथ अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। एक मैक्सिकन अधिकारी ने बृहस्पतिवार को नाम न बताने की शर्त पर कैरो क्विंटेरो के प्रत्यर्पण की पुष्टि की। मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बृहस्पतिवार को प्रत्यर्पित किए गए 29 कैदियों पर अन्य अपराधों के अलावा ड्रग तस्करी से संबंधित आरोप हैं। मैक्सिको की सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सभी मैक्सिकन आयातों पर 25त्न टैरिफ लगाने की धमकी को टालने की कोशिश कर रही है, जिसे अगले सप्ताह लगाया जा सकता है।

रोमानिया में दुष्कर्म-तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे एंड्रयू टेट अमेरिका पहुंचे

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया में मानव तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे प्रभावशाली भाई एंड्रयू और ट्रिस्टन टेट बृहस्पतिवार को अमेरिका पहुंचे। अधिकारियों ने इन पर लगे यात्रा प्रतिबंध हटा दिए हैं। दोनों भाइयों के ऑनलाइन लाखों अनुयायी हैं। ये भाई फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में दोपहर के करीब पहुंचे। एंड्रयू और ट्रिस्टन टेट, जो अमेरिकी-ब्रिटिश नागरिक हैं, को 2022 के अंत में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि वे एक आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं, जो महिलाओं को रोमानिया में फुसलाकर लाता था, जहां उनका यौन शोषण होता था। एंड्रयू टेट पर दुष्कर्म का भी आरोप है, लेकिन वे सभी आरोपों से इनकार करते हैं।

आठ दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगी बेल्जियम की राजकुमारी

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड शनिवार को आठ दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगी। इस दौरान वह एक उच्चस्तरीय आर्थिक मिशन का नेतृत्व करेंगी। इसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य, विज्ञान, परिवहन और रसद के प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना है। बेल्जियम के राजदूत डिडिएर वेंडरहासेल्ट ने कहा कि मिशन का फोकस कई क्षेत्रों में भारत-बेल्जियम आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करना होगा। मिशन में बेल्जियम की प्रमुख कंपनियों सहित 326 आधिकारिक प्रतिनिधि और उद्योग विशेषज्ञ शामिल होंगे।

आईईसी ने बुजुर्ग देखभाल रोबोट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक जारी किया

बीजिंग, एजेंसी। हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग (आईईसी) ने आधिकारिक तौर पर बुजुर्ग देखभाल रोबोट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक जारी किया, जिसका नेतृत्व चीन ने किया। यह मानक वैश्विक बुजुर्ग देखभाल रोबोट उद्योग के स्वस्थ विकास का नेतृत्व करेगा। गुरुवार को चीनी राज्य बाजार विनियमन प्रशासन से यह जानकारी मिली। जानकारी के अनुसार, यह मानक दैनिक जीवन और स्वास्थ्य देखभाल जैसे विभिन्न पहलुओं में बुजुर्गों की जरूरतों और विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करता है और बुजुर्ग देखभाल रोबोटों के लिए स्वास्थ्य स्थिति और आपातकालीन निगरानी सेवाएं भी प्रदान करता है। इस मानक के जारी होने और कार्यान्वयन से बुजुर्ग देखभाल रोबोट के निर्माताओं को बुजुर्गों की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक विशेषताओं और जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने, बुजुर्ग देखभाल रोबोट उत्पादों को डिजाइन और विकसित करने और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मार्गदर्शन मिलेगा।

ईद पर न खरीदें भेड़, दावत और कुर्बानी से बचें, मुस्लिम देश मोरक्को ने अपने लोगों से की अपील

मोरक्को एजेंसी।
उत्तर अफ्रीकी देश मोरक्को भेड़ों की कमी से जूझ रहा है। 29 वर्षों में पहली बार मोरक्को में लोगों से छुट्टियों में दावत न करने की सलाह दी गई गई। भेड़ों की कमी की वजह से मोरक्को के राजा मोहम्मद ने परंपरा से हटकर लोगों से ईद-उल-अजहा पर भेड़ नहीं खरीदने की अपील की है।

इस्लामी मामलों के मंत्री अहमद तौफीक ने कहा कि आर्थिक और जलवायु संबंधी चुनौतियों के कारण मोरक्को के लोग कुर्बानी और भोज से वंचित हैं। महंगाई की वजह से लोगों से कुर्बानी और दावत से बचने की भी सलाह दी गई है।

परिस्थितियों को स्वीकारना देश का कर्तव्य: सरकारी अल औला टेलीविजन पर मंत्री अहमद तौफीक ने राजा का पत्र पढ़ा। इसमें कहा गया कि पशुधन की कमी की वजह से देश में भेड़ों की कीमतें आसमान छू रही हैं। यह देश का कर्तव्य है कि इन परिस्थितियों को स्वीकार करे। अगर इन कठिन परिस्थितियों में भी भेड़ों को खरीदा गया तो देश के एक बड़े हिस्से का नुकसान होगा। खासकर उन लोगों को जिनकी आय सीमित है। बता दें कि इस बार ईद-उल-अजहा जून महीने में है। इस

त्योहार में कुर्बानी देने की परंपरा है।

मासिक आय से महंगी भेड़ें: मोरक्को में भेड़ों की कीमतों में बेतहाशा इजाफा हुआ है। मोरक्कन सेंटर फॉर सिटिजनशिप के सर्वे के मुताबिक देश के 55 फीसदी परिवारों ने माना है कि उन्हें भेड़ और उन्हें तैयार करने के लिए जरूरी बर्तन खरीदने में भारी संघर्ष करना पड़ा है। मोरक्को में 302 डॉलर औसत मासिक घरेलू आय है। कई बार एक भेड़ की कीमत इससे भी अधिक हो जाती है। पिछले छह साल से उत्तरी अफ्रीका सूखे की चपेट में है। इसकी वजह से मुद्रास्फीति में इजाफा हुआ है। चरागाहों के कम होने की वजह से भी भेड़ों की कीमतों में उछाल आया है। मोरक्को के कृषि मंत्री के मुताबिक इस मौसम में बारिश पिछले 30 वर्षों के वार्षिक औसत से 53 प्रतिशत कम हुई है। वहीं भेड़ और मवेशियों के झुंड 2016 से 38 प्रतिशत कम हो गए हैं। हाल ही में मोरक्को ने पशुओं पर लोगों को सब्सिडी दी।

राजा हसन द्वितीय ने जारी किए थे तीन आदेश: 29 साल में पहली बार राजा ने देशवासियों को त्योहार में दावत न करने की सलाह दी है। इससे पहले राजा हसन द्वितीय ने अपने शासनकाल में तीन बार इसी तरह के आदेश जारी किए थे। देश के ट्रेड यूनियनों और कार्यकर्ता समूहों ने बुनियादी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हो रही वृद्धि का विरोध किया।

पत्नी को नहीं पसंद आई 27 लाख की लग्जरी कार, पति ने कूड़े में फेंकी

मास्को एजेंसी। रूस के माइटिश्ची में एक पति ने अपनी पत्नी को सरप्राइज देने के लिए एक 27 लाख रुपये की कार खरीदी, लेकिन यह उपहार उसके लिए उल्टा पड़ गया। पति ने वैलेंटाइन डे पर अपनी पत्नी को एक पोर्श मैकन कार देने का फैसला किया, लेकिन मामला बिगड़ गया। पति ने इस कार को अपनी पत्नी के लिए लिया था ताकि उनके खराब रिश्ते को सुधार सके। वह चाहता था कि अपनी पत्नी को इस कार के जरिए सरप्राइज दें और उन्हें खुश करें। हालांकि, यह कार नई नहीं थी और पहले ही एक्सीडेंट हो चुकी थी, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई थी। पति ने इस कार को ठीक करवाने का इरादा किया था, ताकि 8 मार्च को महिला दिवस पर इसे पत्नी को भेंट दे सके। लेकिन उसने 14 फरवरी को ही यह कार पत्नी को देने की कोशिश की। जब पत्नी ने देखा कि यह कार पुरानी और टूटी-फूटी है, तो उसने इसे अस्वीकार कर दिया और खुद को अपमानित महसूस किया। इसके बाद पति ने गुस्से में आकर कार को एक कूड़ेदान में फेंक दिया। कूड़ेदान में खड़ी इस कार को देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए और यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बन गया। लोग इस कार को देखने और सेल्फी लेने के लिए कूड़ेदान के पास पहुंच रहे हैं। अब 15 दिन से ज्यादा हो गए, लेकिन यह कार वहीं पड़ी हुई है और इसकी भविष्यवाणी को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। यह घटनाक्रम इस बात का प्रतीक बन गया कि कभी-कभी अच्छे इरादे भी गलत दिशा में जा सकते हैं।

खूंखार विदेशी कुत्ते ने किया अटैक! मां ने लूटी डाली ममता, खून से लथपथ होकर लड़ती रही

मास्को एजेंसी।
रूस में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां एक मां ने अपने पांच साल के बच्चे को एक खतरनाक रॉटवीलर कुत्ते के हमले से बचाने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना खुद को ढाल बना लिया और अपनी ममता लूटा डाली। यह भयावह घटना एक राहगीर द्वारा कैमरे में कैद की गई और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक मां बर्फीले रास्ते पर अपने बेटे को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है जबकि पास में खतरनाक रॉटवीलर कुत्ता खड़ा है। कुत्ता बुरी तरह से भौंक रहा था और मां अपने शरीर से बेटे को ढकने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान मां को गंभीर चोटें आईं लेकिन वह बेटे को बचाने के लिए बिना थके संघर्ष करती रही और मदद के लिए चिल्लाती रही। इस घटना का वीडियो एक राहगीर ने अपनी कार से रिकॉर्ड किया जिसमें बर्फ पर खून के धब्बे भी दिखाई दे रहे थे। कुत्ते के गले में पट्टा बंधा था, और वह किसी शख्स के पास खड़ा था जो फावड़ा पकड़े हुए था। इस दौरान मां ने पूरी ताकत से बच्चे को बचाने की कोशिश की और अपने शरीर से उसे सुरक्षा देने की पूरी कोशिश की।

इस हमले में मां को गंभीर चोटें आईं और उनकी हड्डी भी फ्रैक्चर हो गई लेकिन खुशी की बात यह रही कि उनका बच्चा पूरी तरह से सुरक्षित बच गया। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मामले की छानबीन जारी है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने मां की बहादुरी की जमकर सराहना की। लोगों ने उसे सच्ची नायिका कहा और उसके साहस की तारीफ की। वहीं कुछ यूजर्स ने रॉटवीलर जैसी खतरनाक नस्ल के कुत्तों के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने की मांग की ताकि इस तरह के हमले रोके जा सकें। वहीं कुछ लोगों ने कुत्ते के मालिकों की जिम्मेदारी तय करने की बात भी कही।

पाकिस्तान में करोड़पति भिखारी परिवार!, एमबीबीएस बहू ने सास-ससुर के काले धंधे का खोला राज; सच्चाई सुनकर रह जाएंगे दंग

इस्लामाबाद एजेंसी।
सड़क पर भीख मांग रहे लोगों पर अक्सर हमें दया आ जाती है। दया भाव से हमें उनकी मदद के लिए कभी पैसे तो कभी खान-पान की कुछ वस्तुएं भेंट कर देते हैं। ज्यादातर भिखारियों के पास दो जून की रोटी जुटाने में असमर्थ होते हैं, लेकिन पाकिस्तान में एक भिखारी फैमिली ऐसी है, जिनके पास करोड़ों की संपत्ति है।

पाकिस्तान में इस करोड़पति भिखारी फैमिली का खुलासा उनके घर के एक सदस्य ने किया। दरअसल, एमबीबीएस ग्रेजुएट लड़की की शादी एक परिवार में हुई। शादी से पहले उसके माता-पिता को जरा भी भनक नहीं था कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे परिवार में हो रही है, जिनके सदस्य भीख मांगते हैं। लड़की के माता-पिता ने देखा कि उनकी बेटी के ससुरालवालों के पास अपार संपत्ति है। आलीशान घर है। लैंड क्रूजर और फॉर्चुनर जैसी महंगी गाड़ियां है।

पाकिस्तान यूट्यूबर सैयद बासित अली ने एमबीबीएस ग्रेजुएट इस युवती से बातचीत की। लड़की ने बताया कि उसकी शादी एक अमीर परिवार में हुई थी, जिसके पास करोड़ों का घर और

सभी आधुनिक सुविधाएं थीं। पहले पांच से छह महीने तक तो सब कुछ सही लगता था। हालांकि, उसके जीवन में एक नाटकीय मोड़ तब आया जब उसने देखा कि परिवार के सभी सदस्य लैंड क्रूजर और फॉर्चुनर जैसी लग्जरी कारों में एक साथ चले जाते हैं। एक दिन जिज्ञासावश, उसने अपने परिवार वालों का पीछा किया तो वह पूरी तरह हैरान रह गई। उसने देखा कि ससुराल वाले पेशेवर मेकअप के साथ भिखारियों का वेश धारण किए हुए थे। उनके हाथों में कटोरा था। वो अलग-अलग जगहों पर जाकर लोगों से भीख मांगते थे। उन्होंने एक मेकअप आर्टिस्ट भी भाड़े पर ले रखा था। वो उन्हें विकलांग या बेसहारा व्यक्तियों में बदल देता था। कुछ लोग अपंग होने का नाटक करते थे।

चीन के बर्फीले पहाड़ों में 10 दिन तक फंसा रहा युवक, टूथपेस्ट खाकर बचाई जिंदगी

बीजिंग एजेंसी।
चीन के शांक्सी प्रांत में स्थित विवनलिंग पर्वत श्रृंखला में एक युवक 10 दिन तक फंसा रहा। इस दौरान उसे कड़ाके की सर्दी, खाने की कमी और शारीरिक चोटों का सामना करना पड़ा। युवक ने अपनी जान बचाने के लिए टूथपेस्ट खाकर जिंदा रहने की कोशिश की। आखिरकार, एक रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उसे बर्फीले पहाड़ों से सुरक्षित निकाला गया।

सोलो हाइकिंग के दौरान हुई परेशानी

यह घटना 8 फरवरी को हुई जब 18 साल का युवक, सुन लियांग, शांक्सी प्रांत के विवनलिंग पर्वत श्रृंखला की ओर सोलो हाइकिंग (एकल यात्रा) पर निकला। यह इलाका अत्यंत दुर्गम और बर्फीला है, जहां वनस्पतियों से ढकी ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं हैं। सुन के पास कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण थे, लेकिन बैटरी खत्म हो जाने के बाद वह

अपने परिवार से संपर्क नहीं कर सका।

सर्दी और चोट के बीच संघर्ष: सुन लियांग ने पर्वत पर चढ़ाई करते वक्त फिसलकर अपना दाहिना हाथ फ्रेक्चर कर लिया। इस मुश्किल वक्त में उसने चट्टान के पीछे सूखी घास और पत्तियों से बिस्तर बना लिया। खाने का सामान भी खत्म हो चुका था और सर्दी इतनी कड़ी थी कि उसे अपनी जान बचाने के लिए टूथपेस्ट तक खानी पड़ी।

सुन के परिवार ने उसे ढूंढने के लिए प्रशासन से मदद मांगी। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने विवनलिंग पर्वत पर आग लगाई ताकि धुआं देखकर सुन को मदद के लिए पुकारने का मौका मिल सके। जब धुआं देखा, तो सुन ने मदद के लिए शोर मचाया और उसे बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। यह पर्वत श्रृंखला पिछले दो दशकों में कई ट्रैकर्स के लिए मौत का कारण बन चुकी है। 50 से अधिक लोग इस इलाके में लापता हो चुके हैं या मारे जा चुके हैं। प्रशासन ने 2018 में इस क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन फिर भी कई लोग यहां ट्रैकिंग करते हैं। बताया जा रहा है कि सुन लियांग इस खतरनाक इलाके से बचाया गया पहला व्यक्ति है।

चीन ने तिब्बत पर कसा शिकंजा नेपाल सीमा पर लगाया सख्त पहरा, जान बचाकर भागना भी मुश्किल

बीजिंग एजेंसी। चीन ने तिब्बत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा और कड़ी कर दी है, जिससे तिब्बती शरणार्थियों के नेपाल और भारत भागने का रास्ता लगभग बंद हो गया है। तिब्बती भाषा, संस्कृति और धर्म पर लगातार दमन की नीति अपनाते हुए चीन अब तिब्बतियों को जबरन चीनी पहचान में ढालने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने नेपाल के कोराला बॉर्डर क्रॉसिंग प्वाइंट को हाई-टेक निगरानी क्षेत्र में तब्दील कर दिया है। पहले यहां मस्तंग के स्थानीय निवासियों को विशेष पास के जरिए आने-जाने की अनुमति थी, लेकिन अब चीन ने इस इलाके में एक पूरा नया शहर बसा दिया है, जिससे नेपाल में प्रवेश बिना चीनी अनुमति के असंभव हो गया है। नेपाल ने भी अपने इलाके में नए इमिग्रेशन प्वाइंट बना दिए हैं, जिससे तिब्बती शरणार्थियों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित हो गई है।

नेपाल-तिब्बत के बीच लगभग 4,000 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें कुल 14 बॉर्डर क्रॉसिंग प्वाइंट हैं। चीन ने अपर मस्तंग के कोराला बॉर्डर पर नए कस्टम केंद्र, क्वारंटाइन सेंटर, पार्किंग सुविधाएं, होटल और निगरानी चौकियां बनाई हैं। इसका मुख्य उद्देश्य तिब्बती शरणार्थियों को भागने से रोकना और तिब्बती बौद्ध मठों की गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखना है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा निर्वासन में भारत में रह रहे हैं और तिब्बती संस्कृति व धर्म को बचाने के प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने तिब्बती भिक्षुओं को धर्म ग्रंथों का गहराई से अध्ययन करने की सलाह दी थी।

बांग्लादेश में फिर आने वाला राजनीतिक भूचाल! हसीना के बाद अब यूनुस को सत्ता से खदड़ने का प्लान, विद्रोही छात्र करेंगे राज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता नए मोड़ पर पहुंच गई है। जिस छात्र समूह ने पिछले साल शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर किया था, अब वही समूह एक नया राजनीतिक दल बनाने जा रहा है। इस कदम का मकसद बांग्लादेश को एक आधुनिक और स्वतंत्र विदेश नीति वाला देश बनाना है। इस बीच, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को झटका लगा है, क्योंकि उनके प्रमुख सहयोगी नाहिद इस्लाम ने इस्तीफा दे दिया है। जतियो नागोरिक समिति के प्रवक्ता सामंता शेरमीन ने घोषणा की कि जल्द ही एक नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च की जाएगी। इस पार्टी का औपचारिक शुभारंभ ढाका के माणिक मिया एवेन्यू में एक भव्य रैली के साथ किया जाएगा। शेरमीन के अनुसार, मौजूदा राजनीतिक दल जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहे हैं, इसलिए एक नया राजनीतिक विकल्प जरूरी हो गया है। बीते 53 वर्षों में बांग्लादेश की संस्थाओं को कमजोर कर दिया गया है और सत्ता का उपयोग व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता रहा है। उनका दावा है कि अब वक्त आ गया है कि देश में लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों को पुनर्जीवित किया जाए। बांग्लादेश में पिछले साल आरक्षण नीति के खिलाफ शुरू हुआ।

अप्रवासी भारतीयों के बाद ट्रंप के निशाने पर ट्रांसजेंडर सैनिक

वाशिंगटन, एजेंसी।
मोरक्को अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के बाद से सेना में ट्रांसजेंडर सैनिकों के लिए एक नया संकट खड़ा हो गया है। पेंटागन ने आदेश दिया है कि 30 दिनों के भीतर ट्रांसजेंडर सैनिकों का पता लगाया जाए और उन्हें सेना से निकाल दिया जाए। इस आदेश के तहत पेंटागन ने 26 मार्च 2025 तक जेंडर डिस्फोरिया (लिंग पहचान की समस्या) से पीड़ित सैनिकों को पहचानने और उन्हें सेना से निकालने की प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया है।

यह आदेश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में जारी एक कार्यकारी निर्देश पर आधारित है जिसमें ट्रांसजेंडर्स को सेना में सेवा देने से प्रतिबंधित किया गया था। इस नीति को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन अब पेंटागन ने इसे लागू करने के लिए कदम उठाए हैं।

अनुमान है कि सेना में वर्तमान में 4,200 ट्रांसजेंडर सैनिक सक्रिय हैं। ये सैनिक अपने मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर पहचाने जा सकते हैं जो कुल 2.1 मिलियन सक्रिय सैनिकों का एक छोटा हिस्सा है। पेंटागन के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि जेंडर डिस्फोरिया से पीड़ित सैनिकों को सेना के मानसिक और शारीरिक मानकों को पूरा नहीं करना चाहिए। इसी कारण उन्हें सेना से बाहर निकाला जाएगा। हालांकि ट्रांसजेंडर सैनिकों का कहना है कि यह नीति उनके साथ शत्रुता का व्यवहार करती है और उन्हें असमान मानती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह नीति उनके मानवीय अधिकारों का उल्लंघन करती है और उन्हें समाज में शर्मिंदा करती है।

मानवाधिकार अभियानों में कानूनी मामलों की उपाध्यक्ष सारा वारबेलो ने कहा कि इस नीति के तहत ट्रांसजेंडर सैनिकों पर दबाव डाला जा रहा है। उन्हें अपनी पहचान उजागर करने की आवश्यकता होगी जिससे उनकी निजता का उल्लंघन होगा। उदाहरण के लिए अगर कोई महिला ट्रांसजेंडर सैनिक है तो उसे अपने पुरुष साथी सैनिकों के सामने महिला होने का दावा करना पड़ेगा। यह सैनिकों के लिए एक कठिन स्थिति पैदा करता है क्योंकि उन्हें अपनी पहचान को लेकर तनाव और डर महसूस हो सकता है।

मेडिकल रिकॉर्ड से होगी पहचान: अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार अनुमान है कि करीब 600 ट्रांसजेंडर सैनिक नौसेना में हैं, जबकि सेना में लगभग 300 से 500 ट्रांसजेंडर सैनिक हो सकते हैं। इन सैनिकों को मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर पहचाना जाएगा। इसके बाद उन्हें सेना से बाहर निकाला जाएगा जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश में बताया गया है।

वहीं इस नीति के बाद ट्रांसजेंडर सैनिकों की स्थिति और अधिकारों पर सवाल खड़े हो गए हैं। कई अधिकार समूहों ने इसे भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक बताया है और इसकी आलोचना की है। अब देखना यह है कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लिए गए आदेश को लागू करने पर क्या प्रतिक्रिया होती है और क्या यह न्यायिक रूप से चुनौती पाता है।

श्री कृष्ण बंसी बजाते थे या मुरली?

श्री कृष्ण के स्वरूप का ध्यान किया जाए तो सबसे पहले जो नजर आएगा वह है शीश पर मोरपंख और हाथों में बंसी। श्री कृष्ण को बंसी बजाना प्रिय था क्योंकि राधा रानी को बंसी की धुन अच्छी लगती थी। बंसी बजाने के कारण ही श्री कृष्ण का एक नाम बंसी बजैया भी पड़ा। इसके अलावा, ऐसा भी माना जाता है कि अपनी मुरली की धुन से श्री कृष्ण सबका मन मोह लेते थे, इसलिए उन्होंने मुरली मनोहर भी कहा जाता है।

अक्सर श्री कृष्ण से जुड़े श्लोकों या भजनों में भी उनकी लीला को दर्शाते हुए उन्हें बंसी, बांसुरी या मुरली बजाने वाले के रूप में अंकित किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि बंसी, बांसुरी और मुरली अलग-अलग हैं। ऐसे में अब 2 सवाल उठते हैं- पहला यह कि श्री कृष्ण क्या बजाते थे बंसी, बांसुरी या मुरली और दूसरा सवाल ये कि तीनों में अंतर क्या है।

श्री कृष्ण द्वारा बजाई जाने वाली बंसी, बांसुरी और मुरली में क्या है अंतर?

बांसुरी के ऊपरी हिस्से में अरहर, सेमल जैसी लकड़ियों की डाट लगी होती है। इसी डाट के माध्यम से इसे ऊपरी सिरे से बजाया जाता है। इसमें 6 सुराख होते हैं, यानी 6 प्रकार के सुर होते हैं।

बांसुरी के परिवार के एक रूप बंसी में भी 6 सुराख होते हैं। हालांकि, इसका वादन शौकिया तौर पर किया जाता है। इसके अलावा, पेशेवर एवं घराना परंपरा के लोग भी बांसुरी वादन करते हैं।

वहीं, मुरली के बारे में बताएं तो मुरली में 7 सुर होते हैं। श्री कृष्ण मुरली को ही बजाया करते थे। आकार और एक जैसा रूप होने के कारण मुरली, बंसी और बांसुरी को एक जैसा समझा जाता है।

शास्त्रों में बताया गया है कि श्री कृष्ण संपूर्ण 64 कलाओं के स्वामी थे। ऐसे में उनकी मुरली भी संपूर्ण स्वरों से संपन्न थी। यही कारण है कि घर में भी वास्तु शास्त्र में 7 छेद वाली मुरली रखने को कहा गया है।

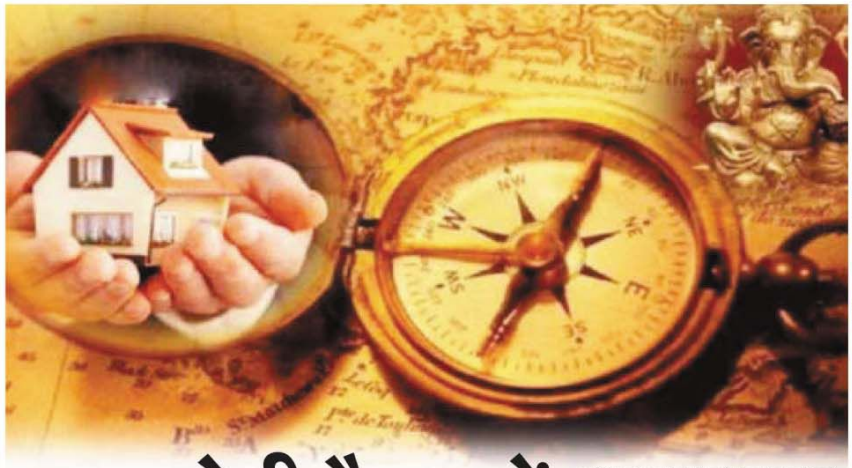

क्या होती है घर में ईशान कोण दिशा महत्व व अन्य बातें

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा का अत्यधिक महत्व होता है। इसे घर की सबसे शुभ और शक्तिशाली दिशा माना जाता है। मान्यता है कि यह आपके घर में समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति से जुड़ी हुई होती है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा को ही ईशान कोण दिशा भी कहा जाता है, जो हिंदू धर्म में सृष्टि और संसार के देवता भगवान शिव से संबंधित होती है। यह दिशा उस घर के निवासियों के स्वास्थ्य, धन और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिशा में तत्वों का सही स्थान और संरेखण सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन लाने में सहायक होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ईशान कोण दिशा जल तत्व से जुड़ी हुई होती है, जो जीवन में स्थिरता और शुद्धता का प्रतीक मानी जाती है।

इस क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मानसिक स्पष्टता, वित्तीय समृद्धि और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है। घर का मंदिर, मेडिटेशन का कमरा या पढ़ाई के लिए यह दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है। हालांकि, इस दिशा का महत्व तभी बढ़ता है जब इसे साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखा जाए। भारी सामान, गंदगी या गलत स्थान का निर्माण जैसे बाथरूम और किचन इस दिशा की ऊर्जा को कमजोर कर सकते हैं। आइए, वास्तु विशेषज्ञ, न्यूमेरोलॉजिस्ट और टैरो कार्ड रीडर, मधु कोटिया से जानें ईशान कोण के महत्व और इसके नियमों के बारे में सब कुछ।

क्या होता है घर का ईशान कोण

ईशान कोण घर की उत्तर-पूर्व दिशा होती है, वास्तु शास्त्र में इसे घर की सबसे पवित्र और शुभ दिशा के रूप में देखा जाता है। यह दिशा चार प्रमुख दिशाओं उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम के बीच पूर्व और उत्तर के मिलन बिंदु पर स्थित होती है। इस दिशा को हिंदू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है, क्योंकि इसे ईश्वर की दिशा के रूप में देखा जाता है। यह दिशा घर के सभी निवासियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, समृद्धि और रिश्तों को प्रभावित करती है। ईशान कोण को आध्यात्मिक द्वार भी कहा जाता है, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करता है और घर में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसकी विशेषताओं की वजह से इस दिशा का उपयोग ध्यान, पूजा, और पढ़ाई जैसे कार्यों के लिए किया जाता है।

ईशान कोण दिशा का महत्व

ईशान कोण वह दिशा है जो शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों रूपों को जोड़ने का कार्य करती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह दिशा पवित्रता, ज्ञान और आध्यात्मिक प्रगति का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में ऊर्जा का प्रवाह मानसिक स्पष्टता, मानसिक शांति और वित्तीय समृद्धि को प्रभावित करता है। उत्तर-पूर्व को हमेशा स्वच्छ और अव्यवस्था से मुक्त रखना जरूरी होता है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निर्बाध रूप से चलता रहे। यह दिशा व्यक्ति के दिव्य शक्ति से जुड़ाव को बढ़ाती है और आंतरिक शांति प्रदान करती है। एक पूजा कक्ष, छोटा मंदिर या ध्यान का स्थान उत्तर-पूर्व में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद आकर्षित करने में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही चूंकि यह दिशा ज्ञान और बुद्धि से जुड़ी हुई होती है, इसलिए यह अध्ययन या पढ़ाई के लिए भी आदर्श मानी जाती है। यदि इस दिशा में स्टडी टेबल मेज या किताबों का स्थान रखा जाए तो यह पढ़ने वाले छात्रों को एकाग्रता, ध्यान और मानसिक स्पष्टता प्रदान करने में मदद करती है।

ईशान कोण में क्या रखना चाहिए

वैसे तो ईशान कोण को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, लेकिन उस जगह पर कुछ विशेष चीजों को रखना महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए जानें ईशान कोण में क्या रखना चाहिए-

ईशान कोण में रखें पूजा का मंदिर

अगर हम घर के मंदिर की बात करें तो घर के लिए ईशान कोण को सबसे अच्छी दिशा माना जाता है। इस क्षेत्र में एक छोटा मंदिर या धार्मिक मूर्तियां रखने से आपको सकारात्मक ऊर्जा मिल सकती है और देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। इस दिशा में पूजा का स्थान होने से वहां के निवासियों में सदैव ईश्वर की कृपा बनी रहती है और घर में भी खुशहाली आती है।

ईशान कोण में रखें लिविंग रूम

यदि आपका घर बड़ा है, तो लिविंग रूम भी घर के ईशान कोण में रखा जा सकता है। आमतौर पर इस क्षेत्र को खुला और हवादार रखना चाहिए और प्राकृतिक रोशनी से भरपूर बनाना चाहिए। इस दिशा में लिविंग रूम रखने से परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बना रहता है और खुशहाली आती है। इस स्थान पर बना लिविंग रूप आपके रिश्तों में भी सामंजस्य बनाने में मदद करता है।

ईशान कोण में रखें स्टडी रूम

छात्रों के लिए उत्तर-पूर्व दिशा में अध्ययन कक्ष रखना सर्वोत्तम माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह स्थान अध्ययन, बुद्धि और शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देता है। स्टडी रूम में आपकी स्टडी टेबल की मेज को पूर्व या उत्तर की ओर मोड़कर रखा जाना चाहिए।

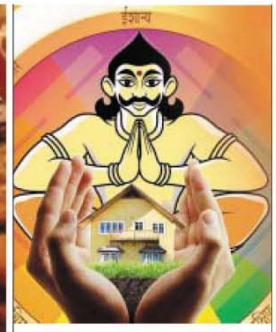

घर के लिए ईशान कोण दिशा के नियम

- ईशान कोण का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ वास्तु दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी होता है। यदि आप इन नियमों का पालन करते हैं तो हमेशा घर में समृद्धि बनी रहती है।
- घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हमेशा स्वच्छ और अव्यवस्थित रखें। इस क्षेत्र में भारी सामान या अनावश्यक चीजें रखने से ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है, इसलिए यहां कोई भी सामान रखते समय उसका ध्यान रखना जरूरी है।
- चूंकि यह स्थान जल तत्व से जुड़ा होता है, इसलिए इस दिशा में एक जल स्रोत जैसे छोटा फव्वारा, एक्वेरियम या जल पात्र रखना शुभ हो सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित करें कि पानी स्वच्छ होना चाहिए। इस स्थान पर स्थिर पानी आपके जीवन में नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
- उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हमेशा अच्छी रोशनी और वेंटिलेशन मिलना चाहिए जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निर्बाध बना रहे। प्राकृतिक रोशनी इस क्षेत्र के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, इसलिए खिड़कियों या दरवाजों को भारी पर्दों या फर्नीचर से ब्लॉक न करें।
- इस दिशा में बड़े या भारी फर्नीचर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकता है और घर में असंतुलन पैदा कर सकता है। इसके बजाय हल्के और न्यूनतम फर्नीचर का चुनाव करें।
- इस दिशा के लिए हल्के और शांत रंग जैसे सफेद, क्रीम, हल्का नीला और पीला सबसे ज्यादा आदर्श माने जाते हैं। ये रंग शांति, मानसिक स्पष्टता और मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में गहरे और तीव्र रंगों का उपयोग न करें।

ईशान कोण दिशा में जरूर रखें यह एक चीज, होगा धन लाभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार ईशान कोण दिशा को उत्तर-पूर्व दिशा भी कहा जाता है। यह घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। इस दिशा में देवी-देवताओं का वास स्थान माना जाता है। इसलिए इस स्थान को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है। बता दें, ईशान कोण दिशा में अगर आप देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-पाठ करते हैं, तो व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है। अब ऐसे में इस दिशा में शंख रखने का विशेष महत्व बताया गया है। ईशान कोण दिशा का महत्व क्या है?

ईशान कोण को देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। इस दिशा में पूजा स्थल स्थापित करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-शांति आती है। ह दिशा ग्रह गुरु बृहस्पति से संबंधित है, जो ज्ञान और बुद्धि का कारक माना जाता है। ईशान कोण सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसलिए इस दिशा को स्वच्छ रखना बेहद जरूरी है। ईशान कोण धन और समृद्धि से जुड़ा है। इस दिशा में तिजोरी रखने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। ईशान कोण दिशा में पूजा करने और ध्यान लगाने के लिए सबसे शुभ स्थान माना जाता है। शंख को ईशान कोण में रखना शुभ माना जाता है। शंख को जल से भरकर उसमें कुछ तुलसी के पत्ते डालकर रखें। शंख को देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। ईशान कोण में शंख रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर और कार्यस्थल में शांति और समृद्धि का वातावरण बनता है। ईशान कोण धन और समृद्धि से जुड़ा है। इसलिए इस दिशा में शंख रखने से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। ईशान कोण दिशा में शंख बजाने से मानसिक तनाव दूर हो सकती है और मन शांत रहता है।

ईशान कोण दिशा में शंख की पूजा कैसे करें?

सबसे पहले, शंख को जल से अच्छी तरह धो लें। फिर, शंख में थोड़ा सा गंगाजल डालकर उसमें कुछ तुलसी के पत्ते डालें। शंख को ढककर कुछ देर के लिए रख दें। फिर ईशान कोण दिशा में एक चौकी रखें और उसपर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। चौकी पर शंख रखें। शंख के मुख को पूर्व दिशा की ओर रखें। शंख के पास घी का दीपक जलाएं। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

ब्रज, श्री कृष्ण और राधा रानी से जुड़ी ऐसी कई पौराणिक कथाएं और लीलाएं हैं जिनके बारे में आज भी बहुत कम लोग ही जानते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप में से अधिकतर लोगों को यह पता होगा कि राधा रानी श्री कृष्ण की प्रेमिका है और राधा रानी एवं कान्हा ने ब्रज में कई लीलाएं दिखाई हैं, रास रचाया है। श्री कृष्ण से पहले राधा रानी का नाम लेने का वरदान श्री कृष्ण ने ही दिया था।

ब्रज में क्यों लिया जाता है सिर्फ राधा रानी का नाम?

बिना राधा नाम के कृष्ण नहीं मिलते हैं आदि। इन सभी बातों, धारणाओं और राध-कृष्ण से जुड़ी लीलाओं के बीच क्या आप ये जानते है कि जिस ब्रज में कन्हैया और राधा रानी ने जन्म लिया, कि जिस ब्रज को राधा रानी और श्री कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना जाता है, कि जिस ब्रज में कान्हा ने कई राक्षसों का उद्धार किया, कि जिस ब्रज के कण-कण में कान्हा और राधा रानी हैं उसी ब्रज में क्यों सिर्फ राधा नाम लिया जाता है, कान्हा का नहीं। ब्रज में कृष्ण नाम क्यों नहीं लिया जाता है?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब श्री कृष्ण ब्रज धाम छोड़कर द्वारका चले गये थे, तब राधा रानी समेत ब्रज चौरासी कोस में जितनी भी गोपियां थीं वह कान्हा की विरह पीड़ा में बहुत रोई थीं। यहां तक कि एक भी ऐसा दिन नहीं जाता था जब उनकी आंखों से आंसू नहीं टपकते थे।

राधा रानी और गोपियों को कान्हा से इतना प्रेम था जिसका आंकलन कर पाना भी संभव न था। कान्हा के जाने के बाद राधा रानी और गोपियों का हाल ऐसा हो गया था कि अगर कोई ब्रज मंडल में कृष्ण का नाम भी ले दे तो वह कृष्ण नाम सुन विरह पीड़ा में बेहोश हो जाती थीं।

यहां तक कि गोपियां कई-कई घंटों तक बेहोश रहती थीं और जब भी होश में आती थीं तब कृष्ण-कृष्ण पुकारते हुए पुनः मूर्छित हो जाया करती थीं। ब्रज के पुरुषों द्वारा गोपियों का यह हाल देखा नहीं गया। सभी पुरुषों ने यह तय किया कि वह राधा रानी के पास जाकर बात करेंगे। हालांकि जब सभी गोपियों के परिजन और स्वयं राधा रानी के पिता वृषभान जी श्री राधा रानी के पास पहुंचे तब उन्होंने देखा कि राधा रानी खुद किसी मूरत की तरह एक स्थान पर एक रूप में एक अवस्था में बिना हिलेडुले बैठी हुई थीं और उनके नेत्रों से लगातार आंसू बहे जा रहे थे।

राधा रानी की प्रिय सखी ललिता ने बताया कि आखिरी बार श्री कृष्ण इसी स्थान पर राधा रानी से विदा लेकर गए थे जहां अभी वो बैठीं है और उस दिन से आजतक भी राधा रानी इसी स्थान पर विराजित हैं।

राधा रानी के मुंह से एक शब्द, एक ध्वनि तक भी नहीं निकली है। यह देख वृषभान जी ने यह निर्णय लिया कि वह ब्रज मंडल के मुख्य द्वार पर एक पहरे दार बैठाएंगे और साथ ही, कुछ पहरेदारों को ब्रज के भीतर नियुक्त करेंगे जो इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी व्यक्ति के मुंह से कृष्ण नाम न निकले और आगे हुआ भी ऐसा ही।

ब्रज क्षेत्र में आते ही किसी को भी कृष्ण नाम लेने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में जिन लोगों को जब भी कभी कृष्ण पुकारने का मन करता तो वह राधा नाम ले लेते क्योंकि राधा कृष्ण एक ही हैं अलग-अलग नहीं। तो इस तरह ब्रज में तब से लेकर आज तक भी राधे-राधे बोला जाता है।

हालांकि अन्य कृष्ण मंदिर जो ब्रज के बाहर हैं, जैसे कि द्वारकाधीश मंदिर गुजरात या फिर श्री कृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों के मंदिर जैसे कि गोविंद देव जी मंदिर आदि सभी मंदिरों में जय श्री कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण कहा जाता है लेकिन सिर्फ ब्रज में राधे-राधे बोला जाता है।